RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

वर्ष :16 । अंक: 73 । पेज:08। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, 09 नवम्बर 2026(सोमवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

गुजरात कांग्रेस कार्यालय में चोपड़ा और महालक्ष्मी पूजन, अमित चावड़ा ने प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। गुजरात प्रदेश कांग्रेस कमेटी की ओर से दीपावली के अवसर पर रविवार को पालडी स्थित प्रदेश कार्यालय राजीव गांधी भवन में पारंपरिक चोपड़ा और महालक्ष्मी पूजन का आयोजन किया गया। इस धार्मिक कार्यक्रम में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अमित चावड़ा ने वैदिक मंत्रोच्चार और दीप प्रज्वलन के साथ विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। कार्यक्रम में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता, विधायक, पार्षद, विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए। दीपों और रोशनी से सजे कार्यालय में उत्साहपूर्ण माहौल रहा। इस अवसर पर अमित चावड़ा ने पत्रकारों और नागरिकों को दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पर्व केवल रोशनी का त्योहार नहीं, बल्कि निराशा दूर कर आशा, विश्वास और सद्भावना का संदेश देने का अवसर है। उन्होंने मां महालक्ष्मी से प्रार्थना की कि देश और गुजरात निरंतर प्रगति करें तथा किसानों, युवाओं, व्यापारियों और गरीब-वंचित वर्ग सहित प्रदेश के प्रत्येक नागरिक के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली बनी रहे। उन्होंने सामाजिक एकता, भाईचारे और आपसी सद्भाव को मजबूत करने की कामना भी की। पूजा के बाद नेताओं और कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को दीपावली एवं नववर्ष की शुभकामनाएं दीं।



जयपुर में कैफे संचालक पर जानलेवा हमला, लाठी-डंडों से पीटकर अधमरा किया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। वैशाली नगर थाना क्षेत्र में 5 नवंबर की रात करीब 9:45 बजे कैफे बंद कर घर लौट रहे संचालक मयंक गोपालिया (34) पर बदमाशों ने जानलेवा हमला कर दिया। वैशाली मार्ग स्थित अपना कैफे बंद कर पैदल जा रहे मयंक पर गली के मोड़ पर पहले से घात लगाकर बैठे हमलावरों ने लाठी-डंडों से ताबड़तोड़ वार किए। सिर में गंभीर चोट लगने से वह जमीन पर गिर पड़े, लेकिन बदमाश उन्हें पीटते रहे और अधमरा छोड़कर फरार हो गए। राहगीरों ने उन्हें अस्पताल पहुंचाया, जहां सिर का ऑपरेशन करना पड़ा। वारदात का सीसीटीवी दृश्य रविवार को सामने आया। प्रारंभिक जांच में कैफे की एक महिला कर्मचारी के दोस्त पर संदेह है। बताया जा रहा है कि कैफे में आने को लेकर मयंक से उसका विवाद हुआ था और उसने जान से मारने की धमकी भी दी थी। पुलिस ने परिजनों की शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।



बेंगलुरु-लखनऊ इंडिगो विमान को बम नहीं, हाईजैक की धमकी; बीच रास्ते से लौटाया गया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बेंगलुरु। बेंगलुरु से लखनऊ जा रही इंडिगो की उड़ान संख्या 6ई-451 को शनिवार को विमान अपहरण की धमकी मिलने से हड़कंप मच गया। उड़ान के दौरान विमान के शौचालय में चालक दल के सदस्यों को धमकी भरा एक नोट मिला। इसके बाद पायलट ने तत्काल विमान को वापस बेंगलुरु ले जाने का निर्णय लिया। विमान के केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरने से पहले टर्मिनल-1 पर पूर्ण आपात स्थिति घोषित कर दी गई। विमान के पहुंचते ही सुरक्षा कर्मियों ने उसे अपने नियंत्रण में लेकर अलग स्थान पर खड़ा कराया और सुरक्षा जांच शुरू की। विमान में मिले धमकी भरे नोट की जांच की जा रही है। यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि नोट किसने लिखा और वह विमान के शौचालय तक कैसे पहुंचा। घटना के बाद यात्रियों और विमान कर्मचारियों की सुरक्षा को लेकर हवाई अड्डे पर सतर्कता बढ़ा दी गई।



श्रीनगर के लाल चौक में चार वांछित आतंकियों के पोस्टर लगाए, सूचना देने वाले को मिलेगा इनाम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद के खिलाफ सुरक्षा एजेंसियों की कार्रवाई के बीच रविवार सुबह श्रीनगर के प्रमुख लाल चौक इलाके में चार वांछित आतंकियों की तस्वीरों वाला बैनर लगाया गया। यह बैनर प्रताप पार्क की दीवार पर लगाया गया है, जिसमें आतंकियों के नाम और तस्वीरें प्रदर्शित की गई हैं। बैनर के माध्यम से आम नागरिकों से इन आतंकियों की मौजूदगी और गतिविधियों के संबंध में विश्वसनीय जानकारी देने की अपील की गई है। बैनर में मोहम्मद लतीफ भट की तस्वीर भी शामिल है, जिस पर इस वर्ष जुलाई में अनंतनाग में एक पुलिसकर्मी की हत्या में शामिल होने का आरोप है। इसके अलावा बारामूला जिले के रहने वाले बिलाल अहमद मीर, मोहम्मद उमर मीर और आबिद कयूम लोन के नाम भी इसमें दर्ज हैं। बैनर पर स्पष्ट रूप से कहा गया है कि इन आतंकियों की आवाजाही या उनके ठिकाने के संबंध में पुख्ता जानकारी देने वाले व्यक्ति की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी और उसे उचित नकद इनाम दिया जाएगा। इससे पहले अगस्त और सितंबर के दौरान काउंटर इंटेलिजेंस कश्मीर ने भी लश्कर-ए-तैयबा के वांछित आतंकी लतीफ अहमद भट की गिरफ्तारी में मदद करने वाली सूचना देने पर 15 लाख रुपये के इनाम की घोषणा की थी। एजेंसी ने श्रीनगर के विभिन्न इलाकों में उसकी तस्वीरों वाले पोस्टर भी लगाए थे। लतीफ अहमद भट को लश्कर-ए-तैयबा का शीर्ष कमांडर बताया जा रहा है। सुरक्षा एजेंसियां आतंकियों की तलाश और उनकी गतिविधियों पर नजर रखने के लिए स्थानीय स्तर पर सूचना तंत्र को मजबूत करने में जुटी हैं। लाल चौक जैसे प्रमुख सार्वजनिक स्थान पर बैनर लगाया जाना आतंकवाद के खिलाफ अभियान में आम नागरिकों से सहयोग लेने की रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है।



सत्ता की राजनीति, लोकतंत्र पर चोट और सुरक्षा में चूक!

इंदिरा से राजीव तक की कहानी में सरकारों की जवाबदेही कठघरे में

सोनिया गांधी के खुलासों ने फिर खड़े किए कई असहज सवाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

नई दिल्ली। देश की राजनीति में एक बार फिर अतीत के वे अध्याय चर्चा के केंद्र में हैं, जिनके फैसलों और परिणामों ने भारतीय लोकतंत्र की दिशा को प्रभावित किया। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी ने अपनी आगामी पुस्तक 'बिलॉन्गिंग : अ जर्नी ऑफ लव' में निजी जीवन से लेकर देश की राजनीति, आपातकाल, इंदिरा गांधी की हत्या और राजीव गांधी की सुरक्षा से जुड़े कई गंभीर अनुभव साझा किए हैं। उनके खुलासे केवल एक राजनीतिक परिवार की निजी कहानी नहीं हैं, बल्कि सत्ता के गलियारों में लिए गए फैसलों, सरकारी जिम्मेदारियों और लोकतांत्रिक मूल्यों पर भी गंभीर सवाल खड़े करते हैं। सोनिया गांधी के अनुसार, राजीव गांधी को लगातार जान से मारने की धमकियां मिल रही थीं और भारतीय खुफिया एजेंसियां भी इससे अवगत थीं, लेकिन तत्कालीन नई सरकार ने इन चेतावनियों को गंभीरता से नहीं लिया और उनकी सुरक्षा हटा दी गई। सोनिया का कहना है कि उन्हें नहीं लगता कि इस मामले का पूरा सच कभी सामने आ सकेगा। यह बयान एक बार फिर सवाल उठाता है कि जब किसी बड़े राजनीतिक व्यक्ति की जान पर खतरे की जानकारी संबंधित एजेंसियों को हो, तब सुरक्षा व्यवस्था में लापरवाही की जिम्मेदारी आखिर किसकी होती है? सोनिया ने इंदिरा गांधी के दो अलग-अलग व्यक्तित्वों का भी जिक्र किया है। उनके मुताबिक, सार्वजनिक जीवन में कठोर दिखाई देने वाली इंदिरा घर में सामान्य मां की तरह थीं। उन्होंने यह भी बताया कि 1975 में आपातकाल लगाने के फैसले को लेकर परिवार के भीतर मतभेद थे। राजीव गांधी इस फैसले के पक्ष में नहीं थे और उन्होंने अपनी मां को अगले चुनाव तक इंतजार करने की सलाह दी थी, जबकि संजय गांधी आपातकाल के समर्थन में थे। सोनिया ने स्वीकार किया है कि आपातकाल लगाना गलती थी और इंदिरा गांधी भी बाद में इस फैसले को लेकर सहज नहीं थीं। 31 अक्टूबर 1984 को इंदिरा गांधी की हत्या का आंखों देखा भयावह दृश्य भी उन्होंने पुस्तक में साझा किया है। सोनिया के अनुसार, जब वह घटनास्थल पर पहुंचीं तो इंदिरा गांधी गोलियों से छलनी जमीन पर पड़ी थीं। अस्पताल तक का सफर उनके जीवन का सबसे असहनीय समय था। इंदिरा की मृत्यु के बाद जब राजीव गांधी को प्रधानमंत्री बनने के लिए कहा गया तो सोनिया ने उन्हें राजनीति से दूर रहने की गुहार लगाई थी। पुस्तक में दिसंबर 1992 में अयोध्या की बाबरी मस्जिद गिराए जाने की घटना का भी उल्लेख है। सोनिया बताती हैं कि टेलीविजन पर यह दृश्य देखकर वह रो पड़ी थीं और उन्हें महसूस हुआ कि धर्मनिरपेक्ष भारत की अवधारणा को बचाने के लिए लंबी लड़ाई लड़नी होगी। उन्होंने कांग्रेस की राजनीतिक आत्मसंतुष्टि को भी भाजपा और कट्टर हिंदुत्व की राजनीति के उभार का एक कारण माना है। सोनिया के ये बयान इतिहास के साथ वर्तमान राजनीति के लिए भी कई सवाल छोड़ते हैं। लोकतंत्र में सत्ता बदलती रहती है, लेकिन सरकारों की जवाबदेही, नागरिकों की सुरक्षा और संवैधानिक मूल्यों की रक्षा स्थायी जिम्मेदारी होती है। सवाल यह है कि क्या राजनीतिक सत्ता के फैसलों में लोकतांत्रिक संस्थाओं और देश के व्यापक हितों को हमेशा सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाती है? और जब सुरक्षा संबंधी चेतावनियों को नजरअंदाज किए जाने के आरोप सामने आते हैं, तो जवाबदेही तय करने की व्यवस्था कितनी प्रभावी होती है? इंदिरा गांधी के आपातकाल से लेकर राजीव गांधी की सुरक्षा और बाबरी मस्जिद विध्वंस तक के प्रसंग आज भी भारतीय राजनीति के लिए चेतावनी हैं कि सत्ता का अहंकार, राजनीतिक लापरवाही और लोकतांत्रिक मूल्यों की अनदेखी की कीमत अंततः देश और समाज को चुकानी पड़ती है।



पत्नी की निर्मम हत्या के बाद कटा सिर लेकर काली मंदिर पहुंचा पति, मंदिर परिसर में बैठा रहा आरोपी

दो मासूम बच्चों के सामने हुई वारदात से इलाके में सनसनी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कोलकत्ता। पश्चिम बंगाल के दक्षिण दिनाजपुर जिले के गंगारामपुर में पारिवारिक विवाद के बाद एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी की धारदार हथियार से हत्या कर दी। वारदात के बाद आरोपी पत्नी का कटा हुआ सिर लेकर घर से निकला और काली मंदिर पहुंच गया। मंदिर परिसर में खून से लथपथ सिर लेकर बैठे व्यक्ति को देखकर स्थानीय लोग स्तब्ध रह गए। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, आरोपी की पहचान 47 वर्षीय रिंटू घोष के रूप में हुई है, जबकि मृतका 42 वर्षीय सीमा सरकार घोष थी। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, घर में हुए विवाद के दौरान आरोपी ने पत्नी पर धारदार हथियार से हमला कर उसका गला काट दिया। घटना के समय दंपती के दो छोटे बच्चे भी घर में मौजूद थे। मां की हत्या और उसके बाद पिता की इस हरकत ने बच्चों को गहरे सदमे में डाल दिया है। वारदात के बाद आरोपी कटा हुआ सिर लेकर गंगारामपुर के काली मंदिर पहुंचा और वहां बैठ गया। मंदिर के आसपास मौजूद लोगों ने जब यह दृश्य देखा तो तत्काल पुलिस को सूचना दी। गंगारामपुर पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और आरोपी को हिरासत में लेकर गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी कुछ समय पहले अपनी नौकरी गंवा चुका था और आर्थिक तंगी से जूझ रहा था। हालांकि, इन परिस्थितियों को हत्या का कारण मानने से पहले पुलिस जांच के निष्कर्ष सामने आना जरूरी है। पुलिस ने मृतका का शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले में प्राथमिकी दर्ज कर आगे की जांच की जा रही है। इस घटना ने एक बार फिर घरेलू विवादों के हिंसक रूप लेने और परिवार के मासूम बच्चों पर पड़ने वाले गंभीर मानसिक प्रभाव को लेकर चिंता बढ़ा दी है। सवाल यह भी है कि आर्थिक तनाव और पारिवारिक कलह की स्थिति में समय रहते सहायता और हस्तक्षेप की व्यवस्था कितनी प्रभावी है, ताकि किसी घर का विवाद इस तरह की त्रासदी में न बदले।

नक्सलवाद के खिलाफ जंग अभी बाकी!

जंगलों से हथियारबंद नक्सली खत्म, अब वैचारिक नक्सलवाद पर प्रधानमंत्री का निशाना; राजनीतिक संगठनों में घुसपैठ का लगाया आरोप



महानगर मेट्रो ब्यूरो

बस्तर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को छत्तीसगढ़ के बस्तर स्थित केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के कोबरा अभियान आधार शिविर में जवानों के साथ दीपावली मनाई। इस दौरान उन्होंने नक्सलवाद के खिलाफ चलाए गए अभियानों को सुरक्षा बलों की बड़ी उपलब्धि बताया, लेकिन साथ ही चेतावनी दी कि नक्सलवाद का खतरा पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है। प्रधानमंत्री ने कहा कि जंगलों में हथियार उठाने वाले नक्सलियों के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई हुई है, लेकिन अब वैचारिक स्तर पर देश की संवैधानिक और लोकतांत्रिक व्यवस्था को चुनौती देने वाली ताकतों से सावधान रहने की जरूरत है। उन्होंने आरोप लगाया कि ऐसे तत्वों ने कई राजनीतिक संगठनों में घुसपैठ कर ली है और लोगों को संविधान तथा लोकतंत्र के खिलाफ भड़काने का प्रयास कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि ऐसे लोगों की पहचान कर उनके प्रभाव को समाप्त करना जरूरी है। जवानों को संबोधित करते हुए मोदी ने वर्ष 2026 की दीपावली को विशेष बताते हुए दावा किया कि चार से पांच दशकों के बाद पहली बार देश का हर जिला नक्सलवाद के प्रभाव से मुक्त हुआ है और करोड़ों लोगों ने भय के माहौल से राहत पाई है। उन्होंने पिछले एक वर्ष में ड्यूटी के दौरान किसी केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के जवान के शहीद नहीं होने को सुरक्षा बलों के साहस, रणनीति और सरकारी नीतियों की उपलब्धि बताया। प्रधानमंत्री ने वर्ष 2004 से 2013 के बीच की स्थिति का उल्लेख करते हुए कहा कि उस दौर में नक्सली हिंसा में हर साल सुरक्षा बलों के जवानों की बड़ी संख्या में शहादत होती थी। उन्होंने पिछली सरकारों पर नक्सलवाद की समस्या के समाधान के लिए पर्याप्त प्रयास नहीं करने का आरोप लगाया। मोदी ने आंतरिक सुरक्षा को राष्ट्रीय सुरक्षा की बुनियाद बताते हुए कहा कि जब देश भीतर से मजबूत होता है, तभी बाहरी चुनौतियों का प्रभावी ढंग से मुकाबला किया जा सकता है। अपने संबोधन में उन्होंने आर्थिक उपलब्धियों का भी उल्लेख किया और विश्व बैंक की रिपोर्ट का हवाला देते हुए दावा किया कि पिछले 12 वर्षों में देश के लगभग 50 करोड़ लोग अत्यधिक गरीबी से बाहर आए हैं। उन्होंने इसे सरकारी कल्याणकारी योजनाओं का परिणाम बताया। प्रधानमंत्री लगातार 13वीं बार सुरक्षा बलों के जवानों के साथ दीपावली मनाने पहुंचे। इससे पहले वे देश के अलग-अलग सीमावर्ती और संवेदनशील क्षेत्रों में जवानों के बीच त्योहार मना चुके हैं। हालांकि, उनके संबोधन में वैचारिक नक्सलवाद और राजनीतिक संगठनों में कथित घुसपैठ का मुद्दा नई बहस का विषय बन सकता है।

आठ साल बाद दिवाली के मुहूर्त कारोबार में शेयर बाजार को लगा झटका, सेंसेक्स-निफ्टी गिरावट के साथ बंद, अगली दिवाली तक शानदार तेजी की उम्मीद

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। दीपावली के अवसर पर रविवार को भारतीय शेयर बाजार में विशेष मुहूर्त कारोबार हुआ, लेकिन नए संवत की शुरुआत निवेशकों के लिए हल्की निराशा लेकर आई। आठ साल बाद ऐसा हुआ जब मुहूर्त कारोबार के दिन बाजार गिरावट के साथ बंद हुआ। कारोबार के अंत में सेंसेक्स 29 अंक यानी 0.04 प्रतिशत टूटकर 81,000 के स्तर पर आ गया, जबकि निफ्टी 44 अंक यानी 0.18 प्रतिशत गिरकर 25,986 पर बंद हुआ। इससे पहले वर्ष 2017 में मुहूर्त कारोबार के दौरान बाजार में 0.63 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई थी। हालांकि, बाजार में बिकवाली का दबाव सभी क्षेत्रों में एक जैसा नहीं रहा। मीडिया और औषधि कंपनियों के शेयरों में सबसे अधिक खरीदारी देखने को मिली। सेंसेक्स के 30 प्रमुख शेयरों में से 16 बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 14 में गिरावट दर्ज की गई। सन फार्मा और टाटा स्टील के शेयर प्रमुख लाभ कमाने वालों में शामिल रहे। वहीं, महिंद्रा एंड महिंद्रा और इंडिगो के शेयरों में सबसे अधिक कमजोरी देखने को मिली। मुहूर्त कारोबार को भारतीय शेयर बाजार में नई शुरुआत और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। परंपरागत रूप से यह कारोबार दीपावली की शाम लक्ष्मी पूजन के समय होता था, लेकिन निवेशकों और कारोबारियों के अनुरोध पर पिछले वर्ष से इसके समय में बदलाव किया गया है। इस बीच बाजार के भविष्य को लेकर सकारात्मक अनुमान भी सामने आए हैं। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के अध्यक्ष एवं सह-संस्थापक रामदेव अग्रवाल का मानना है कि पिछले दो वर्षों की सुस्ती के बाद अगली दीपावली तक भारतीय शेयर बाजार निवेशकों को बेहतर प्रतिफल दे सकता है। उनके अनुसार, मौजूदा समय में कई कंपनियों के शेयर आकर्षक कीमतों पर उपलब्ध हैं और कंपनियों की कमाई में भी मजबूती दिखाई दे रही है। कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट, रुपये की स्थिरता और विदेशी संस्थागत निवेशकों की संभावित वापसी को भी बाजार के लिए सकारात्मक कारक माना जा रहा है। हालांकि, विशेषज्ञों के सकारात्मक अनुमानों के बावजूद निवेशकों के लिए बाजार की वास्तविक स्थिति, कंपनियों के प्रदर्शन और वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों पर नजर रखना जरूरी है। मुहूर्त कारोबार में आई मामूली गिरावट से नए संवत की दिशा तय नहीं होती, लेकिन यह संकेत जरूर देती है कि बाजार में तेजी की उम्मीदों के साथ सतर्कता भी आवश्यक है।



महाकाल मंदिर में अभ्यंग स्नान और अन्नकूट भोग के साथ दीपावली का शुभारंभ

महानगर मेट्रो ब्यूरो

उज्जैन। मध्य प्रदेश में दीपावली पर्व की शुरुआत भगवान महाकाल की नगरी उज्जैन स्थित श्री महाकालेश्वर मंदिर से हुई। रविवार सुबह भस्म आरती के दौरान बाबा महाकाल का विशेष अभ्यंग स्नान कराया गया। इस अवसर पर पुजारी परिवार की महिलाओं और बच्चों ने भगवान को उबटन लगाया, जबकि पुजारियों ने गर्म जल से स्नान कराया। इसके बाद भगवान महाकाल का विशेष शृंगार कर अन्नकूट का भोग अर्पित किया गया। दीपावली के अवसर पर मंदिर की प्राचीन परंपरा के अनुसार आरती के दौरान फुलझड़ी जलाकर उत्सव का शुभारंभ किया गया। मंदिर में दीपावली पर होने वाली चारों आरतियों में फुलझड़ी जलाने की परंपरा है। इनमें प्रातःकालीन भस्म आरती, अभ्यंग स्नान के बाद होने वाली आरती, संध्या आरती और शयन आरती शामिल हैं। प्रत्येक आरती में एक-एक फुलझड़ी जलाई जाती है। उधर, प्रदेशभर में शाम सात बजे से आतिशबाजी का दौर शुरू हो गया। घरों और मंदिरों में लोगों ने विधि-विधान से पूजन-अर्चन किया, वहीं बच्चों ने पटाखे चलाकर खुशियां मनाईं। महाकाल मंदिर में सबसे पहले त्योहार मनाने की परंपरा के साथ एक बार फिर धार्मिक उल्लास और आस्था के वातावरण में दीपावली का पर्व प्रारंभ हुआ।



पटना में दीपक से कंप्यूटर दुकान में लगी आग, अपार्टमेंट से 40 लोगों का सुरक्षित बचाव

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पटना। बिहार की राजधानी पटना में दीपावली के दौरान आग लगने की दो घटनाओं से अफरा-तफरी मच गई। पहली घटना कंकड़बाग थाना क्षेत्र में ग्रेवेटिव मॉल के पास स्थित विजय अमन अपार्टमेंट की है, जहां अपार्टमेंट के नीचे संचालित कंप्यूटर दुकान में आग लग गई। देखते ही देखते आग की लपटें आसपास की दुकानों तक फैलने लगीं। घटना की सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने के साथ अपार्टमेंट में फंसे लोगों को सुरक्षित निकालने का अभियान शुरू किया गया। दमकल कर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए करीब 30 से 40 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। इससे एक बड़ा हादसा टल गया। जिला अग्निशमन पदाधिकारी अभिषेक कुमार के अनुसार, शुरुआती जानकारी में कंप्यूटर दुकान में जल रहे दीपक से आग लगने की बात सामने आई है। इसके बाद आग ने पास की कपड़े की दुकान सहित आसपास की अन्य दुकानों को भी अपनी चपेट में ले लिया। दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। फिलहाल आग से दुकानों में हुए नुकसान का आकलन किया जा रहा है। वहीं, दूसरी घटना मनेर के आजाद नगर की है, जहां एक कबाड़ी दुकान में आग लग गई। अनुमंडल अग्निशमन पदाधिकारी शशिकांत कुमार ने बताया कि अग्निशमन दल मौके पर मौजूद है और स्थिति को नियंत्रित कर लिया गया है। आग पर पूरी तरह काबू पाने के प्रयास जारी हैं। दीपावली के दौरान हुई इन दोनों घटनाओं ने एक बार फिर दुकानों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में दीपक तथा ज्वलनशील सामग्री के आसपास आग से बचाव के इंतजामों की आवश्यकता को रेखांकित किया है।



ईडी कोई 'सुपर कॉप' नहीं, कानून के दायरे में रहकर करे काम: कर्नाटक हाई कोर्ट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बेंगलुरु। कर्नाटक हाई कोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्यप्रणाली पर टिप्पणी करते हुए स्पष्ट कहा है कि ईडी कोई 'सुपर कॉप' नहीं है, जो अपने संज्ञान में आने वाले हर मामले की जांच शुरू कर दे। एजेंसी को कानून के दायरे में रहकर ही कार्रवाई करनी होगी। अदालत ने यह टिप्पणी कांग्रेस नेता केवाई नंजे गौड़ा से जुड़े धनशोधन मामले की सुनवाई के दौरान की और ईडी की कार्रवाई रद्द कर दी। ईडी भूमि आवंटन घोटाले के सिलसिले में गौड़ा की जांच कर रही थी। इस दौरान एजेंसी ने संबंधित लोगों को समन जारी किए थे और मूल भूमि घोटाले का मामला खारिज होने के बाद भी अपनी कार्रवाई जारी रखी थी। इसी कार्रवाई को हाई कोर्ट में चुनौती दी गई थी।

जाफराबाद के टींबी गांव में अस्पताल के सामने खड़ी कार में लगी भीषण आग, वाहन जलकर राख



महानगर मेट्रो ब्यूरो

अमरेली/जाफराबाद। अमरेली जिले के जाफराबाद तालुका के टींबी गांव में हरिकृष्ण अस्पताल के सामने खड़ी एक कार में अचानक भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और पूरी कार धू-धूकर जलने लगी। कुछ ही देर में वाहन पूरी तरह जलकर राख हो गया। घटना के बाद आसपास के लोगों और राहगीरों में अफरा-तफरी मच गई। जानकारी के अनुसार, अस्पताल के सामने खड़ी कार से अचानक काला धुआं उठने लगा। लोग कुछ समझ पाते, उससे पहले ही वाहन से आग की ऊंची लपटें निकलने लगीं और देखते ही देखते पूरी कार आग की चपेट में आ गई। अस्पताल के सामने घटना होने के कारण वहां मौजूद लोगों, मरीजों के परिजनों और राहगीरों की भीड़ जमा हो गई। कार में किसी के फंसे होने की आशंका से लोगों में चिंता फैल गई। हालांकि, शुरुआती जानकारी के अनुसार इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। कार में आग लगने का वास्तविक कारण अभी स्पष्ट नहीं हुआ है। प्रारंभिक आशंका है कि वाहन की विद्युत प्रणाली में खराबी या किसी तकनीकी गड़बड़ी के कारण आग लगी हो सकती है। घटना ने एक बार फिर खड़े वाहनों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। मामले में आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

मोरबी में 45 लाख रुपए की सरकारी ग्रांट का हिसाब मांगने पर पंचायत प्रमुख ने साधी चुप्पी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मोरबी। गुजरात के मोरबी जिले में पंचायत को विकास कार्यों के लिए मिली 45 लाख रुपए की ग्रांट को लेकर सवाल उठने लगे हैं। सरकारी राशि कहां और किन कार्यों पर खर्च की गई, इसका हिसाब मांगने पर पंचायत प्रमुख की ओर से कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया गया। जानकारी के अनुसार, पत्रकार विपुल प्रजापति और योगेश रंगपरिया ने पंचायत प्रमुख से सीधे सवाल करते हुए पूछा कि जनता के विकास के लिए आवंटित 45 लाख रुपए की राशि किन कार्यों में खर्च की गई है और उसका पूरा लेखा-जोखा सार्वजनिक क्यों नहीं किया जा रहा है। बताया जाता है कि सवालों के जवाब में पंचायत प्रमुख ने चुप्पी साध ली और खर्च का विवरण देने से बचते नजर आए। इस घटनाक्रम के बाद पंचायत के कामकाज और सरकारी राशि के उपयोग को लेकर क्षेत्र में चर्चा शुरू हो गई है। स्थानीय स्तर पर लोग यह जानना चाहते हैं कि स्वीकृत राशि से कौन-कौन से विकास कार्य कराए गए और उन पर कितना खर्च हुआ। हालांकि, केवल जवाब नहीं मिलने के आधार पर किसी तरह की अनियमितता या भ्रष्टाचार की पुष्टि नहीं की जा सकती। ऐसे में पंचायत प्रशासन को ग्रांट से संबंधित स्वीकृति पत्र, कार्यों की सूची, खर्च का विवरण और उपयोगिता प्रमाण पत्र सार्वजनिक करना चाहिए, ताकि जनता के सामने पूरी स्थिति स्पष्ट हो सके। अब देखना होगा कि संबंधित अधिकारी इस मामले में क्या जवाब देते हैं।



वस्त्राल पुलिस की जोरदार शुरुआत, थाने के उद्घाटन के 24 घंटे के भीतर बाजारों में पैदल गश्त शुरू

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। शहर के पूर्वी क्षेत्र में नवनिर्मित वस्त्राल पुलिस थाने ने उद्घाटन के महज 24 घंटे के भीतर अपनी सक्रियता दिखानी शुरू कर दी है। दीपावली के त्योहार को देखते हुए वस्त्राल पुलिस ने क्षेत्र के प्रमुख मार्गों और भीड़भाड़ वाले बाजारों में पैदल गश्त शुरू कर दी है। पुलिस निरीक्षक भावेशभाई लोढ़ा के मार्गदर्शन में पुलिसकर्मियों की टीम ने बाजारों में पहुंचकर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। त्योहार के दौरान व्यापारियों और आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पुलिस ने विशेष सतर्कता बरतनी शुरू की है। इस दौरान पुलिस टीम ने आभूषण की दुकानों का भी निरीक्षण किया। दुकानों में लगे सीसीटीवी कैमरे चालू हैं या नहीं, उनकी रिकार्डिंग ठीक से हो रही है या नहीं तथा सुरक्षा के अन्य इंतजामों की जांच की गई। पुलिस ने दुकानदारों को सुरक्षा संबंधी आवश्यक सावधानियां बरतने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तत्काल सूचना देने के निर्देश दिए। बाजारों में बढ़ती भीड़ को देखते हुए जेबकतरी, लूटपाट और अन्य आपराधिक घटनाओं की रोकथाम के लिए पुलिस विशेष निगरानी रख रही है। सादे कपड़ों में भी पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। पुलिस का उद्देश्य है कि नागरिक बिना किसी भय के परिवार के साथ त्योहार मना सकें और व्यापारी भी सुरक्षित माहौल में अपना कारोबार कर सकें। नए पुलिस थाने की शुरुआत के साथ ही बाजारों में गश्त और सुरक्षा जांच शुरू होने से स्थानीय व्यापारियों तथा नागरिकों में राहत का माहौल है। वस्त्राल पुलिस की इस शुरुआती सक्रियता से स्थानीय नागरिकों और व्यापारियों में सुरक्षा को लेकर भरोसा बढ़ा है। त्योहारों के दौरान बाजारों में उमड़ने वाली भीड़ के बीच पुलिस की मौजूदगी न केवल अपराधियों पर अंकुश लगाने में सहायक हो सकती है, बल्कि आम लोगों को भी सुरक्षित माहौल प्रदान करती है। हालांकि, केवल त्योहारों तक सीमित रहने के बजाय इस तरह की गश्त और निगरानी नियमित रूप से जारी रहना जरूरी है। बाजारों में सीसीटीवी कैमरों की कार्यशीलता, संदिग्ध गतिविधियों पर नजर और संवेदनशील स्थानों पर पुलिस की त्वरित उपलब्धता सुरक्षा व्यवस्था के महत्वपूर्ण पहलू हैं। नए पुलिस थाने के सामने अब सबसे बड़ी चुनौती क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को लगातार मजबूत बनाए रखने की होगी।

आस्था के नाम पर काला धंधा या अफवाह?

मंदसौर से पालिताना तक धर्म की दुनिया में भूचाल: सागर चंद्र सागर विवाद ने धार्मिक ट्रस्टों की पोल खोल दी है

करोड़ों के चढ़ावे और लिमिट के सवालों पर जनता गुस्से में है!

महानगर मेट्रो सुपर एक्स्क्लूसिव रिपोर्ट

निष्पक्ष जांच की मांग

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

मंदसौर/पालिताना/अहमदाबाद। जैन धर्म की महान परंपरा, जिसे भगवान महावीर स्वामी ने अहिंसा, अपरिग्रह, संयम और त्याग के पवित्र सिद्धांतों पर स्थापित किया था, आज गंभीर सवालों के बादलों में घिरी हुई है। सोशल मीडिया पर वायरल हुए कथित ह्वुब्दुह्वह्वश्वश्च चैट, ऑडियो रिकॉर्डिंग और तस्वीरों ने पूरे जैन समुदाय में भारी हलचल मचा दी है। मामला अब सिर्फ निजी विवाद तक सीमित नहीं रहा, बल्कि एक साधु के जीवन की पवित्र सीमाओं, धार्मिक संस्थाओं के कामकाज और भक्तों के पसीने से दिए गए करोड़ों रुपये के दान की पारदर्शिता तक पहुंच गया है!

एक साधु के जीवन की सीमाओं पर दाग? वायरल चैट और ऑडियो से हंगामा मचा हुआ है

एक साधु की ज़िंदगी का मतलब है सेल्फ-कंट्रोल और सेल्फ-सैटिस्फेक्शन का रास्ता, जो वहम और वहमों से उबरता है। लेकिन जब इस रास्ते पर चलने वालों पर गंभीर आरोप लगते हैं, तो समाज में बेचैनी होना स्वाभाविक है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे कथित कंटेंट ने कुछ महिलाओं और ननों के साथ रिश्तों को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। आज सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या इस वायरल कंटेंट में कोई सच्चाई है या इस डिजिटल ज़माने में टेक्नोलॉजी का गलत इस्तेमाल करके कोई बड़ी साज़िश रची गई है? अगर आरोप बेबुनियाद हैं, तो संबंधित पार्टी को आगे आकर केस करना होगा, और अगर बातें सच हैं, तो इतनी बड़ी शर्मिंदगी पैदा करने वालों के खिलाफ एक्शन लेने में देरी क्यों?



डिजिटल फोरेंसिक जांच क्यों ज़रूरी है? सच या साज़िश सामने आनी ही चाहिए

आजकल deepfake और मॉर्फिंग टेक्नोलॉजी के ज़माने में किसी भी तरह की फेक या नकली चैट और ऑडियो बनाना आसान हो गया है। इसलिए यह ज़रूरी है कि इस मामले की बिना किसी भेदभाव के इंडिपेंडेंट डिजिटल फोरेंसिक एजेंसियों से गहराई से जांच हो। चैट का असली सोर्स कहाँ है?

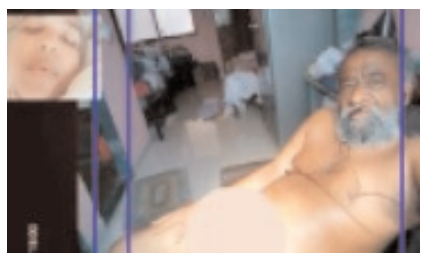
ऑडियो में किसकी आवाज़ है?

क्या यह किसी की इज़्ज़त खराब करने की साज़िश है?

इंसाफ़ के लिए इन सभी राज़ों से पर्दा उठाना ज़रूरी है। समाज अब सिर्फ़ गोलमोल बातें या भरोसा नहीं सुनना चाहता, बल्कि पक्के सबूतों के साथ जवाब चाहता है!

करोड़ों के चढ़ावे और करप्शन का हिसाब कौन देगा?

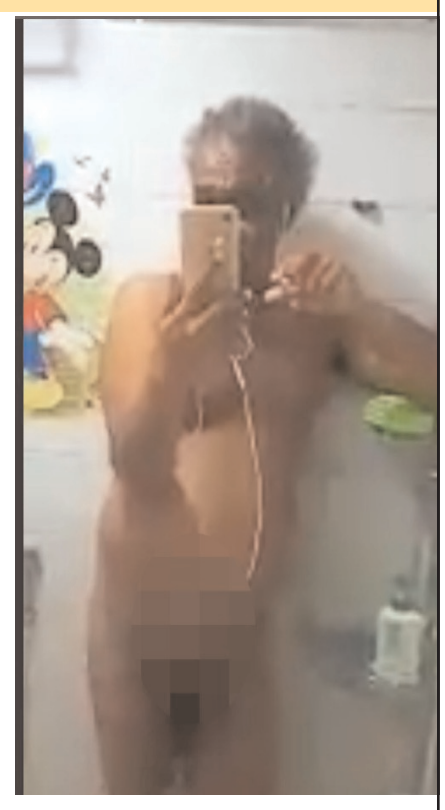
जैन मंदिरों, तीर्थ स्थलों और धार्मिक संस्थाओं में भोले-भाले भक्त आस्था के साथ करोड़ों रुपये का दान देते हैं। क्या इस अकूत दौलत का इस्तेमाल धर्म और सेवा के नाम पर होता है या ट्रस्टियों की तिजोरियाँ भरने के लिए? यह सवाल अब एक तीखा मोड़ ले चुका है:



इंडिपेंडेंट ऑडिट की मांग: धार्मिक ट्रस्टों की इनकम और खर्च का किसी सरकार या इंडिपेंडेंट एजेंसी से सख्त ऑडिट क्यों नहीं होता?

बैंक अकाउंट और एसेट्स की जाँच: क्या कोई ऐसा अकाउंट है जिसमें बड़े पैमाने पर फाइनेंशियल ट्रांज़ैक्शन और प्रॉपर्टी खरीदने के लिए पैसे इस्तेमाल किए जाते हैं?

ऑफिस वालों की ज़िम्मेदारी: अभय चोपड़ा जैसे मीडिया कोऑर्डिनेटर और दूसरे ट्रस्टियों की भूमिका शक के घेरे में क्यों आ गई है? भक्तों का दिया हुआ दान किसी के पुरखों की जागीर नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों की आस्था की अमानत है! इस अमानत का हिसाब तो देना ही होगा।



लेक्चर के बॉयकॉट की धमकी: क्या अब जनता जाग गई है?

हिंदू-जैन समाज के कुछ जागरूक लोगों ने खुलेआम मंदसौर में सागर चंद्र सागर के आने वाले लेक्चर और प्रोग्राम के बॉयकॉट की धमकी दी है। जब तक दूध का दूध और पानी का पानी न हो जाए, तब तक ऐसे प्रोग्राम करके धर्म की सीमाओं से खेलने का कोई हक नहीं है। यह कोई आम झगड़ा नहीं, बल्कि धर्म की पीठ पर कुठाराघात है। अगर एडमिनिस्ट्रेटिव सिस्टम और धार्मिक संस्थाएं इस मामले पर आंखें मूंद लेती हैं, तो इस आग को पूरे गुजरात और देश में फैलने में देर नहीं लगेगी। अब पद और इज्ज़त को किनारे रखकर सच सामने लाने का समय आ गया है!

दीपावली पर स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर गुजरात सरकार अलर्ट, प्रदेश के सभी अस्पताल और 1494 एंबुलेंस रहेंगी तैयार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत। दीपावली और नववर्ष के त्योहारों के दौरान नागरिकों की सुरक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं को निर्बाध बनाए रखने के लिए गुजरात सरकार ने व्यापक तैयारियां की हैं। इसी सिलसिले में स्वास्थ्य राज्यमंत्री प्रफुल पानशेरिया की अध्यक्षता में सूरत से प्रदेशभर के स्वास्थ्य अधिकारियों के साथ आभासी बैठक आयोजित की गई। इसमें स्वास्थ्य आयुक्त, विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, सभी जिलों के मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी, सरकारी अस्पतालों के अधीक्षक और आपातकालीन एंबुलेंस सेवा के अधिकारी शामिल हुए। बैठक में मंत्री ने सभी चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों को दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए त्योहारों के दौरान किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पहले से पुख्ता इंतजाम करने के निर्देश दिए। प्रफुल पानशेरिया ने कहा कि चिकित्सा सेवा मानवता की सबसे बड़ी सेवा है। दीपावली और अवकाश के दौरान कहीं भी दुर्घटना, पटाखों से जलने या



अन्य चिकित्सकीय आपात स्थिति की घटना होने पर मरीजों को तत्काल और गुणवत्तापूर्ण उपचार मिलना चाहिए। उन्होंने चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों से अवकाश के दिनों में भी सेवा भावना के साथ अपनी जिम्मेदारी निभाने और ड्यूटी पर उपस्थित रहने की अपील की। त्योहारों के दौरान पटाखों से जलने, सड़क दुर्घटनाओं और अन्य आपात स्थितियों को देखते हुए सभी सरकारी अस्पतालों के आपातकालीन वार्ड, आघात केंद्र, रक्त बैंक और एंबुलेंस सेवाओं को चौबीसों घंटे चालू रखने के निर्देश दिए गए हैं। अस्पतालों में पर्याप्त चिकित्सकीय कर्मचारी, जीवनरक्षक दवाइयां, जलने के उपचार में उपयोगी मलहम और अन्य आवश्यक चिकित्सा सामग्री उपलब्ध रखने को कहा गया है। स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि पूरे गुजरात में आपातकालीन सेवा की 1494 एंबुलेंस दिन-रात उपलब्ध रहेंगी। त्योहारों के दौरान आपातकालीन फोन कॉल बढ़ने की आशंका को देखते हुए सेवा के नियंत्रण केंद्र पर अतिरिक्त कर्मचारियों की व्यवस्था की गई है। इसके अलावा एंबुलेंस और सरकारी अस्पतालों में पटाखों से जलने वाले मरीजों के उपचार के लिए विशेष सुविधाएं सुनिश्चित की गई हैं। आवश्यक दवाइयों और प्रशिक्षित चिकित्सकीय कर्मचारियों की उपलब्धता पहले से तय की गई है। आपातकालीन प्रबंधन सेवा के तहत प्रत्येक सूचना पर घटनास्थल के सबसे नजदीक उपलब्ध उपयुक्त एंबुलेंस को स्वतः भेजने की व्यवस्था की गई है। प्रत्येक आपातकालीन मामले की वास्तविक समय में निगरानी की जाती है, ताकि जरूरतमंद मरीज तक समय पर चिकित्सा सहायता पहुंचाई जा सके। सरकार का कहना है कि त्योहारों के दौरान किसी भी अप्रिय घटना से निपटने के लिए स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह तैयार है।

गांधीधाम में साइबर ठगी का बड़ा मामला, कंपनी के खाते से 8.46 करोड़ रुपये पार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीधाम। कच्छ के व्यावसायिक केंद्र गांधीधाम में साइबर ठगी का बड़ा मामला सामने आया है। साइबर ठगों ने 'श्री मारुतिनंदन लॉजिस्टिक्स' के यस बैंक स्थित कॉर्पोरेट खाते से 8.46 करोड़ रुपये निकाल लिए। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि इतनी बड़ी रकम खाते से निकलने के बावजूद कंपनी के पंजीकृत मोबाइल नंबर पर कोई एक बार इस्तेमाल होने वाला पासवर्ड (ओटीपी) नहीं आया। जानकारी के अनुसार, 4 नवंबर को कंपनी के पंजीकृत मोबाइल नंबर पर बैंक खाते से रकम निकाले जाने के लगातार संदेश आने लगे। अचानक हुए इन लेन-देन से कंपनी संचालकों में हड़कंप मच गया। उन्होंने तत्काल बैंक से संपर्क कर खाता बंद कराने का अनुरोध किया, लेकिन तब तक ठग तेजी से रकम दूसरे खातों में भेज चुके थे। बताया जा रहा है कि ठगों ने कुछ ही समय में कुल 209 लेन-देन किए और करोड़ों रुपये अलग-अलग अज्ञात बैंक खातों में स्थानांतरित कर दिए। मामले में सबसे बड़ा सवाल यह है कि बिना ओटीपी के इतनी बड़ी रकम कैसे निकाल ली गई। प्रारंभिक आशंका है कि ठगों ने बैंक की दोहरी सुरक्षा व्यवस्था को चकमा देने के लिए सिम कार्ड से छेड़छाड़, बैंकिंग पोर्टल में सेंधमारी या कंपनी के सर्वर तक अनधिकृत पहुंच जैसी तकनीक का इस्तेमाल किया हो सकता है। हालांकि, इसकी पुष्टि जांच के बाद ही होगी। घटना के संबंध में गांधीधाम साइबर अपराध थाने में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस और साइबर विशेषज्ञों की टीमें 209 लेन-देन का तकनीकी विश्लेषण कर रही हैं।

कच्छ के कोडाय पुलिस थाने में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो का छापा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कच्छ। जनता की सुरक्षा और कानून व्यवस्था की जिम्मेदारी संभालने वाली खाकी वर्दी पर एक बार फिर रिश्वतखोरी के आरोप लगे हैं। गुजरात के कच्छ जिले में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की भुज इकाई ने कोडाय पुलिस थाने में ही जाल बिछाकर रिश्वत लेते एक प्रधान आरक्षक को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। पुलिसकर्मी पर खनिज से भरे जब्त डंपर छुड़ाने के बदले रिश्वत मांगने का आरोप है। इस कार्रवाई से पुलिस महकमे में हलचल मच गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, शिकायतकर्ता के खनिज से भरे आइवा डंपर वाहनों को कानूनी कार्रवाई के तहत कोडाय पुलिस थाने में जब्त किया गया था। आरोप है कि इन वाहनों को छुड़ाने और आगे कानूनी परेशानी नहीं होने देने के बदले प्रधान आरक्षक ने दो लाख रुपये की रिश्वत मांगी थी। शिकायतकर्ता और पुलिसकर्मी के बीच बातचीत के बाद कथित तौर पर एक लाख रुपये में सौदा तय हुआ। इसमें से पहले 30,300 रुपये दिए जा चुके थे। शेष 37 हजार रुपये देना बाकी था। रिश्वत की मांग से परेशान होकर शिकायतकर्ता ने भुज भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो से संपर्क किया। शिकायत की जांच के बाद अधिकारियों ने जाल बिछाने की योजना तैयार की। तय योजना के अनुसार कोडाय पुलिस थाने में ही शेष रिश्वत राशि देने की व्यवस्था की गई। जैसे ही प्रधान आरक्षक विपुलभाई दलजीभाई चौधरी (32) ने 37 हजार रुपये स्वीकार किए, पहले से तैनात भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की टीम ने उसे मौके पर ही पकड़ लिया। टीम ने रिश्वत की रकम भी बरामद कर ली। यह पूरी कार्रवाई पुलिस निरीक्षक जे.जे. चौधरी के नेतृत्व में भुज भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की टीम ने की। मामला दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

शाहपुर में कथित अवैध ब्याजखोरी का मामला, मूल रकम चुकाने के बाद भी वाहन नहीं लौटाने का आरोप



महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। गुजरात में अवैध ब्याजखोरी के खिलाफ कार्रवाई के दावों के बीच अहमदाबाद के शाहपुर क्षेत्र से एक गंभीर मामला सामने आया है। यहां वाहन जब्ती के काम से जुड़े घनश्याम नायक पर ब्याज पर दिए गए रुपये के बदले वाहन अपने कब्जे में रखने और मूल रकम चुकाने के बाद भी उसे वापस नहीं करने का आरोप लगा है। पीड़ित प्रणव मिस्त्री के अनुसार, उन्होंने उधार ली गई रकम की मूल राशि पहले ही लौटा दी थी। इसके बावजूद घनश्याम नायक उनकी गाड़ी वापस नहीं कर रहा है और वाहन छोड़ने के बदले अतिरिक्त रकम की मांग कर रहा है। पीड़ित का आरोप है कि वाहन वापस मांगने पर उन्हें लगातार डराया-धमकाया जा रहा है, जिससे उनका परिवार मानसिक तनाव और भय के माहौल में जीने को मजबूर है। इस मामले ने पुलिस की भूमिका को लेकर भी सवाल खड़े किए हैं। सवाल उठ रहे हैं कि यदि आरोप सही हैं तो संबंधित व्यक्ति किस आधार पर वाहन अपने कब्जे में रखे हुए है और कथित तौर पर अतिरिक्त वसूली की मांग कर रहा है। पुलिस विभाग के किसी कर्मचारी या अधिकारी का संरक्षण होने की आशंका भी जताई जा रही है, हालांकि इस संबंध में फिलहाल कोई प्रमाण सामने नहीं आया है। प्रणव मिस्त्री ने उच्च पुलिस अधिकारियों से मामले की निष्पक्ष जांच कराने, वाहन वापस दिलाने और यदि किसी पुलिसकर्मी की संलिप्तता सामने आए तो उसके खिलाफ भी कार्रवाई करने की मांग की है। अब देखना होगा कि पुलिस प्रशासन इन आरोपों पर क्या कदम उठाता है और शाहपुर में कथित ब्याजखोरी तथा वाहन कब्जाने के पूरे मामले की सच्चाई कब सामने आती है।

अहमदाबाद के नरोडा में घरेलू विवाद ने लिया खूनी रूप, पत्नी ने चाकू मारकर की हत्या

खाने में क्या बनाया, इसी बात पर पति-पत्नी के बीच हुआ था विवाद; छाती में चाकू लगने से पूर्व सैनिक की मौत, आरोपी पत्नी गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। शहर के पूर्वी क्षेत्र नरोडा में घरेलू विवाद के चलते एक पत्नी ने अपने ही पति की चाकू मारकर हत्या कर दी। मृतक की पहचान दिलीपभाई सोमाजी खराड़ी के रूप में हुई है, जो भारतीय सेना से वर्ष 2022 में सेवानिवृत्त हुए थे। जानकारी के अनुसार, दिलीपभाई नरोडा की स्मार्ट सिटी-2 सोसायटी में अपनी पत्नी निर्मलाबेन और परिवार के साथ रहते थे। सेना से सेवानिवृत्ति के बाद वे गुजरात खनिज विकास निगम में ठेके पर चालक के रूप में कार्यरत थे। बताया जा रहा है कि पति-पत्नी के बीच पिछले करीब एक वर्ष से घरेलू कामकाज, आर्थिक लेन-देन और पारिवारिक मामलों को लेकर अक्सर विवाद होता रहता था। वाघबारस की रात दोनों के बीच भोजन में बनाई गई सब्जी को लेकर कहासुनी शुरू हुई, जो देखते ही देखते उग्र हो गई। आरोप है कि गुस्से में निर्मलाबेन रसोई से चाकू लेकर आईं और पति की छाती के बाईं ओर, हृदय के पास वार कर दिया। गंभीर रूप से घायल दिलीपभाई को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही नरोडा पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और सीसीटीवी फुटेज की मदद से कार्रवाई करते हुए आरोपी पत्नी निर्मलाबेन खराड़ी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर घटना के पीछे के कारणों और अन्य पहलुओं की जांच शुरू कर दी है। इस घटना से परिवार में शोक छा गया है और दो बच्चों के सिर से पिता का साया उठ गया। यह घटना कई गंभीर सवाल छोड़ जाती है। जिस घर में पति-पत्नी को एक-दूसरे का सहारा बनकर



जीवन बिताना था, उसी घर में मामूली घरेलू विवाद ने ऐसी भयावह परिणति ले ली कि एक परिवार हमेशा के लिए बिखर गया। भोजन में क्या बना है, घर के कामकाज या आर्थिक मामलों को लेकर होने वाली कहासुनी यदि समय रहते संवाद और समझदारी से नहीं सुलझाई जाए तो उसके परिणाम कितने घातक हो सकते हैं, यह घटना उसका दर्दनाक उदाहरण है। सबसे अधिक कीमत उन दो मासूम बच्चों को चुकानी पड़ेगी, जिनसे एक ही घटना ने पिता का साया छीन लिया और मां को भी गंभीर कानूनी संकट में डाल दिया। सवाल यह भी है कि क्या परिवार में लंबे समय से चल रहे विवाद को सुलझाने का कोई प्रयास हुआ था? क्या समय रहते दोनों के बीच बढ़ती दूरियों को कम किया जा सकता था?

दिवाली से पहले सूरत में मिठाइयों की गुणवत्ता की जांच, एसओजी ने दुकानों से लिए नमूने

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत। दीपावली के त्योहार को देखते हुए सूरत पुलिस के विशेष अभियान दल ने मिलावटी और खराब मिठाइयां बेचने वालों के खिलाफ निगरानी तेज कर दी है। लोगों की सेहत को ध्यान में रखते हुए शहर के अलग-अलग क्षेत्रों में मिठाई की दुकानों पर जांच अभियान चलाया गया। इस दौरान संदिग्ध मिठाइयों और मावे के नमूने लेकर उन्हें सीलबंद किया गया और गुणवत्ता की जांच के लिए निजी प्रयोगशाला भेजा गया। जानकारी के अनुसार, विशेष अभियान दल की टीमों ने कई मिठाई दुकानों पर पहुंचकर खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की जांच की। जांच के दौरान मिठाई और मावे के नमूने एकत्र किए गए। अभियान में खाद्य सुरक्षा विभाग के साथ समन्वय भी किया जा रहा है, ताकि मिलावट की आशंका मिलने पर नियमानुसार कार्रवाई की जा सके। अधिकारियों के अनुसार, प्रयोगशाला की जांच रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई तय होगी। यदि नमूनों में हानिकारक रसायन, प्रतिबंधित रंग या अन्य मिलावटी पदार्थ पाए जाते हैं, तो संबंधित दुकानदारों और प्रतिष्ठानों के खिलाफ खाद्य सुरक्षा कानून के तहत कार्रवाई की जा सकती है। त्योहारी मौसम में मिठाइयों की मांग बढ़ने के साथ मिलावट की आशंका भी बढ़ जाती है। ऐसे में पुलिस और खाद्य सुरक्षा विभाग की इस पहल से आम लोगों को सुरक्षित खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने की उम्मीद है। नागरिकों से भी अपील है कि मिठाइयां खरीदते समय गुणवत्ता और स्वच्छता का विशेष ध्यान रखें।

उत्तर प्रदेश की राजनीति में घमासान, योगी आदित्यनाथ को घेरने की कथित रणनीति और 1.27 करोड़ मतदाताओं के नाम हटने के दावे से हलचल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर/लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजनीति में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की स्थिति और भाजपा के भीतर कथित गुटबाजी को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। राजनीतिक गलियारों में योगी आदित्यनाथ के प्रभाव को सीमित करने के लिए कथित तौर पर 'गुजराती लॉबी' द्वारा रणनीति बनाए जाने की चर्चाएं हैं। हालांकि, इस तरह की किसी योजना की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। इसी बीच मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर भी बड़ा दावा सामने आया है। कहा जा रहा है कि इस प्रक्रिया के दौरान भाजपा के परंपरागत और समर्थक माने जाने वाले करीब 1 करोड़ 27 लाख मतदाताओं के नाम सूची से हटाए गए हैं। इस दावे ने राजनीतिक बहस को और तेज कर दिया है। विपक्षी दलों की ओर से मतदाता सूची में बदलाव और इतनी बड़ी संख्या में नाम हटाए जाने के कारणों को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं। वहीं, इस कथित घटनाक्रम को भाजपा के अंदरूनी राजनीतिक समीकरणों से जोड़कर भी देखा जा रहा है। हालांकि, मतदाताओं के नाम हटाए जाने के दावे और इसके राजनीतिक प्रभाव को लेकर आधिकारिक आंकड़ों तथा प्रमाणित जानकारी के आधार पर ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। फिलहाल योगी आदित्यनाथ को लेकर चल रही चर्चाओं और मतदाता सूची के विवाद ने उत्तर प्रदेश की राजनीति में नई हलचल पैदा कर दी है।

कपड़ा उद्योग की उत्पादन जानकारी अब सरकार को देनी होगी, विवरण नहीं देने पर सरकारी लाभ पर लग सकती है रोक

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत। देश के कपड़ा उद्योग में उत्पादन संबंधी आंकड़ों को पारदर्शी बनाने के लिए केंद्र सरकार ने नई व्यवस्था शुरू की है। इसके तहत केंद्रीय वस्त्र मंत्रालय ने टेक्सटाइल सांख्यिकीय रिटर्न प्रणाली (टीएसआरएस) पोर्टल शुरू किया है। इस पोर्टल के माध्यम से कपड़ा निर्माताओं को अपनी इकाइयों के उत्पादन और अन्य जरूरी आंकड़ों का नियमित विवरण देना होगा। नई व्यवस्था का असर विशेष रूप से सूरत और गुजरात के छोटे तथा मध्यम कपड़ा उद्योगों पर पड़ने की संभावना है। इस व्यवस्था का उद्देश्य कपड़ा उद्योग की वास्तविक उत्पादन क्षमता और उत्पादन के आंकड़ों का व्यवस्थित अभिलेख तैयार करना है। इसके जरिए सरकारी योजनाओं के तहत मिलने वाली सब्सिडी और आर्थिक प्रोत्साहन के दावों में पारदर्शिता लाने की बात कही जा रही है। साथ ही उत्पादन संबंधी आंकड़ों का वस्तु एवं सेवा कर तथा माल परिवहन से जुड़े दस्तावेजों के साथ मिलान करने में भी मदद मिल सकती है। उद्योग जगत में इस नई व्यवस्था को लेकर चर्चा शुरू हो गई है। व्यापारियों का मानना है कि पोर्टल पर पंजीकरण और नियमित विवरण जमा करने की प्रक्रिया से छोटे उद्योगों पर अतिरिक्त प्रशासनिक जिम्मेदारी बढ़ सकती है। वहीं, निर्धारित नियमों का पालन नहीं करने वाली इकाइयों को भविष्य में सरकारी योजनाओं का लाभ मिलने में परेशानी हो सकती है। हालांकि, सब्सिडी रोकने या कानूनी कार्रवाई के प्रावधानों को लेकर संबंधित सरकारी दिशा-निर्देशों की स्पष्ट जानकारी जरूरी है। ऐसे में कपड़ा उद्योग से जुड़े कारोबारियों के लिए नई व्यवस्था की शर्तों और समय-सीमा को समझना महत्वपूर्ण होगा।

गुजरात में भूमि प्रीमियम की गणना के नियमों में बदलाव, कब्जे की तारीख को लेकर सरकार ने जारी किए नए निर्देश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। गांधीनगर। गुजरात सरकार के राजस्व विभाग ने सेंसस एक्ट के तहत आवंटित जमीनों के प्रीमियम की गणना में कब्जे की तारीख को लेकर महत्वपूर्ण स्पष्टीकरण जारी किया है। 7 नवंबर 2026 को जारी नए परिपत्र में जमीन पर कब्जे की अवधि निर्धारित करने के नियम स्पष्ट किए गए हैं। इसका उद्देश्य राज्यभर में प्रीमियम की गणना की प्रक्रिया में एकरूपता लाना और पुराने निर्देशों को लेकर बनी असमंजस की स्थिति दूर करना है। परिपत्र के अनुसार, अधिनियम की धारा 32(सी) और 32(एस) के तहत नई एवं अविभाज्य शर्तों पर प्रतिबंधित अधिकार के साथ आवंटित जमीनों के मामलों में कब्जे की तारीख वह मानी जाएगी, जिससे खातेदार का अधिकार स्थापित हुआ था।



दिवाली पर जरूरतमंद बच्चों के चेहरों पर मुस्कान लाने की अपील, गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी ने दिया खुशियां बांटने का संदेश

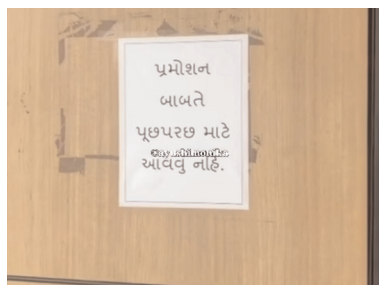
महानगर मेट्रो ब्यूरो



गांधीनगर/सूरत। दीपावली का त्योहार केवल अपने घरों को रोशन करने और परिवार के साथ खुशियां मनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि दूसरों के जीवन में भी खुशियों का उजाला फैलाने का अवसर है। इसी भावना के साथ गुजरात के गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी ने नागरिकों से एक संवेदनशील अपील की है। उन्होंने कहा कि लोग दिवाली पर अपने परिवार और बच्चों के लिए नए कपड़े तथा मिठाइयां खरीदते हैं, लेकिन उन्हें अपने आसपास रहने वाले जरूरतमंद परिवारों के बच्चों के बारे में भी सोचना चाहिए। घरों और आसपास के प्रतिष्ठानों में काम करने वाले श्रमिकों तथा हीरा तराशने वाले कारीगरों के बच्चों को भी त्योहार की खुशियों में शामिल किया जाना चाहिए। मंत्री ने आग्रह किया कि इस दीपावली पर ऐसे परिवारों के बच्चों को नए कपड़े दिलाएं, ताकि वे भी दूसरे बच्चों की तरह उत्साह और उमंग के साथ त्योहार मना सकें। उन्होंने कहा कि किसी जरूरतमंद बच्चे के चेहरे पर मुस्कान लाना ही दीपावली की सबसे बड़ी खुशी है। उनका यह संदेश समाज में सहयोग, संवेदनशीलता और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करने वाला है। खासकर सूरत जैसे शहर में, जहां बड़ी संख्या में श्रमिक और हीरा कारीगर परिवार रहते हैं, यह अपील विशेष महत्व रखती है। दीपावली की सार्थकता तभी है, जब खुशियों की रोशनी समाज के हर वर्ग तक पहुंचे और कोई भी बच्चा अभाव के कारण त्योहार की उमंग से वंचित न रहे।

अहमदाबाद महानगरपालिका के केंद्रीय कार्यालय के बाहर लगा अजीबोगरीब बोर्ड, कर्मचारियों से कहा- पदोन्नति के बारे में पूछने यहां न आएं

महानगर मेट्रो ब्यूरो



अहमदाबाद। अहमदाबाद महानगरपालिका के केंद्रीय कार्यालय के बाहर लगाए गए एक सूचना बोर्ड को लेकर नया विवाद खड़ा हो गया है। बोर्ड पर स्पष्ट रूप से लिखा गया है कि पदोन्नति के संबंध में पूछताछ करने के लिए यहां नहीं आएं। इस संदेश के सामने आने के बाद महानगरपालिका के प्रशासनिक कामकाज और कर्मचारियों के साथ किए जा रहे व्यवहार को लेकर सवाल उठने लगे हैं। कर्मचारियों के लिए पदोन्नति केवल पद में बदलाव का विषय नहीं, बल्कि उनकी सेवा अवधि, वरिष्ठता और नियमों के तहत मिलने वाले अधिकारों से जुड़ा मामला है। ऐसे में यदि कोई कर्मचारी अपनी पदोन्नति की स्थिति, लंबित फाइल या प्रक्रिया की जानकारी लेने केंद्रीय कार्यालय पहुंचता है, तो उसे इस तरह रोकने का औचित्य क्या है? यह सवाल चर्चा का विषय बना हुआ है। कर्मचारियों और प्रशासनिक व्यवस्था पर नजर रखने वाले लोगों के बीच यह बहस भी शुरू हो गई है कि क्या सूचना देने के लिए कोई वैकल्पिक व्यवस्था बनाई गई है या कर्मचारियों को अपनी बात रखने में परेशानी हो रही है। हालांकि, केवल इस बोर्ड के आधार पर पदोन्नति प्रक्रिया में भ्रष्टाचार या किसी अनियमितता का निष्कर्ष निकालना उचित नहीं होगा। महानगरपालिका प्रशासन को स्पष्ट करना चाहिए कि यह बोर्ड किसके आदेश पर लगाया गया है और इसके पीछे क्या कारण हैं। साथ ही पदोन्नति से संबंधित जानकारी प्राप्त करने के लिए कर्मचारियों को उपलब्ध आधिकारिक व्यवस्था के बारे में भी बताया जाना चाहिए। सवाल यह है कि यदि प्रशासनिक प्रक्रिया पारदर्शी है, तो कर्मचारियों की जिज्ञासाओं और शिकायतों के समाधान के लिए सहज व्यवस्था क्यों नहीं होनी चाहिए?

कागड़ापीठ पुलिस ने चाकू की नोक पर लूट करने वाले दो आरोपियों को पकड़ा, 75 हजार का माल बरामद

महानगर मेट्रो ब्यूरो



अहमदाबाद। शहर में चाकू की नोक पर नागरिकों को डराकर लूटपाट करने वाले दो आरोपियों को कागड़ापीठ पुलिस ने वारदात के कुछ ही घंटों में गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से करीब 75 हजार रुपए का माल बरामद कर लूट के मामले का खुलासा किया है। जानकारी के अनुसार, कागड़ापीठ थाना क्षेत्र में कुछ समय पहले दो अज्ञात व्यक्तियों ने शिकायतकर्ता और एक गवाह को चाकू दिखाकर डराया-धमकाया था। इसके बाद उनसे कीमती मोबाइल फोन और नकदी लूटकर फरार हो गए थे। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू की। पुलिस निरीक्षक एस.ए. गोहिल और द्वितीय पुलिस निरीक्षक एस.एस. सोलंकी के मार्गदर्शन में निगरानी दल के उपनिरीक्षक जे.आर. बलात और उनकी टीम क्षेत्र में गश्त कर रही थी। इसी दौरान पुलिसकर्मियों गोपालभाई देवाभाई और राजूभाई ईश्वरभाई को आरोपियों के क्षेत्र में मौजूद होने की सूचना मिली। इसके आधार पर पुलिस ने घेराबंदी कर दोनों संदिग्धों को पकड़ लिया। पुलिस ने कुल 75 हजार रुपए का माल बरामद किया है। आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 303(2), 54 और गुजरात पुलिस अधिनियम की धारा 135(1) के तहत मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू की गई है। इस कार्रवाई में उपनिरीक्षक जे.आर. बलात सहित कागड़ापीठ पुलिस की टीम के कई जवान शामिल रहे।

वंदे भारत एक्सप्रेस पर पथराव, कोच का शीशा टूटा, यात्रियों में मची अफरा-तफरी, बाल-बाल टली बड़ी दुर्घटना

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अमरेली/लाठी। गुजरात के अमरेली जिले में लाठी और खिजड़िया रेलवे स्टेशनों के बीच साबरमती-वेरावल वंदे भारत एक्सप्रेस पर अज्ञात असामाजिक तत्वों ने पथराव कर दिया। हमले में ट्रेन के एक कोच का शीशा टूट गया। चलती ट्रेन पर अचानक हुए पथराव से यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। हालांकि, राहत की बात यह रही कि घटना में किसी यात्री के घायल होने की सूचना नहीं है। जानकारी के अनुसार, साबरमती से वेरावल जा रही वंदे भारत एक्सप्रेस जब लाठी और खिजड़िया के बीच से गुजर रही थी, तभी कुछ अज्ञात लोगों ने ट्रेन को निशाना बनाकर पत्थर फेंके। एक पत्थर सीधे कोच के शीशे पर लगा, जिससे शीशा टूट गया। अचानक हुई इस घटना से यात्रियों में दहशत फैल गई। गनीमत रही कि किसी को गंभीर चोट नहीं आई और बड़ी दुर्घटना टल गई। घटना की जानकारी मिलते ही लाठी पुलिस और रेलवे सुरक्षा से जुड़े अधिकारियों ने जांच शुरू कर दी। रेलवे मार्ग के आसपास के क्षेत्रों में जानकारी जुटाई जा रही है, ताकि पथराव करने वालों की पहचान की जा सके। यह घटना रेल यात्रियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े करती है। तेज गति से चलने वाली प्रीमियम ट्रेन पर इस तरह का हमला न केवल रेलवे संपत्ति को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि यात्रियों की जान भी जोखिम में डाल सकता है। अब देखना होगा कि जांच में आरोपियों की पहचान कब तक होती है और उनके खिलाफ क्या कार्रवाई की जाती है।

नया विवाद : भाजपा नेता संजय वसावा पर सरपंच ने लगाए गंभीर आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नर्मदा/गांधीनगर। गुजरात के आदिवासी बहुल इलाकों में राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। आम आदमी पार्टी के विधायक चैतर वसावा के खिलाफ शिकायत दर्ज कराने के बाद चर्चा में आए भाजपा नेता संजय वसावा अब खुद विवादों में घिरते नजर आ रहे हैं। स्थानीय ग्राम पंचायत के एक सरपंच ने उन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। इससे नर्मदा और भरूच क्षेत्र की राजनीति में नया विवाद खड़ा हो गया है। आरोपों के मुताबिक, संजय वसावा स्थानीय स्तर पर अपने राजनीतिक प्रभाव का इस्तेमाल कर पंचायत के कामकाज में हस्तक्षेप कर रहे हैं। सरपंच ने विकास कार्यों और प्रशासनिक मामलों में अनुचित दखल देने तथा दबाव बनाने के आरोप लगाए हैं। इन आरोपों के सामने आने के बाद स्थानीय राजनीतिक माहौल गरमा गया है। उल्लेखनीय है कि डेडियापाड़ा और आसपास के आदिवासी क्षेत्रों में विधायक चैतर वसावा और भाजपा नेताओं के बीच पहले से ही राजनीतिक खींचतान रही है। चैतर वसावा के खिलाफ दर्ज शिकायत के बाद संजय वसावा भी राजनीतिक चर्चा के केंद्र में आए थे। अब उन पर लगे आरोपों ने इस विवाद को नया मोड़ दे दिया है।

घाटलोडिया में कारीगर 27.60 लाख के सोने के आभूषण लेकर फरार

महानगर मेट्रो ब्यूरो



अहमदाबाद। शहर के घाटलोडिया इलाके में सोने के आभूषणों पर जड़ाई का काम करने वाले व्यापारी के साथ 27.60 लाख रुपये की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। व्यापारी ने अपने परिचित कारीगर को अलग-अलग तारीखों में कुल 276.050 ग्राम सोने के आभूषण काम के लिए दिए थे। आरोप है कि कारीगर आभूषण लौटाने के बजाय घर पर ताला लगाकर फरार हो गया। इस संबंध में व्यापारी ने घाटलोडिया पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस में दर्ज शिकायत के अनुसार, घाटलोडिया निवासी 50 वर्षीय राजेशभाई विरजीभाई पटेल घर से ही सोने के आभूषणों पर जड़ाई का काम करते हैं। उन्होंने अपने परिचित कारीगर लक्ष्मीनारायण मदनलाल सोनी को 30 अक्टूबर को 184.910 ग्राम का सोने का एक सेट और 49.500 ग्राम की बालियों की जोड़ी दी थी। इसके बाद 1 नवंबर को 19.850 ग्राम का सोने का कुंदन और 2 नवंबर को 21.790 ग्राम के सोने के चार टुकड़े जड़ाई के लिए दिए। 2 नवंबर को जब व्यापारी ने आभूषण वापस लेने के लिए कारीगर को फोन किया तो उसने कोई जवाब नहीं दिया। संदेह होने पर व्यापारी उसके निर्णय नगर स्थित घर पहुंचे, जहां ताला लगा मिला। आसपास और परिचितों के बीच तलाश करने पर भी उसका कोई पता नहीं चला। व्यापारी के अनुसार, गायब आभूषणों का कुल वजन 276.050 ग्राम और कीमत 27,60,500 रुपये है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर कारीगर की तलाश और आगे की जांच शुरू कर दी है।

जमीन विवाद से परेशान व्यक्ति ने नर्मदा नहर में कूदकर दी जान

महानगर मेट्रो ब्यूरो



अहमदाबाद। शहर के नरोदा क्षेत्र में जमीन विवाद से परेशान एक अधेड़ व्यक्ति द्वारा नर्मदा नहर में कूदकर आत्महत्या करने का मामला सामने आया है। मृतक के बेटे ने दो हिस्सेदारों और छह वारिसों सहित आठ लोगों के खिलाफ पिता को मानसिक रूप से प्रताड़ित करने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, डभोदा में स्थित 4.5 बीघा जमीन की बिक्री और उसके राजस्व अभिलेख में नाम दर्ज कराने को लेकर वर्ष 2021 से विवाद चल रहा था। आरोप है कि जमीन के पूर्व हिस्सेदारों और मूल मालिक के छह वारिसों ने जमीन के लेन-देन पर आपत्ति जताते हुए मृतक को लगातार परेशान किया और धमकियां दीं। इससे वह मानसिक तनाव और भय में रहने लगा था। बताया गया है कि 4 नवंबर को उसने नर्मदा नहर में छलांग लगा दी थी। आत्महत्या से पहले उसने अपने भतीजे को मोबाइल संदेश के माध्यम से जानकारी और तस्वीरें भी भेजी थीं। 6 नवंबर को उसका शव बरामद हुआ। इसके बाद घर की अलमारी से एक सुसाइड नोट मिला, जिसमें कथित तौर पर प्रताड़ना और धमकियों का उल्लेख था। मृतक के बेटे ने इसी आधार पर नरोदा पुलिस थाने में आठ लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस सुसाइड नोट, मोबाइल संदेश और जमीन से जुड़े दस्तावेजों की जांच कर रही है।

गांधीनगर के एसएमवीएस अस्पताल में महिला कर्मचारी के बैग में मिला जहरीला करैत

महानगर मेट्रो ब्यूरो



गांधीनगर। शहर के एसएमवीएस अस्पताल में शनिवार, 7 नवंबर की देर रात एक हैरान करने वाली घटना सामने आई। अस्पताल के बेसमेंट में एक महिला कर्मचारी के बैग में अत्यंत जहरीला करैत सांप छिपा मिला। सांप दिखाई देने के बाद वहां मौजूद कर्मचारियों में दहशत फैल गई। सूचना मिलने पर पर्यावरणविद् प्रदीप सोलंकी मौके पर पहुंचे और सावधानीपूर्वक सांप को पकड़कर सुरक्षित प्राकृतिक वन क्षेत्र में छोड़ दिया। जानकारी के अनुसार, रात करीब दो बजे अस्पताल के बेसमेंट में कर्मचारियों के पांच बैग रखे हुए थे। इसी दौरान एक करैत सांप पार्किंग की ढलान से नीचे उतरकर बैगों के बीच छिप गया। बैग में सांप होने की जानकारी मिलते ही कर्मचारियों ने तत्काल मदद मांगी। प्रदीप सोलंकी ने मौके पर पहुंचकर पहले बैगों की जांच की। काफी सावधानी से तलाशी लेने पर एक बैग में पानी की बोतल रखने वाली जगह के पास सांप दिखाई दिया। उन्होंने सुरक्षित तरीके से उसे बाहर निकाला। प्रदीप सोलंकी के अनुसार, करैत बेहद जहरीला सांप है और इसके काटने पर शुरुआती लक्षण स्पष्ट नहीं दिख सकते, जिससे समय पर उपचार नहीं मिलने पर जान का खतरा हो सकता है। गनीमत रही कि इस घटना में कोई कर्मचारी घायल नहीं हुआ। सांप को सुरक्षित स्थान पर छोड़ दिए जाने के बाद अस्पताल के कर्मचारियों ने राहत की सांस ली।

गुजरात हाई कोर्ट की सख्तीः अहमदाबाद कलेक्टर पर एक लाख रुपये का जुर्माना

किसानों की जमीन के गैर-कृषि उपयोग की अनुमति से जुड़े मामले में पुराने कारणों के आधार पर दोबारा आवेदन खारिज करने पर अदालत नाराज; पहले दिए गए निर्देशों की अनदेखी को माना गंभीर लापरवाही

महानगर मेट्रो ब्यूरो



अहमदाबाद। गुजरात हाई कोर्ट ने किसानों की जमीन को गैर-कृषि उपयोग में बदलने की अनुमति देने से जुड़े मामले में अहमदाबाद के जिला कलेक्टर भव्य वर्मा पर एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। अदालत ने स्पष्ट किया है कि जुर्माने की यह राशि सरकारी खजाने से नहीं, बल्कि कलेक्टर को अपने वेतन से चुकानी होगी। यह कार्रवाई हाई कोर्ट के पहले दिए गए आदेश और निर्देशों के बावजूद किसानों के आवेदन को उन्हीं पुराने कारणों के आधार पर दोबारा खारिज किए जाने से जुड़ी है। मामले के अनुसार, किसानों ने अपनी जमीन का उपयोग कृषि से गैर-कृषि कार्यों में बदलने की अनुमति के लिए नियमानुसार जिला कलेक्टर कार्यालय में आवेदन किया था। इससे पहले भी इसी विषय पर अनुमति नहीं दिए जाने का मामला हाई कोर्ट पहुंचा था। उस समय अदालत ने संबंधित कानूनी पहलुओं और दस्तावेजों पर विचार करते हुए स्पष्ट निर्देश दिए थे कि आवेदन का नए सिरे से परीक्षण कर निर्धारित कानूनी प्रक्रिया के अनुसार निर्णय लिया जाए। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया था कि किन आधारों पर आवेदन को खारिज नहीं किया जा सकता। आरोप है कि हाई कोर्ट के निर्देशों के बाद भी कलेक्टर कार्यालय ने पूर्व में इस्तेमाल किए गए उन्हीं कारणों का सहारा लेते हुए किसानों के आवेदन फिर से खारिज कर दिए। इसके बाद मामला दोबारा हाई कोर्ट पहुंचा। सुनवाई के दौरान अदालत के सामने यह तथ्य आया कि पहले दिए गए न्यायिक निर्देशों के बावजूद प्रशासन ने पुराने आधारों पर ही निर्णय दोहरा दिया। इस रवैये पर अदालत ने कड़ी नाराजगी जताई और इसे न्यायिक आदेशों की गंभीर अनदेखी माना।

कोर्ट ने कलेक्टर की जवाबदेही तय करते हुए एक लाख रुपये का जुर्माना लगाने का आदेश दिया और राशि निजी वेतन से जमा कराने का निर्देश दिया। अदालत के इस फैसले को प्रशासनिक अधिकारियों के लिए स्पष्ट संदेश के रूप में देखा जा रहा है कि न्यायालय के आदेशों का पालन करना उनकी जिम्मेदारी है और उनकी अनदेखी को सामान्य प्रशासनिक चूक मानकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। खासकर किसानों और आम नागरिकों से जुड़े मामलों में अधिकारियों को निर्धारित कानूनी प्रक्रिया तथा न्यायालय के निर्देशों के अनुरूप ही निर्णय लेना होगा। इस फैसले ने जिला प्रशासन की कार्यप्रणाली और सरकारी अधिकारियों की जवाबदेही को लेकर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। अब महत्वपूर्ण यह होगा कि कलेक्टर कार्यालय किसानों के लंबित आवेदनों पर हाई कोर्ट के निर्देशों के अनुरूप क्या कार्रवाई करता है और भविष्य में इस तरह की स्थिति दोबारा न बने, इसके लिए प्रशासन क्या कदम उठाता है।

जालोर में कार चलाना सीखते समय पेड़ से टकराई कार, दो युवक गंभीर घायल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जालोर। शहर के सिरे मंदिर की तलहटी के पास शनिवार शाम करीब 6 बजे कार चलाना सीखने के दौरान एक कार अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। हादसे में कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई, जबकि उसमें सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। वहां मौजूद लोगों ने निजी वाहन की सहायता से दोनों घायलों को जालोर के अस्पताल पहुंचाया। वहीं, दुर्घटना में क्षतिग्रस्त कार को क्रेन की मदद से मौके से हटाया गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कार के सामने अचानक एक पशु आ जाने से चालक ने उसे बचाने का प्रयास किया। इसी दौरान कार अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे पेड़ से जा टकराई। टक्कर इतनी तेज थी कि कार को काफी नुकसान पहुंचा। हादसे में दोनों युवक घायल हो गए। फिलहाल इस मामले में पुलिस को किसी भी पक्ष की ओर से कोई रिपोर्ट नहीं दी गई है।



शिवगंज में पटाखा फटने से 10 वर्षीय बालक झुलसा, सिरोही अस्पताल में भर्ती

महानगर मेट्रो ब्यूरो

शिवगंज। शहर में शनिवार देर शाम पटाखे फोड़ने के दौरान हुए हादसे में 10 वर्षीय बालक कमलेश झुलस गया। उसे उपचार के लिए सिरोही के सरकारी अस्पताल स्थित आघात केंद्र में भर्ती कराया गया है, जहां चिकित्सकों की देखरेख में उसका इलाज जारी है। जानकारी के अनुसार कमलेश के पिता राजू पाली जिले के सनोद गांव के रहने वाले हैं। वे शिवगंज में किराए के मकान में रहकर मजदूरी करते हैं। शनिवार देर शाम कमलेश घर पर पटाखे छोड़ रहा था। इसी दौरान अचानक एक पटाखा उसके पास ही फट गया, जिससे वह झुलस गया। हादसे में कमलेश के चेहरे, दोनों हाथों और पैरों में चोटें आईं। घटना के बाद परिजन उसे तत्काल शिवगंज के सरकारी अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी हालत चिंताजनक देखते हुए चिकित्सकों ने उसे सिरोही रेफर कर दिया। सिरोही के आघात केंद्र में चिकित्सकों और नर्सिंग कर्मचारियों ने उसका उपचार शुरू किया। चेहरे पर गंभीर चोटें होने के कारण उसे अस्पताल के वार्ड में भर्ती किया गया है। फिलहाल चिकित्सकों की निगरानी में उसका उपचार जारी है।



दीपावली पर डूंगरपुर को पर्यटन की नई पहचान देने की पहल, तहसील चौराहे पर पर्यटक सहायता केंद्र शुरू

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डूंगरपुर। दीपावली के अवसर पर डूंगरपुर को पर्यटन के क्षेत्र में नई पहचान दिलाने के लिए नगर परिषद ने पहल की है। शहर के तहसील चौराहे पर पर्यटक सहायता केंद्र शुरू किया गया है। यहां आने वाले पर्यटकों को शहर के प्रमुख पर्यटन स्थलों, भ्रमण की सुविधाओं और ठहरने की व्यवस्था से संबंधित जानकारी उपलब्ध करवाई जाएगी। नगर परिषद सभापति सुशीला गुप्ता, राजस्थान सरकार के स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर के.के. गुप्ता, उपसभापति अनिल पटेल और पार्षदों ने फीता काटकर केंद्र का शुभारंभ किया। इस पहल का उद्देश्य डूंगरपुर आने वाले पर्यटकों का अतिथि देवो भवः की भावना से स्वागत करना और उन्हें बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवाना है। के.के. गुप्ता ने कहा कि डूंगरपुर आने वाला प्रत्येक पर्यटक हमारे लिए सम्माननीय अतिथि है। उसे सही जानकारी, सुरक्षित भ्रमण और बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवाना नगर परिषद की प्राथमिकता है। पर्यटकों को धार्मिक, ऐतिहासिक और पर्यटन स्थलों का भ्रमण करवाने के लिए व्यावसायिक वाहन चालकों की व्यवस्था की जाएगी। इसके साथ ही कम दरों पर वातानुकूलित कमरे, ठहरने और भोजन की सुविधाएं उपलब्ध करवाने के प्रयास भी किए जा रहे हैं। डूंगरपुर को पर्यटन नगरी बनाने के अभियान के तहत के.के. गुप्ता, होटल व्यवसायी अभिषेक उपाध्याय और नीरज जैन ने पूर्व राज्यसभा सांसद हर्षवर्धन सिंह का स्वागत किया। इस दौरान गुजरात सहित अन्य राज्यों से आने वाले पर्यटकों को डूंगरपुर में अधिक समय तक ठहरने के लिए प्रोत्साहित करने तथा शहर की ऐतिहासिक और धार्मिक धरोहरों के विकास को लेकर चर्चा की गई।



सिरोही जिला अस्पताल में एंबुलेंस चालक से मारपीट, जबड़े में फ्रैक्चर; उदयपुर रेफर



महानगर मेट्रो ब्यूरो

सिरोही। जिला अस्पताल के आघात केंद्र में शनिवार रात गंभीर रूप से घायल बालक को लेकर पहुंचे एंबुलेंस चालक के साथ कुछ लोगों ने मारपीट कर दी। हमले में चालक शिवलाल प्रजापत के दाहिने जबड़े में फ्रैक्चर हो गया। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उन्हें उदयपुर के महाराणा भूपाल अस्पताल रेफर किया, लेकिन परिजन उन्हें उपचार के लिए गुजरात ले गए। जानकारी के अनुसार, पिंडवाड़ा सरकारी अस्पताल से रेफर बालक को लेकर पिंडवाड़ा एंबुलेंस के चालक शिवलाल प्रजापत शनिवार रात करीब 10 बजे सिरोही जिला अस्पताल पहुंचे थे। बालक के साथ कोई अन्य व्यक्ति नहीं था। प्रजापत बालक की पर्ची बनवाने के लिए काउंटर पर गए। इसके बाद जब वे वापस एंबुलेंस में पहुंचे तो वहां मौजूद तीन-चार लोगों ने उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। बताया गया कि उनके साथ मौजूद एक युवक आरोपियों को मारपीट करते देखकर डर गया और वहां से भाग गया। प्रजापत ने एंबुलेंस से निकलकर बचने की कोशिश की, लेकिन एक व्यक्ति ने उनका हाथ पकड़ लिया। इसी दौरान दूसरे व्यक्ति ने किसी भारी वस्तु से उनके चेहरे पर वार कर दिया। इससे उनके दाहिने जबड़े में गंभीर चोट आई। अस्पताल में जांच के बाद चिकित्सकों ने जबड़े में फ्रैक्चर होने की पुष्टि की और उन्हें भर्ती कर उपचार शुरू किया। रविवार सुबह दंत रोग विशेषज्ञ ने उनकी हालत को देखते हुए उदयपुर रेफर कर दिया। हालांकि, परिजन उन्हें गुजरात ले गए। घटना की सूचना मिलने पर कोतवाली पुलिस अस्पताल पहुंची। पुलिस ने शिवलाल प्रजापत की रिपोर्ट लेकर मामले में आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

बीकानेर में दर्दनाक रेल हादसा: पति-पत्नी सहित तीन की मौत, बचाने पहुंचे दो युवक भी ट्रेन की चपेट में आए

घड़सीसर रेलवे ट्रैक पर रविवार दोपहर हुआ हादसा, पति-पत्नी के बीच विवाद के बाद रेलवे लाइन की तरफ दौड़े

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बीकानेर। शहर के जयनारायण व्यास कॉलोनी थाना क्षेत्र में रविवार दोपहर एक दर्दनाक रेल हादसे में पति-पत्नी सहित तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा घड़सीसर रेलवे ट्रैक पर दोपहर करीब 1:30 बजे हुआ। बताया जा रहा है कि खेत पर काम करने वाले पति-पत्नी के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। इसी दौरान दोनों झगड़ते हुए रेलवे ट्रैक की तरफ दौड़ने लगे। उन्हें बचाने के लिए पीछे दौड़े दो अन्य लोग भी ट्रेन की चपेट में आ गए। हादसे में पति-पत्नी और एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, खेत मालिक गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतकों की पहचान रामू (55), उनकी पत्नी पिंकी (53) और संजीत मोची के रूप में हुई है। तीनों बिहार के दरभंगा जिले के रहने वाले थे। घायल अमरचंद सांखला बीकानेर के रानी बाजार निवासी हैं। मृतक और घायल चारों लोग अमरचंद के खेत पर काम करते थे।

विवाद के बाद रेलवे ट्रैक की तरफ दौड़े पति-पत्नी

थानाधिकारी देवेंद्र सिंह के अनुसार, रामू, पिंकी और संजीत तीनों अमरचंद सांखला के खेत पर मजदूरी करते थे। रविवार दोपहर किसी बात को लेकर रामू और पिंकी के बीच विवाद हो गया। खेत पर काम करने वाले एक व्यक्ति ने इसकी सूचना खेत मालिक अमरचंद को दी। इसी बीच पति-पत्नी आपस में झगड़ते हुए रेलवे ट्रैक की तरफ दौड़ने लगे। उन्हें रेलवे लाइन की ओर जाते देखकर खेत पर मौजूद संजीत उन्हें बचाने के लिए पीछे दौड़ा। दूसरी तरफ सूचना मिलने पर खेत मालिक अमरचंद भी अपनी दुकान से खेत की ओर पहुंचे और घटनास्थल की तरफ चले गए। इसी दौरान रेलवे ट्रैक पर ट्रेन आ गई। ट्रेन की चपेट में आने से रामू और पिंकी की मौत हो गई। उन्हें बचाने का प्रयास कर रहे संजीत और अमरचंद भी ट्रेन की चपेट में आ गए। इस हादसे में संजीत की भी मौके पर ही मौत हो गई, जबकि अमरचंद गंभीर रूप से घायल हो गए।



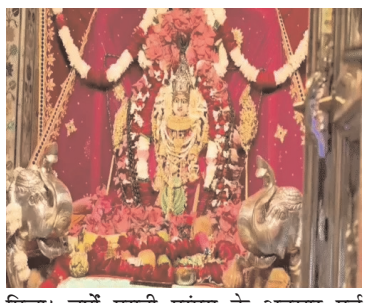
आधे किलोमीटर क्षेत्र में बिखरे मिले शवों के हिस्से

हादसा इतना भीषण था कि ट्रेन की टक्कर से तीनों मृतकों के शव बुरी तरह क्षत-विक्षत हो गए। शवों के हिस्से रेलवे ट्रैक के आसपास करीब आधा किलोमीटर के क्षेत्र में बिखर गए थे। कहीं हाथ तो कहीं पैर और शरीर के अन्य हिस्से पड़े मिले। हादसे के बाद मौके पर पहुंचे लोगों के लिए दृश्य बेहद विचलित करने वाला था। सूचना मिलने पर असहाय सेवा संस्थान के राजकुमार खड़गावत भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने शवों को एकत्रित कर अस्पताल पहुंचाने में सहयोग किया। शवों को पोटलियों में बांधकर पीबीएम अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया। घायल अमरचंद को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनकी हालत गंभीर बताई गई। हादसे के दौरान ट्रेन के लोको पायलट ने आपातकालीन ब्रेक लगाकर ट्रेन को रोका। ट्रेन रुकते ही बड़ी संख्या में यात्री नीचे उतरकर रेलवे ट्रैक की तरफ पहुंच गए। घटना की सूचना मिलने पर राजकीय रेलवे पुलिस, रेलवे कर्मचारी और स्थानीय पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू की। वार्ड-30 के पार्षद अब्दुल सत्तार भी घटनास्थल पर पहुंचे। हादसे के कारण रेलवे ट्रैक पर काफी देर तक अफरा-तफरी का माहौल बना रहा और ट्रेन मौके पर रुकी रही। घड़सीसर रेलवे ट्रैक पर हुआ यह हादसा कई सवाल छोड़ गया है। खेत पर मजदूरी करने वाले पति-पत्नी के बीच हुआ विवाद कुछ ही देर में ऐसी त्रासदी में बदल गया, जिसमें तीन लोगों की जान चली गई और एक अन्य व्यक्ति जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष करने लगा।

उदयपुर के 451 साल पुराने महालक्ष्मी मंदिर में दीपावली की धूम, सवा 8 लाख के स्वर्ण-रजत आभूषणों से हुआ माता का श्रृंगार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

उदयपुर। दीपावली के पावन पर्व पर झीलों की नगरी उदयपुर के भटियाणी चौहट्टा स्थित ऐतिहासिक महालक्ष्मी मंदिर में आस्था और भक्ति का अनूठा संगम देखने को मिल रहा है। करीब 451 वर्ष पुराने इस मंदिर में दीपावली के अवसर पर माता महालक्ष्मी के दर्शन के लिए सुबह 4 बजे से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने लगी। दिनभर मंदिर परिसर में भक्तों का तांता लगा रहा। स्थानीय श्रद्धालुओं के साथ उदयपुर घूमने आए विदेशी पर्यटक भी माता के दर्शन कर आशीर्वाद लेते नजर आए। दीपावली के विशेष अवसर पर मंदिर में माता महालक्ष्मी का विधि-विधान से अभिषेक किया गया। इसके बाद माता को करीब सवा 8 लाख रुपये कीमत के सोने और चांदी के आभूषणों से तैयार विशेष पोशाक धारण करवाई गई। सोने के अन्य आभूषणों और ताजे कमल के फूलों से माता का मनमोहक श्रृंगार किया गया। विशेष सजावट में सजी माता की प्रतिमा के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं में खास उत्साह देखने को



मिला। वर्षों पुरानी परंपरा के अनुसार पूर्व राजपरिवार के सदस्य लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ भी अपने परिवार और शाही लवाजमे के साथ मंदिर पहुंचे। उन्होंने माता महालक्ष्मी की पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लिया। इस दौरान मंदिर में विशेष धार्मिक वातावरण बना रहा। जगदीश चौक जाने वाले मुख्य मार्ग पर स्थित यह मंदिर अपनी विशिष्ट प्रतिमा और प्राचीन परंपराओं के लिए विशेष पहचान रखता है। मंदिर में स्थापित माता महालक्ष्मी की प्रतिमा देश के अन्य मंदिरों से अलग है। सामान्यतः मंदिरों में मां लक्ष्मी कमल के आसन पर विराजित होती हैं, लेकिन यहां माता सफेद पत्थर से बने हाथी पर सवार हैं। यही विशेषता इस मंदिर को श्रद्धालुओं के लिए विशिष्ट आस्था का केंद्र बनाती है। मंदिर से जुड़ी एक अनूठी परंपरा के अनुसार माता जिस सफेद पत्थर के हाथी पर विराजित हैं, उसके दर्शन आम श्रद्धालुओं को नहीं होते। माता की पोशाक और श्रृंगार से हाथी का पूरा हिस्सा ढका रहता है। मान्यता है कि केवल माता का श्रृंगार बदलते समय गर्भगृह में मौजूद पुजारी ही इस हाथी को देख सकते हैं। मंदिर के ट्रस्टी जतिन श्रीमाली ने बताया कि दीपावली के बाद आगामी 10 नवंबर को मंदिर में विशेष अन्नकूट महोत्सव आयोजित किया जाएगा। शाम 5 बजे से श्रद्धालुओं को अन्नकूट के दर्शन होंगे। इसके बाद महाआरती की जाएगी। दीपावली के अवसर पर मंदिर परिसर और भटियाणी चौहट्टा मार्ग को आकर्षक रोशनी और सजावट से सजाया गया है। करीब साढ़े चार शताब्दी पुरानी धार्मिक विरासत, विशिष्ट प्रतिमा और परंपराओं के कारण महालक्ष्मी मंदिर दीपावली पर उदयपुर के प्रमुख आस्था केंद्रों में शामिल रहता है।

उदयपुर में दो दिन से लापता 50 वर्षीय महिला का शव कुएं में मिला, कम दिखाई देने के कारण हादसे की आशंका

महानगर मेट्रो ब्यूरो

उदयपुर। जिले के घासा थाना क्षेत्र में दो दिन से लापता 50 वर्षीय महिला का शव रविवार को एक बिना मुंडेर के कुएं में तैरता मिला। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची सिविल डिफेंस की टीम ने करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद शव को कुएं से बाहर निकाला और घासा थाना पुलिस के सुपुर्द कर दिया। प्रारंभिक जांच में महिला की कम दिखाई देने की समस्या के चलते कुएं में गिरने से मौत होने की आशंका जताई जा रही है। मृतका की पहचान प्रेमी बाई (50) पत्नी खेमराज गायरी, निवासी काला खेत के रूप में हुई है। थानाधिकारी सुरेंद्र सिंह शक्तावत ने बताया कि 6 अक्टूबर को सुबह करीब 7 बजे प्रेमी बाई शौच के लिए घर से बाहर गई थी। इसके बाद वह वापस नहीं लौटी। परिजनों ने आसपास के क्षेत्रों और संभावित स्थानों पर उसकी तलाश की, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली। सूचना मिलने पर पुलिस ने भी महिला की तलाश शुरू की। इसी दौरान बीती रात उसका शव गांव के एक बिना मुंडेर वाले कुएं में तैरता हुआ दिखाई दिया। रात अधिक होने के कारण शव को तत्काल बाहर नहीं निकाला जा सका। रविवार सुबह सिविल डिफेंस की टीम को बुलाया गया। टीम ने करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद शव को कुएं से बाहर निकाला। थानाधिकारी के अनुसार प्रेमी बाई किसान परिवार से थी। उसका एक बेटा है, जो बाहर नौकरी करता है। पूछताछ में सामने आया कि महिला को आंखों से धुंधला दिखाई देता था। इसी समस्या के कारण वह पहले भी दो-तीन बार लापता हो चुकी थी।



माउंट आबू की पहचान को नया स्वरूप देने की तैयारी, 'आई लव माउंट आबू' की जगह लगा 'प्रणाम आबूराज' का साइन बोर्ड

नक्की झील से लेकर धार्मिक और ऐतिहासिक स्थलों के विकास पर जोर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

माउंट आबू। पर्यटन नगरी माउंट आबू को सुंदर और आकर्षक बनाने के साथ इसकी पहचान को नए रूप में सामने लाने के लिए नगर पालिका ने कई पहल शुरू की हैं। नक्की झील पर पहले लगे 'आई लव माउंट आबू' साइन की जगह अब 'प्रणाम आबूराज' का नया साइन बोर्ड लगाया गया है। मुख्यमंत्री की ओर से आबूराज नाम की घोषणा के बाद शहर में इस पहचान को प्रमुखता देने के उद्देश्य से यह पहल की गई है। इसके साथ ही शहर के अन्य स्थानों पर भी 'प्रणाम आबूराज' के साइन बोर्ड लगाए गए हैं। इनके आसपास के क्षेत्रों को भी विकसित कर आकर्षक स्वरूप दिया जा रहा है, ताकि पर्यटकों के लिए ये स्थान तस्वीरें खिंचवाने और यादगार पल संजोने के नए केंद्र बन सकें। नगर पालिका अध्यक्ष सुनील आचार्य ने बताया कि शहर की पहचान मजबूत करने के साथ पर्यटन स्थलों को बेहतर सुविधाओं और आकर्षक स्वरूप में विकसित करने की योजना पर काम किया जा रहा है। इसी क्रम में अंबेडकर चौराहे से नगर पालिका पुस्तकालय तक के मार्ग को अंबेडकर मार्ग तथा विवेकानंद उद्यान से उपखंड कार्यालय तक के मार्ग को विवेकानंद मार्ग घोषित किया गया है। इन नामों के माध्यम से प्रमुख मार्गों को महापुरुषों और उनके विचारों से जोड़ने का प्रयास किया गया है।

नक्की झील पर नमो उद्यान विकसित करने की योजना

नक्की झील क्षेत्र को और आकर्षक बनाने के लिए कई योजनाएं तैयार की जा रही हैं। झील के आसपास सौंदर्यीकरण, पर्यटकों के बैठने की बेहतर व्यवस्था और प्रमुख स्थानों के विकास पर जोर दिया जा रहा है। झील के आसपास लंबे समय से बंद पड़े फव्वारों को फिर से चालू किया गया है और उनमें रंग-बिरंगी रोशनी की व्यवस्था की गई है। पंप हाउस के पास क्षतिग्रस्त चारदीवारी और रेलिंग की मरम्मत भी करवाई गई है। पर्यटकों की सुविधा के लिए नई बेंच और कूड़ेदान लगाए गए हैं। आने वाले समय में नक्की झील पर नमो उद्यान विकसित करने की योजना है। इसके अलावा अटल चौक का सौंदर्यीकरण कर उसे आकर्षक स्वरूप देने की तैयारी है। चंपा गुफा के शेष विकास कार्यों को गति देकर इसे बेहतर पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने पर भी काम किया जाएगा।

महादेव घाट, कानुड़ा घाट और संत सरोवर का भी होगा विकास

नक्की झील के आसपास स्थित महादेव घाट और कानुड़ा घाट को विकसित करने की योजना के तहत वहां सुविधाओं के विस्तार और सौंदर्यीकरण के कार्य करवाए जा रहे हैं। शहर के आध्यात्मिक और पर्यटन महत्व को ध्यान में रखते हुए संत सरोवर विकास योजना को भी आगे बढ़ाने की तैयारी है। इस योजना के तहत क्षेत्र का व्यापक सौंदर्यीकरण, पर्यटकों के लिए आधारभूत सुविधाओं का विस्तार और धार्मिक-आध्यात्मिक वातावरण को बेहतर बनाने जैसे कार्य प्रस्तावित हैं। योजना को जल्द गति देने के प्रयास किए जा रहे हैं, ताकि संत सरोवर को धार्मिक आस्था के साथ एक व्यवस्थित पर्यटन स्थल के रूप में भी विकसित किया जा सके।

पर्यटन सीजन में पार्किंग की समस्या दूर करने की तैयारी

पालिका अध्यक्ष आचार्य के अनुसार, शहर में केवल सजावट तक सीमित न रहकर स्थायी सुविधाओं के विकास पर भी ध्यान दिया जा रहा है। किचन गार्डन में आने वाले समय में दो मंजिला वाहन पार्किंग विकसित करने की योजना है। इससे पर्यटन सीजन के दौरान वाहनों के बढ़ते दबाव को कम करने में मदद मिलेगी। उनका कहना है कि माउंट आबू आने वाले पर्यटकों को बेहतर अनुभव मिले और शहर की सुंदरता के साथ इसकी विशिष्ट पहचान भी मजबूत हो, इसी उद्देश्य से अलग-अलग स्थानों पर विकास कार्य करवाए जा रहे हैं।

लड़की के विवाद में युवक की पिकअप से कुचलकर हत्या, आक्रोशित परिजनों ने दो राजमार्ग किए जाम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जोधपुर। जिले के खेड़ापा थाना क्षेत्र के बिराई गांव में लड़की को लेकर हुए विवाद में 30 वर्षीय युवक की पिकअप से कुचलकर हत्या किए जाने का मामला सामने आया है। रविवार सुबह करीब 6 बजे बबलू का शव गांव में सड़क किनारे मिला। घटना से गुस्साए परिजनों और ग्रामीणों ने पहले राज्य राजमार्ग और फिर राष्ट्रीय राजमार्ग जाम कर दिया। करीब दो घंटे तक चले जाम से दोनों ओर कई किलोमीटर तक वाहनों की कतारें लग गईं। भोपालगढ़ के पुलिस उपाधीक्षक गुलाबा राम ने बताया कि मृतक बबलू के परिजनों ने महेंद्र खेराज (30) पर हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, लड़की को लेकर दोनों पक्षों के बीच शनिवार रात पंचायत भी हुई थी, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची थी। आरोप है कि शनिवार देर रात शराब के नशे में आरोपी ने पिकअप से बबलू को टक्कर मार दी। रविवार सुबह शव मिलने की सूचना के बाद भी पुलिस के मौके पर नहीं पहुंचने से नाराज परिजन शव को लेकर बावड़ी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंच गए। इसके बाद सुबह 8:15 बजे उन्होंने केंद्र के सामने बावड़ी-बिसलपुर राज्य राजमार्ग पर जाम लगा दिया। करीब आधे घंटे बाद ग्रामीण 100 मीटर दूर जोधपुर-नागौर-बीकानेर राष्ट्रीय राजमार्ग पर पहुंच गए। उन्होंने सड़क पर वाहन खड़े कर दिए और किनारे बड़े-बड़े पत्थर रखकर रास्ता रोक दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने समझाइश की। आखिरकार सुबह करीब 10:15 बजे जाम खुलवाया जा सका। हालांकि इसके बाद भी काफी देर तक यातायात धीमी गति से चलता रहा। पुलिस ने शव को शवगृह में रखवा दिया है।

पाली में पटाखे छोड़ने की बात पर दो परिवारों में विवाद, मारपीट में 10 लोग घायल

बकरियों के चौंकने और घर में पटाखा गिरने को लेकर हुआ विवाद, दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर लगाए हमले के आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पाली। शहर के नवलखा रोड स्थित भिश्तियों की गली में शनिवार शाम बच्चों के पटाखे छोड़ने की बात को लेकर दो परिवारों के बीच कहासुनी हो गई। देखते ही देखते विवाद मारपीट में बदल गया। घटना में दोनों पक्षों के कुल 10 लोग घायल हो गए। सभी घायलों को उपचार के लिए पाली के बांगड़ अस्पताल लाया गया, जहां उनका इलाज किया गया। चिकित्सकों के अनुसार सभी की हालत खतरे से बाहर है। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर हमला करने का आरोप लगाया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। जानकारी के अनुसार शनिवार शाम गली में कुछ बच्चे पटाखे छोड़ रहे थे। पटाखों की आवाज से वहां बंधी बकरियां चौंक रही थीं। आरोप है कि इसी दौरान एक पटाखा घर के अंदर जाकर गिर गया। गनीमत रही कि इससे कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ। इसी बात को लेकर एक ही गली में रहने वाले दो परिवारों के बीच विवाद शुरू हो गया, जो बाद में मारपीट में बदल गया। इस घटना में एक पक्ष के मेहबूब अली (62), रिजवान अली (33), अरबिना बानो (20), अयूब

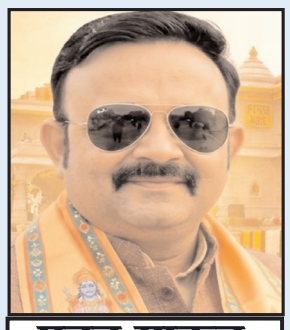


अली (45), रज्जब अली (28), रजिया बानो (48) और सायरा (54) घायल हो गए। वहीं, दूसरे पक्ष के मोहम्मद साबिर (43), रजिवाना (25) और नजमा बानो (28) को चोटें आईं। सभी घायलों को अस्पताल में उपचार दिया गया। फिलहाल पुलिस दोनों पक्षों के आरोपों की जांच कर रही है।



पेट्रोल में इथेनॉल की कथित अति-मिलावट: हर बूंद के साथ बढ़ता उपभोक्ताओं की सुरक्षा का सवाल

देश में पेट्रोल की गुणवत्ता और उसमें इथेनॉल की निर्धारित मात्रा को लेकर सामने आए दावों ने एक गंभीर बहस छेड़ दी है। यदि इन दावों की पुष्टि होती है, तो यह केवल तेल कंपनियों की कार्यप्रणाली पर सवाल नहीं होगा, बल्कि उपभोक्ताओं के अधिकारों, वाहन सुरक्षा और सरकारी निगरानी व्यवस्था की विश्वसनीयता की भी बड़ी परीक्षा होगी। सरकार ने पेट्रोल में इथेनॉल मिलाने की नीति को पर्यावरण संरक्षण, प्रदूषण कम करने और विदेशी कच्चे तेल पर निर्भरता घटाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया है। इस नीति के पीछे ऊर्जा सुरक्षा और वैकल्पिक ईंधन को बढ़ावा देने जैसे उद्देश्य हैं। लेकिन किसी भी सरकारी नीति की सफलता केवल उसके घोषित उद्देश्यों से नहीं, बल्कि उसके क्रियान्वयन की पारदर्शिता और आम जनता को मिलने वाले लाभ से तय होती है। यदि इसी नीति की आड़ में ईंधन की गुणवत्ता से समझौता होने लगे, तो उसके औचित्य पर सवाल उठना स्वाभाविक है। हाल ही में सामने आई एक कथित प्रयोगशाला जांच रिपोर्ट में दावा किया गया है कि भारत पेट्रोलियम, रिलायंस और नायरा एनर्जी के कुछ नमूनों में इथेनॉल की मात्रा 25 प्रतिशत से अधिक, जबकि इंडियन ऑयल और हिंदुस्तान पेट्रोलियम के कुछ नमूनों में 30 प्रतिशत से अधिक पाई गई। ये आंकड़े यदि प्रमाणित होते हैं, तो निर्धारित ईंधन मानकों के पालन और निगरानी व्यवस्था को लेकर गंभीर चिंता पैदा करते हैं।



पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

हालांकि, इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि, नमूनों के संग्रह की प्रक्रिया, जांच की प्रमाणिकता और संबंधित कंपनियों का पक्ष सामने आना भी उतना ही आवश्यक है। केवल एक रिपोर्ट के आधार पर किसी कंपनी को दोषी ठहराना उचित नहीं होगा, लेकिन इतने गंभीर आरोपों की निष्पक्ष जांच में देरी भी नहीं होनी चाहिए। भारत में ई-20 ईंधन यानी 20 प्रतिशत इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसके साथ ही वाहनों की तकनीकी क्षमता और ईंधन के अनुरूप उनकी बनावट का सवाल भी जुड़ा हुआ है। सभी वाहन एक जैसी तकनीक से तैयार नहीं होते। कुछ वाहन अधिक इथेनॉल मिश्रण के अनुकूल बनाए जाते हैं, जबकि पुराने या कम मिश्रण के लिए तैयार वाहनों पर इसका प्रभाव अलग हो सकता है। निर्धारित सीमा से अधिक इथेनॉल वाला ईंधन यदि ऐसे वाहनों में इस्तेमाल होता है, तो इंजन के प्रदर्शन, ईंधन आपूर्ति प्रणाली, रबर और धातु के कुछ हिस्सों तथा वाहन की कार्यक्षमता पर प्रतिकूल असर पड़ने की आशंका हो सकती है। इथेनॉल नमी को आकर्षित करने वाला पदार्थ है। ऐसे में ईंधन की गुणवत्ता, भंडारण और वाहन की तकनीकी अनुकूलता की अनदेखी नहीं की जा सकती। सबसे बड़ा सवाल यह है कि यदि कोई वाहन मालिक निर्धारित मानकों के अनुरूप पेट्रोल खरीदने के लिए पूरी कीमत चुका रहा है, तो उसे गुणवत्ता की गारंटी कौन देगा? वाहन खरीदते समय ग्राहक कंपनी की ओर से बताए गए ईंधन मानकों और निर्देशों के आधार पर फैसला करता है। यदि बाजार में बेचे जा रहे ईंधन की वास्तविक गुणवत्ता उन मानकों से अलग पाई जाती है, तो वाहन मालिक को होने वाले नुकसान की जिम्मेदारी किसकी होगी?

इंजन की खराबी, बार-बार मरम्मत, ईंधन प्रणाली में गड़बड़ी और वाहन की कार्यक्षमता में कमी जैसी समस्याओं का आर्थिक बोझ आखिरकार आम उपभोक्ता पर ही पड़ता है। यह मामला केवल निजी तेल कंपनियों तक सीमित नहीं माना जा सकता। यदि सरकारी क्षेत्र की तेल कंपनियों के नमूनों को लेकर भी ऐसे दावे सामने आए हैं, तो जांच का दायरा और व्यापक होना चाहिए। सरकारी कंपनियों की जिम्मेदारी और अधिक बढ़ जाती है, क्योंकि आम नागरिक उनसे गुणवत्ता और नियमों के पालन की अपेक्षा करता है। दूसरी ओर निजी कंपनियों को भी यह स्पष्ट करना चाहिए कि उनके यहां ईंधन की गुणवत्ता की जांच किस स्तर पर होती है और उपभोक्ताओं तक पहुंचने वाले पेट्रोल में निर्धारित अनुपात सुनिश्चित करने के लिए कौन-सी व्यवस्था अपनाई जाती है। सरकार और संबंधित विभागों को इस मामले में केवल स्पष्टीकरण जारी करने तक सीमित नहीं रहना चाहिए। देश के अलग-अलग राज्यों और शहरों में पेट्रोल पंपों से स्वतंत्र रूप से नमूने लिए जाने चाहिए। जांच किसी एक प्रयोगशाला के बजाय मान्यता प्राप्त प्रयोगशालाओं से कराई जानी चाहिए, ताकि परिणामों की विश्वसनीयता पर संदेह की गुंजाइश न रहे। जांच रिपोर्ट सार्वजनिक की जाए और प्रत्येक नमूने के साथ पंप का नाम, स्थान, नमूना लेने की तारीख तथा जांच की विधि भी स्पष्ट की जाए। यदि कहीं निर्धारित मानकों का उल्लंघन प्रमाणित होता है, तो जिम्मेदार कंपनी और संबंधित पंप संचालक के खिलाफ नियमों के अनुसार कठोर कार्रवाई होनी चाहिए। इसके साथ ही उपभोक्ताओं को यह जानकारी मिलनी चाहिए कि उनके वाहन के लिए कौन-सा ईंधन उपयुक्त है। वाहन निर्माता कंपनियों को भी अपने पुराने और नए वाहनों की इथेनॉल मिश्रण क्षमता के बारे में स्पष्ट जानकारी उपलब्ध करानी चाहिए। यदि किसी वाहन को निर्धारित मानक से अलग ईंधन के कारण नुकसान पहुंचता है, तो शिकायत दर्ज कराने और मुआवजा पाने की पारदर्शी व्यवस्था भी होनी चाहिए।

इतिहास का काला सच और मानवता पर कलंक

अहमदाबाद के राणपुर से उठी क्रांति की चिंगारी: महीने के महज 5 रुपये वेतन पर 'मैला ढोने' को मजबूर दलित महिलाओं की आवाज कैसे बन गई इतिहास का निर्णायक मोड़?

गुजरात की धरती से अनेक ऐतिहासिक आंदोलनों और क्रांतियों की शुरुआत हुई है, लेकिन इनमें कुछ अध्याय ऐसे भी हैं, जिन्हें पढ़कर किसी भी संवेदनशील व्यक्ति के रोंगटे खड़े हो जाते हैं। बात 1996 के उस काले दौर की है, जब गुजरात के अहमदाबाद जिले के राणपुर गांव से मानवता को शर्मसार करने वाली एक अमानवीय प्रथा के खिलाफ विरोध की प्रचंड चिंगारी भड़की थी। सिर पर मैला ढोने जैसी बेहद घृणित और गुलामी भरी प्रथा के विरुद्ध जब दलित महिलाओं ने आवाज उठाई, तब सत्ताधीशों और व्यवस्था की क्रूरता के ऐसे पन्ने सामने आए, जिन्होंने पूरे राज्य को झकझोर दिया था।

महीने के महज 5 रुपये वेतन पर काम! राणपुर ग्राम पंचायत का क्रूर मजाक

20वीं सदी के अंतिम दशक में, जब दुनिया आधुनिकता की ओर बढ़ रही थी, तब गुजरात के राणपुर गांव की पंचायत दलित सफाईकर्मी महिलाओं से मानव मल को हाथों से साफ



करवाने जैसा बेहद अमानवीय और घृणित काम करवा रही थी। इस नर्क समान काम के बदले उन्हें मेहनताना कितना दिया जाता था? यह सुनकर किसी का भी कलेजा कांप जाए। पंचायत की ओर से इन महिलाओं को इसके बदले महीने में महज 5 रुपये वेतन दिया जाता था।

5 रुपये में पेट भरना तो दूर, आज के समय में एक कप चाय भी नहीं आती। ऐसे में उस दौर में इन शोषित परिवारों की आर्थिक स्थिति कितनी दयनीय और लाचार रही होगी, इसकी कल्पना करना भी मुश्किल है।

भूखे और आधे पेट रहने के दिन, फिर भी ग्रामीणों की गालियां और तिरस्कार जब इस अमानवीय व्यवस्था के खिलाफ दलित महिलाओं ने हिम्मत जुटाकर विरोध दर्ज कराया और यह काम करने से इनकार कर दिया, तब गांव के सवर्णों और पंचायत के ठेकेदारों की ओर से उन पर अत्याचार का सिलसिला शुरू कर दिया गया। विरोध और काम बंद करने वाली एक पीड़ित महिला ने अपनी दयनीय स्थिति बताते हुए कहा था,

'दो-दो महीने से हम भूखे और आधे पेट रह रहे हैं। गांव वालों के पैरों में गिरते हैं, लेकिन किसी का दिल नहीं पसीजता। उल्टा, हमें देखते ही गंदी-गंदी गालियां देते हैं। अब तक तो घर के बर्तन बेचकर या ब्याज पर कर्ज लेकर गुजारा किया है, लेकिन हम आखिर कब तक इन गांव वालों के सामने टिक पाएंगे? '

ये शब्द केवल एक महिला की पीड़ा नहीं थे, बल्कि उस समय की सामाजिक व्यवस्था के मुंह पर करारा तमाचा थे। रोजाना अपमान, सामाजिक बहिष्कार और भुखमरी का सामना करने के बावजूद इन महिलाओं ने अपने स्वाभिमान की लड़ाई नहीं छोड़ी।

1996: राणपुर से उठी विद्रोह की आवाज

आखिरकार, वर्ष 1996 में राणपुर गांव से सिर पर मैला ढोने की प्रथा को पूरी तरह समाप्त करने के लिए एक ऐतिहासिक आंदोलन की शुरुआत हुई। वर्षों से दबे, कुचले और आवाजविहीन बना दिए गए समाज के इस वर्ग की महिलाएं जब अपने अधिकारों के लिए घरों से बाहर निकलीं और सड़क पर उतरीं, तब उन्होंने एक नया इतिहास रच दिया।

यह आंदोलन केवल राणपुर तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इसने पूरे गुजरात और देशभर में मानवाधिकारों के लिए काम करने वाले लोगों तथा सामाजिक कार्यकर्ताओं का ध्यान आकर्षित किया। दलित महिलाओं के इस अदम्य संघर्ष ने साबित कर दिया कि गुलामी की जंजीरें कितनी भी मजबूत क्यों न हों, जब महिलाएं अपने अधिकारों के लिए आवाज बुलंद करती हैं, तो बड़ी से बड़ी व्यवस्था को भी चुनौती मिलती है।

राणपुर की इस घटना ने सामाजिक समरसता और मानवाधिकारों के नाम पर किए जाने वाले दावों के बीच मौजूद विरोधाभास को उजागर कर दिया। आजादी के कई दशक बाद भी यदि किसी इंसान से ऐसा अमानवीय काम करवाया जा रहा था, तो यह पूरे समाज के लिए आत्ममंथन का विषय है।

राणपुर की उन साहसी महिलाओं का संघर्ष आज भी याद दिलाता है कि मानवता को शर्मसार करने वाली किसी भी क्रूर प्रथा के खिलाफ आवाज उठाना केवल पीड़ितों की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। सवाल यह भी है कि आजादी के इतने वर्षों बाद भी आखिर ऐसी व्यवस्था कैसे कायम रही, जिसमें इंसान से इंसान का मैला उठवाया जाता था और इसके विरोध में आवाज उठाने वालों को ही भूख, अपमान और बहिष्कार का सामना करना पड़ता था?

त्योहारों की खरीदारी में 'बिना ब्याज किस्त' का जाल! छोटी किस्तों के चक्कर में जेब पर पड़ सकता है बड़ा बोझ

देशभर में दीपावली के अवसर पर बाजारों और ऑनलाइन खरीदारी में तेजी आई है। कपड़े, इलेक्ट्रॉनिक सामान, घरेलू उपकरण, पटाखे और उपहार खरीदने के लिए बड़ी संख्या में लोग डिजिटल भुगतान का सहारा ले रहे हैं। एकमुश्त बड़ी रकम चुकाने से बचने के लिए उपभोक्ता बिना ब्याज वाली मासिक किस्तों का विकल्प भी चुन रहे हैं। पहली नजर में यह सुविधा आकर्षक लगती है, क्योंकि इसमें खरीदारी की रकम कई महीनों में चुकाने का अवसर मिलता है। लेकिन इस सुविधा का दूसरा पहलू भी है, जिसे समझे बिना खरीदारी करना महंगा पड़ सकता है। दरअसल, बिना ब्याज वाली किस्त का अर्थ यह नहीं है कि ग्राहक को कोई अतिरिक्त खर्च नहीं उठाना पड़ेगा। कई बार बैंक और वित्तीय संस्थान इसके लिए अलग से प्रसंस्करण शुल्क वसूलते हैं। यह शुल्क 99 रुपये से लेकर 500 रुपये या उससे अधिक भी हो सकता है। इस



राशि पर 18 प्रतिशत वस्तु एवं सेवा कर भी देना पड़ता है। ऐसे में ब्याज से राहत मिलने के बावजूद ग्राहक की जेब पर अतिरिक्त भार पड़ता है। दूसरा बड़ा खर्च ब्याज और शुल्क पर लगने वाला कर है। कई योजनाओं में वस्तु की कीमत पर मिलने वाली छूट के माध्यम से ब्याज की भरपाई की जाती है, लेकिन बैंक की ओर से तकनीकी रूप से ब्याज और प्रसंस्करण शुल्क से जुड़े कर की वसूली की जा सकती है। इसका सीधा असर ग्राहक के अंतिम भुगतान पर पड़ता है। त्योहारी खरीदारी में मिलने वाली तत्काल छूट का नुकसान भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। कई बैंक एकमुश्त भुगतान करने पर 10 प्रतिशत तक की छूट या निश्चित राशि की तत्काल बचत देते हैं। लेकिन किस्तों वाली योजना चुनने पर यह छूट अक्सर उपलब्ध नहीं होती। ऐसे में ग्राहक छोटी मासिक किस्त देखकर खुश तो हो जाता है, लेकिन कुल मिलाकर वस्तु अधिक कीमत पर खरीद बैठता है। इसके अलावा, यदि ग्राहक निर्धारित अवधि पूरी होने से पहले पूरी रकम चुकाना चाहता है तो कुछ बैंक समय से पहले भुगतान करने पर अतिरिक्त शुल्क लगा सकते हैं। इसे समयपूर्व भुगतान या ऋण समापन शुल्क कहा जाता है। यह शुल्क बकाया रकम के आधार पर लिया जा सकता है और इस पर भी कर लागू हो सकता है। इस सुविधा का एक और प्रभाव क्रेडिट कार्ड की उपलब्ध सीमा पर पड़ता है। किस्तों में खरीदारी करने के बाद वस्तु की पूरी कीमत के बराबर राशि कार्ड की सीमा में से रोक दी जाती है। जैसे-जैसे किस्तों का भुगतान होता है, उतनी राशि दोबारा उपलब्ध होती जाती है। लगातार कई खरीदारी किस्तों पर करने से मासिक आय का बड़ा हिस्सा पहले से तय भुगतानों में फंस सकता है। विशेषज्ञों की सलाह है कि त्योहारों के दौरान केवल छोटी मासिक किस्त देखकर खरीदारी का निर्णय न लें। किसी भी योजना को स्वीकार करने से पहले वस्तु की वास्तविक कीमत, प्रसंस्करण शुल्क, कर, ब्याज और एकमुश्त भुगतान पर मिलने वाली छूट का हिसाब जरूर लगाएं। उपभोक्ताओं को यह भी देखना चाहिए कि अगले कुछ महीनों में उनकी आमदनी और खर्च का संतुलन कैसा रहेगा। जरूरत से ज्यादा खरीदारी और कई किस्तों का बोझ त्योहार की खुशियों को बाद में आर्थिक परेशानी में बदल सकता है। आखिरकार, समझदारी इसी में है कि खरीदारी सुविधा के अनुसार नहीं, बल्कि अपनी आर्थिक क्षमता के अनुसार की जाए। याद रखिए, जो सौदा पहली नजर में बिना ब्याज और सस्ता दिखाई देता है, जरूरी नहीं कि वह वास्तव में सबसे किफायती भी हो।

दिवाली की शुभकामनाओं में छिपा साइबर ठगी का जाल!

देशभर में दीपावली का त्योहार हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। घरों से लेकर बाजारों तक उत्सव का माहौल है। वहीं, मोबाइल फोन पर भी शुभकामना संदेशों, रंग-बिरंगे बधाई पत्रों, मिठाइयों की तस्वीरों और दीपावली के विशेष वीडियो का आदान-प्रदान तेजी से हो रहा है। लोग अपनों को संदेश भेजकर त्योहार की खुशियां बांट रहे हैं, लेकिन इसी उत्साह के बीच साइबर ठग भी सक्रिय हो गए हैं। वे दीपावली की शुभकामनाओं, मुफ्त उपहारों, नकद वापसी और विशेष छूट का लालच देकर लोगों को ठगी का शिकार बनाने की कोशिश कर रहे हैं। साइबर अपराधी आकर्षक संदेशों के साथ संदिग्ध संपर्क सूत्र और फाइलें भेजते हैं। कई बार ये संदेश किसी परिचित या रिश्तेदार के नाम से भी आते हैं, जिससे लोग आसानी से उन पर



भरोसा कर लेते हैं। संदेश के साथ भेजे गए संपर्क सूत्र को खोलने पर नकली वेबसाइट सामने आ सकती है, जहां मोबाइल नंबर, व्यक्तिगत जानकारी या गोपनीय सत्यापन संख्या मांगी जाती है। ठग दीपावली का विशेष वीडियो या शुभकामना पत्र दिखाने के नाम पर एपीके फाइल भी भेज सकते हैं। यह मोबाइल में अनुप्रयोग स्थापित करने वाली फाइल होती है। इसे वीडियो या तस्वीर समझकर स्थापित करने पर मोबाइल में हानिकारक अनुप्रयोग पहुंच सकता है, जिससे निजी जानकारी चोरी होने, संदेशों तक अनधिकृत पहुंच बनाने और आर्थिक धोखाधड़ी का खतरा पैदा हो सकता है। इसी तरह दीपावली विशेष योजना के नाम पर 5,000 रुपये की नकद वापसी, मुफ्त उपहार या खरीदारी प्रमाणपत्र जीतने का संदेश भेजकर लोगों को फर्जी वेबसाइट पर पहुंचाया जाता है। वहां इनाम प्राप्त करने के बहाने बैंक संबंधी जानकारी और गोपनीय सत्यापन संख्या मांगी जाती है। कई बार सीमित समय में लाभ उठाने का दबाव बनाकर जल्दबाजी में गलती कराई जाती है। साइबर अपराधी किसी व्यक्ति का संदेश भेजने वाला खाता अपने नियंत्रण में लेकर उसके संपर्कों को भी ऐसे संदेश भेज सकते हैं। इसलिए परिचित के नाम से आए किसी संदिग्ध संदेश पर भी आंख मूंदकर भरोसा नहीं करना चाहिए। विशेषज्ञों के अनुसार, किसी अनजान संपर्क सूत्र पर क्लिक करने, अपरिचित स्रोत से फाइल स्थापित करने और गोपनीय सत्यापन कोड साझा करने से बचना चाहिए। किसी भी उपहार या शुभकामना संदेश को देखने के लिए बैंक का गुप्त संकेत क्रमांक या सत्यापन कोड देने की आवश्यकता नहीं होती। मोबाइल में अनुप्रयोग केवल आधिकारिक अनुप्रयोग भंडार से ही स्थापित करें। यदि गलती से संदिग्ध फाइल स्थापित हो गई है या गोपनीय जानकारी साझा कर दी है तो तत्काल संबंधित बैंक और खाते की सुरक्षा सुनिश्चित करें। आर्थिक धोखाधड़ी होने पर राष्ट्रीय साइबर अपराध हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कराएं। दीपावली खुशियों और आपसी विश्वास का त्योहार है, लेकिन इस दौरान थोड़ी-सी सावधानी आपकी मेहनत की कमाई और निजी जानकारी को सुरक्षित रख सकती है। याद रखें, हर चमकता हुआ उपहार असली नहीं होता और हर परिचित के नाम से आया संदेश सुरक्षित नहीं होता।

आज का राशिफल

(सोमवार) 09 नवम्बर 2026

मेष — रुके हुए कार्यों में गति आएगी। कार्यक्षेत्र में अधिकारियों का सहयोग मिलेगा, लेकिन पैसों के मामले में अनावश्यक खर्चों से बचें।

वृषभ — जल्दबाजी में बड़े फैसले न लें, धैर्य से काम लें। पुराने निवेशों की समीक्षा का समय है। शाम तक परिस्थितियां आपके अनुकूल होंगी।

मिथुन — करियर और व्यवसाय में नए अवसर प्राप्त होंगे। विदेश या पुराने संपर्कों से धन लाभ के योग बन रहे हैं। मानसिक भ्रम से बचें।

कर्क — पारिवारिक जिम्मेदारियां बढ़ेंगी। कार्यक्षेत्र में मेहनत रंग लाएगी। सेहत का विशेष ध्यान रखें और भावुक होकर आर्थिक फैसले लेने से बचें।

सिंह — दिन की शुरुआत थोड़ी धीमी रह सकती है, इसलिए वाणी पर संयम रखें। दोपहर के बाद धन लाभ और करियर में पद-प्रतिष्ठा बढ़ने के योग हैं।

कन्या — परिश्रम अधिक रहेगा, लेकिन नतीजे संतोषजनक मिलेंगे। बिजनेस में नए पार्टनर पर तुरंत भरोसा न करें, बजट के हिसाब से काम करें।

तुला — मान-सम्मान और आय में वृद्धि के अच्छे योग हैं। कार्यस्थल पर कोई नई जिम्मेदारी मिल सकती है। वित्तीय फैसलों में थोड़ी सावधानी बरतें।

वृश्चिक — आर्थिक लाभ और व्यापार विस्तार के संकेत हैं। दोपहर से पहले जरूरी सरकारी या व्यावसायिक काम निपटाना फायदेमंद रहेगा।

धनु — प्रबंधन से जुड़े कार्यों में सफलता मिलेगी। वरिष्ठों और सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा। व्यक्तिगत खर्चों पर थोड़ा नियंत्रण रखें।

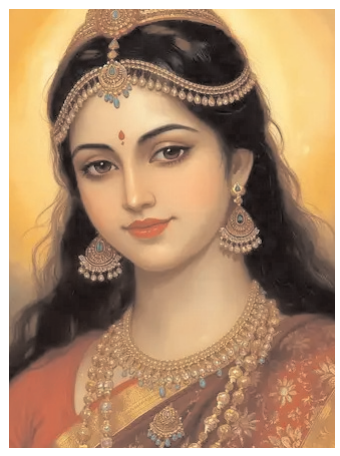
मकर — कामकाज का दबाव बना रह सकता है। संपत्ति से जुड़े मामलों और कागजी कार्रवाई में थोड़ी तेजी आएगी। जल्दबाजी में सौदे न करें।

कुंभ — पुरानी समस्याओं का समाधान मिलेगा और सेहत में सुधार होगा। दोपहर बाद धार्मिक या सामाजिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी।

मीन — शुरुआत में सुस्ती या थकान महसूस हो सकती है। दोपहर के बाद बिजनेस और नौकरी में स्थितियां आपके पक्ष में रुख करेंगी।

सीता का भी था एक जुड़वां भाई भामंडल! रामायण की प्रचलित कथा से अलग जैन परंपरा में मिलते हैं कई रोचक प्रसंग, अग्निपरीक्षा के बाद सीता ने ग्रहण की थी दीक्षा

भारतीय धार्मिक और साहित्यिक परंपराओं में रामकथा के अनेक रूप मिलते हैं। सामान्य रूप से प्रचलित रामायण में माता सीता के जन्म, स्वयंवर, वनवास, रावण द्वारा हरण और अग्निपरीक्षा के प्रसंगों से लगभग सभी परिचित हैं, लेकिन जैन रामकथा में सीता के जीवन से जुड़े कुछ ऐसे प्रसंग मिलते हैं, जो सामान्य जनमानस में बहुत कम चर्चा में आते हैं। जैन परंपरा के एक कथानक के अनुसार, माता सीता का एक जुड़वां भाई भी था, जिसका नाम भामंडल बताया गया है। इस कथा में सीता के जन्म से लेकर उनके विवाह और जीवन के अंतिम आध्यात्मिक निर्णय तक कई अनूठे प्रसंगों का वर्णन मिलता है। कथा के अनुसार, राजा जनक की पत्नी विदेही ने एक साथ दो संतानों को जन्म दिया था। इनमें पुत्र का नाम भामंडल और पुत्री का नाम सीता रखा गया। लेकिन जन्म के बाद परिस्थितियां ऐसी बनीं कि भामंडल अपने परिवार से बिछड़ गया। दैवयोग से वह चंद्रपुर के राजा चंद्रध्वज के घर पहुंच गया और वहीं उसका पालन-पोषण हुआ। दूसरी ओर सीता



राजा जनक के महल में बड़ी हुई। समय बीतने के साथ जब सीता विवाह योग्य हुई तो राजा जनक को उनके योग्य वर की चिंता सताने लगी। इसी दौरान जनक के राज्य पर दैत्यों ने आक्रमण कर दिया। संकट की इस घड़ी में राजा जनक ने अयोध्या के राजा दशरथ से सहायता मांगी। श्रीराम ने दैत्यों का सामना कर उनका विनाश किया और जनक राज्य को संकट से मुक्त कराया। श्रीराम के पराक्रम और शौर्य से प्रभावित होकर राजा जनक ने अपनी पुत्री सीता का विवाह राम से करने का प्रस्ताव रखा। उधर, चंद्रपुर में पले-बढ़े भामंडल के जीवन में भी एक अलग घटनाक्रम चल रहा था। कथा के अनुसार, देवर्षि नारद ने उसे सीता का चित्र दिखाया, जिसे देखकर भामंडल उनके प्रति आकर्षित हो गया और उनसे विवाह करने की इच्छा करने लगा। उसे यह जानकारी नहीं थी कि जिस युवती से वह विवाह करना चाहता है, वह वास्तव में उसकी अपनी जुड़वां बहन है। इसी बीच राजा चंद्रध्वज ने राजा जनक को पराजित कर दिया और सीता का विवाह अपने पुत्र से करने का प्रस्ताव रखा। जनक ने स्पष्ट किया कि वह सीता का विवाह श्रीराम से करने का वचन दे चुके हैं। इस पर चंद्रध्वज ने दो धनुष प्रस्तुत किए और शर्त रखी कि यदि श्रीराम इन पर प्रत्यंचा चढ़ाने में सफल होते हैं, तभी वे सीता से विवाह कर सकते हैं। इस प्रसंग का उल्लेख संबंधित जैन ग्रंथ के चौथे सर्ग में मिलता है। इसी सर्ग में रावण की मृत्यु से जुड़ी एक अन्य रोचक घटना का भी वर्णन किया गया है। कथा के अनुसार, एक बार रावण ने अपनी सभा में उपस्थित ज्योतिषाचार्य से अपनी मृत्यु का कारण पूछा। ज्योतिषाचार्य ने बताया कि भविष्य में राजा जनक की पुत्री जानकी और राजा दशरथ के पुत्र राम के हाथों उसकी मृत्यु होगी। यह सुनकर विभीषण ने कहा कि वह जनक और दशरथ दोनों का वध कर देगा, ताकि भविष्य में रावण के लिए कोई खतरा ही न बचे। सभा में मौजूद देवर्षि नारद ने यह पूरी बात जाकर राजा दशरथ को बता दी। इसके बाद दशरथ और जनक ने अपने-अपने राज्यों का दायित्व मंत्रियों को सौंप दिया और योगियों की तरह समय बिताने के लिए वन की ओर चले गए। शत्रु को भ्रमित करने के उद्देश्य से अयोध्या के मंत्रियों ने राजा दशरथ की एक प्रतिमा बनवाकर अंधेरे स्थान पर रखवा दी। जब क्रोधित विभीषण अयोध्या पहुंचा तो उसने उस प्रतिमा को ही दशरथ समझ लिया और तलवार से उसका सिर अलग कर दिया। दशरथ की हत्या होने का भ्रम पालकर विभीषण वापस लंका लौट गया। इस प्रकार मंत्रियों की युक्ति से राजा दशरथ की जान बच गई। जैन रामकथा में सीता के जीवन का एक और महत्वपूर्ण प्रसंग उनकी अग्निपरीक्षा और उसके बाद लिए गए आध्यात्मिक निर्णय से जुड़ा है। सामान्य रामकथा में अग्निपरीक्षा का प्रसंग अलग रूप में वर्णित है, जबकि इस जैन कथानक में बताया गया है कि जब सीता अग्निकुंड में प्रवेश करती हैं तो अग्नि शांत हो जाती है और कुंड स्वच्छ जल से भर जाता है। इस अद्भुत घटना के बाद लक्ष्मण, विभीषण, सुग्रीव सहित अनेक वीर वहां पहुंचकर सीता को प्रणाम करते हैं। श्रीराम भी उनके पास आते हैं और हाथ जोड़कर उनसे क्षमा मांगते हैं। इस पर सीता कहती हैं कि इसमें राम का कोई दोष नहीं है, बल्कि यह उनके अपने पूर्व कर्मों का परिणाम है। वह मानती हैं कि संसार में दुख और कष्ट का मूल कारण कर्मों का बंधन है और इससे मुक्ति पाने के लिए आध्यात्मिक मार्ग अपनाना आवश्यक है। इसी विचार के साथ सीता सांसारिक जीवन का त्याग कर दीक्षा ग्रहण करने का निर्णय लेती हैं। कथा के अनुसार, उन्होंने अपने हाथों से अपने केश निकालकर श्रीराम को सौंप दिए।

कानपुर में तेज रफ्तार थार का कहर, स्कूटी सवार 55 वर्षीय व्यक्ति की मौत;

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर स्थित कल्याणपुर में शनिवार शाम तेज रफ्तार थार ने स्कूटी सवार 55 वर्षीय संतोष सिंह चौहान को जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि संतोष की मौके पर ही मौत हो गई। टक्कर के बाद अनियंत्रित थार एक मकान की चारदीवारी तोड़ते हुए बगीचे में जा घुसी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार वाहन एक महिला चला रही थी,



जिसमें दो महिलाएं और एक पुरुष सवार थे। हादसा शनिवार शाम करीब 7:30 बजे आवास विकास-3 क्षेत्र में हुआ। संतोष सिंह चौहान घर से स्कूटी लेकर निकले थे। उनके बेटे राहुल चौहान के अनुसार, पिता मां के लिए साड़ी लेकर आए थे और जल्द लौटने की बात कहकर घर से निकले थे। घर से महज 500 मीटर दूर यह हादसा हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, स्कूटी को टक्कर मारने के बाद थार प्रोफेसर कैलाश चौहान के मकान की चारदीवारी तोड़कर बगीचे में घुस गई और दूसरी संपत्ति की दीवार से भी टकरा गई। हादसे के बाद थार में सवार तीनों लोग वाहन छोड़कर मौके पर पहुंची दूसरी कार में बैठकर फरार हो गए। दुर्घटनाग्रस्त थार की नंबर प्लेट के आधार पर पुलिस ने वाहन मालिक की पहचान कृष्ण कुमार के रूप में की है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। पुलिस फरार लोगों की पहचान, महिला चालक की भूमिका और दूसरी कार के संबंध में जांच कर रही है।

अयोध्या में अब रामभक्तों पर नहीं चलेंगी लाठियां, न चलाई जाएंगी गोलियां; मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का बड़ा बयान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अयोध्या। दीपावली के अवसर पर अयोध्या पहुंचे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रामभक्तों को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि अब अयोध्या में भगवान श्रीराम का नाम लेने वाले श्रद्धालुओं पर गोलियां नहीं चलाई जाएंगी और न ही जय श्रीराम का उद्घोष करने वालों पर लाठियां बरसाई जाएंगी। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में अयोध्या की धार्मिक पहचान, सांस्कृतिक विरासत और गौरव को सुरक्षित रखने का संकल्प भी



दोहराया। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वह अयोध्या के लोगों को दीपावली की शुभकामनाएं देने आए हैं, लेकिन इस पावन अवसर पर सभी को एक मजबूत संकल्प भी लेना होगा। अयोध्या की पवित्रता और भव्यता को नुकसान पहुंचाने वाली किसी भी कोशिश को सफल नहीं होने देना है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में अयोध्या पर किसी भी बुरी नजर का साया नहीं पड़ना चाहिए। अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने रामायण के पात्र मंथरा और मारीच का उल्लेख करते हुए कहा कि अयोध्या की गरिमा और प्रतिष्ठा को प्रभावित करने वाली नकारात्मक शक्तियों से सतर्क रहना होगा। उन्होंने कहा कि ऐसी किसी भी ताकत को अयोध्या की पहचान और गौरव को दोबारा धूमिल करने का अवसर नहीं मिलना चाहिए। मुख्यमंत्री ने अयोध्या के अतीत का उल्लेख करते हुए कहा कि अब भगवान श्रीराम के भक्तों पर गोलियां नहीं चलेंगी। जय श्रीराम बोलने वाले श्रद्धालुओं पर लाठी-डंडे चलाने की हिम्मत कोई नहीं कर सकेगा। उनके इस बयान में रामभक्तों की सुरक्षा और अयोध्या की धार्मिक-सांस्कृतिक पहचान को बनाए रखने का संदेश प्रमुख रहा।

लखनऊ की हवा हुई जहरीली, 24 घंटे में 100 अंक से अधिक उछला प्रदूषण

300 के पार पहुंचा वायु गुणवत्ता सूचकांक



महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। दीपावली से पहले ही राजधानी लखनऊ की हवा जहरीली होती जा रही है। शहर में लगातार तीसरे दिन धुंध और धुएं की घनी चादर छाई रही। रविवार को दृश्यता घटकर 500 मीटर से भी कम रह गई। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार, महज 24 घंटे में वायु गुणवत्ता सूचकांक में 100 से अधिक अंकों की बढ़ोतरी हुई और यह 300 के पार पहुंच गया। हवा की गुणवत्ता बेहद खराब श्रेणी में पहुंचने से बच्चों, बुजुर्गों और सांस संबंधी बीमारियों से पीड़ित लोगों की परेशानी बढ़ गई है।

तालकटोरा बना सबसे प्रदूषित इलाका

राजधानी के औद्योगिक और घनी आबादी वाले क्षेत्रों में प्रदूषण का स्तर चिंताजनक बना हुआ है। तालकटोरा में वायु गुणवत्ता सूचकांक 304 दर्ज किया गया, जो शहर के सर्वाधिक प्रदूषित क्षेत्रों में शामिल रहा। लालबाग में यह 283 और अलीगंज में 300 के करीब पहुंच गया। इसके विपरीत गोमतीनगर में 169, कुकरैल पिकनिक स्थल पर 167 और डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय क्षेत्र में 156 सूचकांक दर्ज किया गया।

आंखों में जलन और सांस लेने में परेशानी

धुंध के कारण लोगों को आंखों में जलन, भारीपन और सांस लेने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। दिन में तेज धूप निकलने के बावजूद प्रदूषण का असर कम नहीं हुआ। लगातार बिगड़ती वायु गुणवत्ता ने दीपावली से पहले ही स्वास्थ्य संबंधी चिंताएं बढ़ा दी हैं।

बारिश की संभावना नहीं, रात में बढ़ेगी ठंड

मौसम विभाग के वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के अनुसार, तटीय क्षेत्रों में सक्रिय चक्रवाती तूफान अर्नब का प्रभाव समाप्त हो चुका है। आगामी दिनों में लखनऊ और आसपास के क्षेत्रों में बारिश की संभावना नहीं है। दिन का अधिकतम तापमान करीब 29 से 30 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है, जबकि रात का न्यूनतम तापमान 17 से 18 डिग्री के बीच रह सकता है। सुबह के समय कई इलाकों में कोहरा छाने की संभावना है। प्रदूषण के बीच मौसम में बदलाव और दीपावली के दौरान आतिशबाजी के कारण राजधानी की वायु गुणवत्ता को लेकर चिंता बनी हुई है।

अब्दुल बनेगा उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री और देश का प्रधानमंत्री भी, वारिस पठान का बड़ा दावा; बोले- अब अब्दुल न पंचर जोड़ेगा, न दरी बिछाएगा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के नेता वारिस पठान ने उत्तर प्रदेश के आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर बड़ा राजनीतिक बयान दिया है। उन्होंने मुस्लिम समुदाय के राजनीतिक प्रतिनिधित्व की वकालत करते हुए कहा कि अब मुसलमान केवल मतदाता बनकर नहीं रहेंगे, बल्कि सत्ता और नेतृत्व में भी अपनी भागीदारी सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने दावा किया कि एक दिन अब्दुल उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री और देश का प्रधानमंत्री भी बनेगा। वारिस पठान ने अमेरिका के मिशिगन राज्य में अब्दुल अल-सैयद की चुनावी सफलता का उदाहरण देते हुए कहा कि मुसलमानों को भी राजनीतिक नेतृत्व के शीर्ष पदों तक पहुंचने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने कहा कि अब्दुल चुनाव जीतकर विधानसभा पहुंचेगा और मुसलमानों के साथ-साथ गरीबों की आवाज बनेगा। वह अन्याय के खिलाफ लड़ेगा और अपने समुदाय के अधिकारों की रक्षा करेगा। उन्होंने मुस्लिम समुदाय के खिलाफ इस्तेमाल होने वाली कथित अपमानजनक



टिप्पणियों पर निशाना साधते हुए कहा कि पहले लोग ताना मारते थे कि अब्दुल पंचर बनाता है और दरी बिछाता है, लेकिन अब वही अब्दुल राजनीति में अपनी पहचान बनाएगा। उन्होंने कहा कि अब्दुल जमीन पर बैठने वाला नहीं, बल्कि राजनीतिक नेतृत्व करने वाला बनेगा। इससे पहले एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने भी उत्तर प्रदेश में मुसलमानों के राजनीतिक प्रतिनिधित्व का मुद्दा उठाया था। उन्होंने भाजपा और समाजवादी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि मुसलमानों को केवल मतदाता समझने की राजनीति अब नहीं चलेगी। ओवैसी ने भी मिशिगन में अब्दुल अल-सैयद की चुनावी सफलता का उदाहरण दिया और कहा कि मुसलमानों को जनप्रतिनिधि तथा कानून निर्माता बनने की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए

कांग्रेस और सपा पर भी साधा निशाना

वारिस पठान ने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी जैसी धर्मनिरपेक्ष पार्टियों की कार्यशैली पर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि इन दलों ने चुनाव के समय मुस्लिम समुदाय से समर्थन तो मांगा, लेकिन उसकी सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक स्थिति सुधारने के लिए पर्याप्त प्रयास नहीं किए। उन्होंने महमूद रहमान समिति और रंगनाथ मिश्रा आयोग की रिपोर्टों का हवाला देते हुए कहा कि ये रिपोर्टें मुस्लिम समुदाय के पिछड़ेपन की स्थिति को उजागर करती हैं।

बुलडोजर कार्रवाई और गिरफ्तारियों पर उठाए सवाल

पठान ने उत्तर प्रदेश में मुस्लिम परिवारों से जुड़े मामलों का उल्लेख करते हुए राजनीतिक दलों की भूमिका पर सवाल उठाए। उन्होंने पूछा कि बुलडोजर कार्रवाई से प्रभावित परिवारों और गिरफ्तार मुस्लिम नेताओं के समर्थन में कौन से नेता उनके पास पहुंचे? उन्होंने मदरसों पर हुई कार्रवाई और आजम खान की गिरफ्तारी का जिक्र करते हुए विपक्षी दलों की सक्रियता पर भी सवाल खड़े किए।

मुस्लिम आबादी को लेकर भी दिया आंकड़ों का हवाला

मुस्लिम आबादी को लेकर चल रही बहस पर वारिस पठान ने कुल प्रजनन दर के आंकड़े पेश किए। उनके अनुसार, वर्ष 1992-93 में मुस्लिम समुदाय की कुल प्रजनन दर 4.4 थी, जो 2015-16 में घटकर 2.6 और वर्ष 2021 में 2.3 रह गई। उन्होंने इन आंकड़ों के आधार पर दावा किया कि मुस्लिम समुदाय की प्रजनन दर में लगातार गिरावट आई है।

गाजियाबाद की वसुंधरा पुलिस चौकी में जोरदार धमाका, टूटे खिड़कियों के शीशे, दीवार में आई दरार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल स्थित विधायक विश्राम गृह में सुरक्षा व्यवस्था और कमरों के रखरखाव को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। यहां कांग्रेस विधायक के नाम से आवंटित कमरे में पुलिस की वर्दी पहने एक युवक और युवती कथित तौर पर आपत्तिजनक हालत में मिले। अचानक विधायक के पहुंचने पर दोनों घबरा गए और उनके सामने हाथ-पैर जोड़कर माफी मांगने लगे। इसके बाद दोनों मौके से फरार हो गए। विधायक की शिकायत पर विधानसभा सचिवालय और लोक निर्माण विभाग ने मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, महिदपुर से कांग्रेस विधायक दिनेश जैन बॉस के नाम पर विधायक विश्राम गृह के खंड क्रमांक-3 में कमरा नंबर 13 और 14



आवंटित हैं। विधायक राहुल गांधी की रैली में शामिल होने दिल्ली गए थे। दो नवंबर को लौटने के बाद दोपहर करीब तीन बजे वह अपने आवंटित कमरे में पहुंचे। वहां का दृश्य देखकर वह हैरान रह गए। कमरे में पुलिस की वर्दी पहने युवक-युवती मौजूद थे। विधायक को अचानक सामने देखकर दोनों घबरा गए। बताया जा रहा है कि दोनों उनके पैरों में गिरकर माफी मांगने लगे। हालांकि, मामला बढ़ता देख दोनों वहां से निकल गए।

केयरटेकर की भूमिका भी जांच के घेरे में

घटना के बाद सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि विधायक के नाम से आवंटित कमरे तक बाहरी लोगों की पहुंच कैसे हुई? जानकारी के अनुसार, कमरों की चाबियां केयरटेकर के पास रहती हैं और सामान्यतः सफाई के लिए ही दी जाती हैं। ऐसे में बिना अनुमति कमरे में युवक-युवती के पहुंचने को लेकर सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं। विधायक ने विधानसभा सचिवालय में इसकी शिकायत दर्ज कराई है। इसके बाद लोक निर्माण विभाग ने जांच शुरू कर दी है। विभागीय अधिकारियों ने जांच पूरी होने के बाद दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की बात कही है। फिलहाल युवक-युवती की पहचान और उन्हें कमरा उपलब्ध कराने वाले व्यक्ति की भूमिका की जांच की जा रही है।

पन्ना में खुदाई के दौरान मिली 1500 साल पुरानी श्रृंगार करती नायिका की प्रतिमा, बालों में क्लिप और गले में सात लड़ियों का हार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पन्ना। मध्य प्रदेश के पन्ना जिले के ऐतिहासिक नचना गांव में पुरातत्व विभाग की खुदाई के दौरान करीब 1500 साल पुरानी श्रृंगार करती नायिका की दुर्लभ प्रतिमा मिली है। गुप्तकालीन मानी जा रही यह कलाकृति प्राचीन भारतीय कला, संस्कृति और महिलाओं की सौंदर्य परंपराओं की अनूठी झलक प्रस्तुत करती है। धूसर बलुआ पत्थर से निर्मित करीब 20 सेंटीमीटर ऊंची इस प्रतिमा में शिल्पकार ने आभूषणों और केश सज्जा का बेहद सूक्ष्म चित्रण किया है। प्रतिमा में एक महिला को श्रृंगार करते हुए दर्शाया गया है। उसके बालों में क्लिप जैसी सजावटी वस्तु दिखाई देती है। गले में सात लड़ियों वाला हार, हाथों में कंगन और बाजुओं में बाजूबंद उकेरे गए हैं। पत्थर की सतह पर चमकदार पॉलिश भी दिखाई देती है। इन बारीकियों से उस दौर के शिल्पकारों की असाधारण कलात्मक दक्षता का पता चलता है।



गुप्तकालीन मूर्तिकला का दुर्लभ उदाहरण

पुरातत्वविद एवं भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के अधीक्षक शिवकांत बाजपेयी के अनुसार, यह प्रतिमा चौथी-पांचवीं शताब्दी की मानी जा रही है। गुप्तकालीन कला में श्रृंगार करती नायिका का ऐसा स्वरूप दुर्लभ है। भारतीय मूर्तिकला में ग्यारसपुर की 'लेडी ऑफ ग्यारसपुर' और खजुराहो संग्रहालय की 'सुखनायिका' जैसी प्रतिमाएं भी उल्लेखनीय हैं। नचना से मिली प्रतिमा को इनसे अधिक प्राचीन बताया जा रहा है।

नचना की ऐतिहासिक पहचान हुई और समृद्ध

पन्ना जिले का नचना गांव पहले से ही गुप्तकालीन स्थापत्य कला के लिए प्रसिद्ध है। यहां स्थित पार्वती मंदिर और चौमुखनाथ मंदिर ऐतिहासिक एवं धार्मिक महत्व रखते हैं। नई प्रतिमा मिलने से क्षेत्र की पुरातात्विक महत्ता और बढ़ गई है।

संग्रहालय में किया जाएगा संरक्षण

इस प्रतिमा को भविष्य में संग्रहालय में संरक्षित कर प्रदर्शित करने की योजना है। विशेषज्ञों के लिए यह खोज केवल एक प्राचीन कलाकृति नहीं, बल्कि करीब डेढ़ हजार वर्ष पहले के समाज, महिलाओं की वेशभूषा, आभूषणों और सौंदर्यबोध को समझने का महत्वपूर्ण माध्यम है। इतने लंबे समय बाद भी प्रतिमा पर श्रृंगार की बारीकियों का सुरक्षित मिलना भारतीय शिल्पकला की उत्कृष्टता को दर्शाता है।

कानपुर में दीपावली की सुबह मातम में बदली खुशियां, मकान की छत गिरने से 20 दिन के मासूम समेत तीन की मौत

महानगर मेट्रो ब्यूर

कानपुर। दीपावली की सुबह उत्तर प्रदेश के कानपुर में एक दर्दनाक हादसे ने परिवार की खुशियां छीन लीं। पनकी थाना क्षेत्र के पनकी पड़ाव इलाके में रविवार सुबह अचानक एक मकान की छत भरभराकर गिर गई। हादसे के समय परिवार के सभी सदस्य घर में सो रहे थे। छत का मलबा गिरने से चार लोग उसके नीचे दब गए। इस



दर्दनाक हादसे में सास, बहू और महज 20 दिन के मासूम की मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के अनुसार, हादसा सुबह करीब 8:30 से 9 बजे के बीच हुआ। मलबे में विनोदनी शुक्ला (60), उनकी बहू अंशिका शुक्ला (28), बेटा हर्ष शुक्ला (32) और 20 दिन का पोता आरव शुक्ला दब गए। मकान की छत गिरने की तेज आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस और राज्य आपदा मोचन बल की टीम मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों के सहयोग से बचाव अभियान चलाया गया और काफी मशक्कत के बाद चारों को मलबे से बाहर निकाला गया। सभी को तत्काल एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचाया गया। अस्पताल में चिकित्सकों ने विनोदनी शुक्ला, अंशिका शुक्ला और मासूम आरव को मृत घोषित कर दिया। वहीं हर्ष शुक्ला की हालत गंभीर बताई जा रही है। उनका उपचार जारी है। दीपावली के दिन एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत से इलाके में शोक की लहर फैल गई। जिस घर में त्योहार की तैयारियां होनी थीं, वहां मातम पसरा हुआ है।

करंट के जाल में फंसकर गई बाघ की जान! जंगल में मिला नर बाघ का शव, दो संदिग्ध हिरासत में

महानगर मेट्रो ब्यूर

बालाघाट। मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले के जंगल में एक नर बाघ की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत से वन विभाग में हड़कंप मच गया। शनिवार सुबह उत्तर सामान्य वन मंडल के पूर्व बैहर परिक्षेत्र की खुरमुंडी बीट में गुरार नाला के पास बाघ का शव मिला। प्रारंभिक जांच में बिजली का करंट लगने से मौत होने की आशंका जताई जा रही है। वन विभाग को संदेह है कि जंगली जानवरों के अवैध शिकार के लिए बिछाए गए बिजली के तारों की



चपेट में आने से बाघ की जान गई होगी। मामले में दो संदिग्धों को अभिरक्षा में लेकर पूछताछ की जा रही है। वन मंडलाधिकारी रेशम सिंह धुर्वे के अनुसार, शनिवार सुबह बीट गार्ड नियमित गश्त पर था। इसी दौरान उसे गुरार नाला के पास बाघ का शव दिखाई दिया। उसने तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों को सूचना दी। इसके बाद वन विभाग की टीम और डॉग स्क्वायड मौके पर पहुंचे तथा घटनास्थल की जांच शुरू की। डॉग स्क्वायड की मदद से घटनास्थल की पड़ताल की गई। जांच के दौरान बाघ के शरीर के सभी अंग सुरक्षित पाए गए। प्रारंभिक परिस्थितियों को देखते हुए बिजली का करंट लगने से मौत की आशंका जताई गई है।

11 साल की बेटी की आंखों के सामने पिता को पीटता रहा चाचा, मोबाइल में रिचार्ज नहीं था, मदद के लिए नहीं बुला सकी; हत्या कर घर में ही गाड़ दिया शव

महानगर मेट्रो ब्यूरो

खरगोन। मध्य प्रदेश के खरगोन जिले में रिश्तों को शर्मसार करने वाली दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। मां के कैंसर के इलाज पर होने वाले खर्च को लेकर हुए विवाद में छोटे भाई ने कथित तौर पर अपने ही बड़े भाई की डंडे से पीटकर हत्या कर दी। इसके बाद घर के एक कमरे में जमीन खोदकर शव को दफना दिया। आरोपी ने परिवार के अन्य सदस्यों को पुलिस कार्रवाई और संपत्ति छिनने का डर दिखाकर चुप रहने की धमकी दी। परिवार के सभी सदस्य खौफ में खामोश रहे, लेकिन 11 साल की मासूम बेटी ने हिम्मत दिखाते हुए गांव के सरपंच को पूरी घटना बता दी। इसके बाद पुलिस ने घर में खुदाई कर शव बरामद किया और आरोपी चाचा को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, मामला बमनाला क्षेत्र के शकरखेड़ी गांव का है। भीकनगांव के अनुविभागीय अधिकारी पुलिस केतन अडलक ने बताया कि 34 वर्षीय पूनम बारे पर अपने बड़े भाई संतोष बारे (38) की हत्या का आरोप है। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि दोनों भाइयों के बीच उनकी कैंसर पीड़ित मां के इलाज पर होने वाले खर्च को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था। उनकी मां विधवा हैं और उन्हें पारिवारिक पेंशन



मिलती है। छोटे भाई पूनम को मां के इलाज पर खर्च होने वाली रकम को लेकर आपत्ति थी।

डंडे से सिर और पैरों पर किए ताबड़तोड़ वार

पुलिस के मुताबिक, घटना 5 नवंबर की है। उस समय पूनम की पत्नी और बच्चे मायके गए हुए थे। संतोष की पत्नी भी कुछ साल पहले उसे छोड़कर जा चुकी थी। घर में पूनम, उसका बड़ा भाई संतोष, बुजुर्ग मां और संतोष के दो बच्चे मौजूद थे। इसी दौरान मां के इलाज के खर्च को लेकर दोनों भाइयों में फिर विवाद शुरू हो गया। देखते ही देखते विवाद हिंसक हो गया और पूनम ने लकड़ी के डंडे से संतोष के सिर और पैरों पर कई वार कर दिए। हमले में संतोष गंभीर रूप से घायल हो गया।

घायल भाई को कमरे में बंद कर परिवार को धमकाया

हमले के बाद आरोपी ने घायल संतोष को कमरे में बंद कर दिया। घर में मौजूद बच्चों और बुजुर्ग मां को धमकाते हुए कहा कि यदि किसी ने घटना के बारे में बाहर बताया तो पुलिस सभी को गिरफ्तार कर लेगी और घर तथा संपत्ति भी जब्त हो जाएगी। आरोपी की धमकी से पूरा परिवार डर गया। किसी ने बाहर जाकर मदद मांगने की हिम्मत नहीं जुटाई। इस घटना का सबसे दर्दनाक पहलू 11 वर्षीय बेटी शिवानी से जुड़ा है। पिता को गंभीर हालत में देखकर वह उन्हें बचाने के लिए परेशान होती रही। उसने अपनी दादी की मदद से पिता को दर्द की दवा भी दी। संतोष ने बेटी से कहा कि वह सो जाएगा, लेकिन उसकी हालत लगातार बिगड़ रही थी। शिवानी पिता के लिए चिकित्सकीय सहायता बुलाना चाहती थी, मगर उसके मोबाइल में रिचार्ज नहीं था। वह एंबुलेंस को फोन नहीं कर सकी। परिवार के दूसरे सदस्य भी आरोपी की धमकी के कारण चुप रहे। समय पर उपचार नहीं मिलने के कारण 6 नवंबर की सुबह संतोष की मौत हो गई।

घर के कमरे में ही जमीन खोदकर दफनाया शव

बड़े भाई की मौत के बाद आरोपी ने अपराध छिपाने के लिए घर के उसी कमरे में जमीन खोदी और संतोष के शव को उसमें दफना दिया। इसके बाद उसने परिवार को दोबारा धमकाया कि किसी ने मुंह खोला तो सभी को गंभीर परिणाम भुगतने पड़ेंगे। घर के भीतर ही हत्या और शव दफनाने की इस घटना से पूरा परिवार दहशत में रहा।

मासूम ने सरपंच को बताई पूरी सच्चाई, खुला हत्या का राज

पिता की मौत और चाचा की धमकियों के बावजूद शिवानी ने आखिरकार हिम्मत दिखाई। 7 नवंबर की दोपहर वह किसी तरह घर से बाहर निकली और सीधे गांव के सरपंच के पास पहुंच गई। उसने सरपंच को पिता के साथ हुई मारपीट, उनकी मौत और घर में शव दफनाने की पूरी जानकारी दी। बच्ची की बात सुनकर सरपंच ने तत्काल पुलिस को सूचना दी।

घर की खुदाई में निकला शव, आरोपी गिरफ्तार

सूचना मिलते ही पुलिस टीम शकरखेड़ी गांव पहुंची और घर में जांच शुरू की। बच्ची द्वारा बताई गई जगह पर जमीन की खुदाई कराई गई तो वहां से संतोष का शव बरामद हुआ। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा और आरोपी पूनम बारे को हिरासत में लेकर पूछताछ की। प्रारंभिक जांच के आधार पर शनिवार शाम उसे गिरफ्तार कर लिया गया। एक तरफ मां के इलाज के खर्च को लेकर भाइयों के बीच विवाद था, तो दूसरी तरफ उसी घर में एक मासूम अपनी आंखों के सामने पिता को खोने के बाद मदद के लिए तरसती रही। मोबाइल में रिचार्ज नहीं होने और परिवार पर आरोपी की धमकी का ऐसा खौफ था कि समय रहते किसी को सूचना नहीं दी जा सकी। आखिरकार 11 साल की बेटी की हिम्मत ने घर में छिपे हत्या के राज को उजागर कर दिया।

दिल्ली में जहरीली धुंध का कहर, पंजाबी बाग में वायु गुणवत्ता सूचकांक 452 पर पहुंचा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दीपावली से पहले ही राजधानी दिल्ली की हवा जहरीली होती जा रही है। प्रदूषण का स्तर लगातार खतरनाक बना हुआ है और लोगों को सांस लेने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। रविवार सुबह कई इलाकों में धुंध की मोटी चादर छाई रही। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के सुबह 6 बजे जारी आंकड़ों के अनुसार, पंजाबी बाग में वायु गुणवत्ता सूचकांक 452 दर्ज किया गया। वहीं 11 से अधिक इलाकों में प्रदूषण का स्तर 400 के पार पहुंच गया, जो गंभीर श्रेणी में आता है। आंकड़ों के अनुसार, पंजाबी बाग में सर्वाधिक 452 सूचकांक दर्ज किया गया। इसके बाद आरके पुरम में 449, आईआईटी दिल्ली में 446 और द्वारका में 444 दर्ज हुआ। मथुरा रोड पर 425, सिरीफोर्ट में 423, दिल्ली विश्वविद्यालय के उत्तरी परिसर में 423, चांदनी चौक में 417 और पूसा में 415 सूचकांक रहा। इसके अलावा बुराड़ी क्रॉसिंग में 411 और एनएसयूटी जाफरपुर में 409 दर्ज किया गया। इन सभी क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता गंभीर श्रेणी में बनी हुई है। दिल्ली के कुछ इलाकों में प्रदूषण का स्तर 400 से नीचे जरूर रहा, लेकिन वहां भी हवा की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। नरेला में 399, आईटीओ में 396 और मंदिर मार्ग पर 393 सूचकांक दर्ज किया गया। उत्तम नगर में 373, बुराड़ी में 370, तालकटोरा गार्डन और आया नगर में 369 दर्ज हुआ। वसुंधरा एन्क्लेव में 356, टिकरी कलां और बदरपुर में 349, करावला में 337 तथा लोधी रोड में 333 सूचकांक रहा। दीपावली से ठीक पहले दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण का यह स्तर लोगों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर चिंता का विषय बन गया है। विशेष रूप से बच्चों, बुजुर्गों और सांस संबंधी बीमारियों से पीड़ित लोगों पर इसका अधिक असर पड़ सकता है। ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान के तीसरे चरण की पाबंदियां लागू होने के बावजूद प्रदूषण में उल्लेखनीय कमी नहीं दिखाई दे रही है। लगातार बिगड़ती हवा ने राजधानी में स्वास्थ्य संबंधी चिंताएं बढ़ा दी हैं।



प्रतिबंधित चाइनीज मांझे ने युवक की जान, सराय काले खां फ्लाईओवर पर स्कूटी सवार की गर्दन कटी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में प्रतिबंधित चाइनीज मांझा एक बार फिर जानलेवा साबित हुआ। सराय काले खां फ्लाईओवर पर स्कूटी से जा रहे 20 वर्षीय युवक की गर्दन में मांझा उलझने से गहरा घाव हो गया। गर्दन से अत्यधिक खून बहने के कारण युवक की हालत गंभीर हो गई। उसे तत्काल सफदरजंग अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान बिहार के नालंदा निवासी आशीष कुमार के रूप में हुई है। वह दिल्ली में संचार उपकरण लगाने का काम करता था।



अचानक गर्दन में उलझा मांझा, स्कूटी से गिरे युवक

पुलिस के अनुसार, घटना 1 नवंबर की शाम करीब 5 बजे की है। आशीष अपने साथी इमरान के साथ स्कूटी पर सवार होकर हौज खास स्थित सर्वोदय एन्क्लेव जा रहा था। स्कूटी आशीष चला रहा था और इमरान पीछे बैठा था। दोनों जैसे ही सराय काले खां फ्लाईओवर से नीचे उतरने लगे, अचानक प्रतिबंधित मांझा आशीष की गर्दन में उलझ गया। धारदार मांझे से उसकी गर्दन पर गहरा कट लग गया और स्कूटी अनियंत्रित होकर गिर गई।

सड़क पर बिखरा खून, अस्पताल में हुई मौत

हादसे के बाद इमरान ने किसी तरह आशीष की गर्दन से मांझा हटाया। मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। वहां मौजूद एक व्यक्ति ने अपनी कार से घायल आशीष को अस्पताल पहुंचाने में मदद की। इसके बाद इमरान उसे सफदरजंग अस्पताल ले गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

सड़क पर मिला कांच की परत वाला मांझा

सूचना मिलने पर सनलाइट कॉलोनी थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। जांच के दौरान सड़क किनारे खड़ी स्कूटी के अगले हिस्से पर खून के निशान मिले। सड़क पर भी खून बिखरा हुआ था। स्कूटी के आगे एक काला बैग और संचार उपकरण का डिब्बा रखा मिला। पास ही कांच की परत चढ़े प्रतिबंधित मांझे जैसा धागा भी मिला। पुलिस ने 2 नवंबर को मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्रतिबंधित मांझे की चपेट में आकर एक युवा की मौत ने एक बार फिर इसकी बिक्री और इस्तेमाल पर रोक लगाने की व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

अब स्वदेशी तकनीक से नियंत्रित होंगी मेट्रो ट्रेनें, दिल्ली मेट्रो की रेड लाइन पर जल्द होगा परीक्षण

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। देश में मेट्रो रेल संचालन के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में बड़ा कदम उठाया जा रहा है। दिल्ली मेट्रो रेल निगम ने विदेशी तकनीक पर निर्भरता कम करने के लिए स्वदेशी संचार आधारित रेल नियंत्रण प्रणाली (आई-सीबीटीसी) विकसित करने के सभी प्रमुख चरण पूरे कर लिए हैं। अब इस तकनीक का परीक्षण दिल्ली मेट्रो की रेड लाइन पर किया जाएगा। परीक्षण सफल रहने पर भविष्य में फेज-4 के एयरोसिटी-तुगलकाबाद गलियारे में पहली बार इसका इस्तेमाल किया जा सकता है।



रेड लाइन पर पांच किलोमीटर में होगा परीक्षण

दिल्ली मेट्रो की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, नई प्रणाली की तकनीकी आवश्यकताएं और मानक तैयार किए जा चुके हैं। इसके विभिन्न उप-तंत्रों के नमूने बनाकर प्रयोगशाला में परीक्षण भी किया गया है। अब वास्तविक परिस्थितियों में इसकी कार्यक्षमता जांचने की तैयारी है। इसके लिए शास्त्री पार्क से शाहदरा के बीच करीब पांच किलोमीटर के हिस्से में उपकरण लगाए जाएंगे। इस दौरान प्रणाली की कार्यक्षमता और सुरक्षा मानकों का परीक्षण किया जाएगा। स्वदेशी संचार आधारित रेल नियंत्रण प्रणाली को दिल्ली मेट्रो रेल निगम, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड और अनुसंधान अभिकल्प एवं मानक संगठन मिलकर विकसित कर रहे हैं। इसका उद्देश्य आधुनिक रेल नियंत्रण तकनीक का देश में ही विकास करना और विदेशी प्रणालियों पर निर्भरता घटाना है। संचार आधारित रेल नियंत्रण प्रणाली आधुनिक संकेत एवं नियंत्रण तकनीक है। इसमें मेट्रो ट्रेन और नियंत्रण केंद्र के बीच लगातार संचार बना रहता है। इसके माध्यम से ट्रेन की वास्तविक स्थिति, गति और दूसरी ट्रेनों से उसकी दूरी की निगरानी की जाती है। इससे ट्रेनों के संचालन को अधिक सुरक्षित और व्यवस्थित बनाने में मदद मिलती है। फिलहाल दिल्ली मेट्रो की मजेंटा और पिंक लाइन पर संचार आधारित रेल नियंत्रण तकनीक का इस्तेमाल हो रहा है, जबकि अन्य गलियारों में स्वचालित रेल पर्यवेक्षण प्रणाली कार्यरत है। नई स्वदेशी तकनीक का परीक्षण सफल होने पर दिल्ली मेट्रो के पुराने और नए गलियारों में इसके विस्तार का रास्ता खुल सकता है।

मुंबई लोकल में मामूली विवाद ने लिया खतरनाक रूप, दरवाजे पर जमकर चले लात-घूंसे; मारपीट के बीच चलती ट्रेन से नीचे गिरा यात्री

कम रफ्तार के कारण टला बड़ा हादसा, मारपीट का वीडियो प्रसारित होने से लोकल की सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। मुंबई की लाइफलाइन कही जाने वाली लोकल ट्रेन में सफर के दौरान यात्रियों की जान कितनी जोखिम में है, इसका एक और खौफनाक उदाहरण सामने आया है। दरवाजे पर खड़े होने जैसी मामूली बात को लेकर शुरू हुआ विवाद देखते ही देखते खूनी हादसे की आशंका में बदल गया। चर्चगेट से विरार जा रही तेज लोकल ट्रेन में यात्रियों के बीच जमकर लात-घूंसे चले। इसी दौरान मारपीट की चपेट में आया एक यात्री संतुलन खो बैठा और चलती ट्रेन से नीचे जा गिरा। गनीमत रही कि उस वक्त ट्रेन मुंबई सेंट्रल स्टेशन के प्लेटफॉर्म से गुजर रही थी और उसकी रफ्तार कम थी, वरना बड़ा हादसा हो सकता था। घटना गुरुवार रात करीब 10:30 बजे ग्रांट रोड और मुंबई सेंट्रल रेलवे स्टेशन के बीच हुई। जानकारी के अनुसार, ट्रेन के दरवाजे पर खड़े होने को लेकर दो यात्रियों के बीच कहासुनी शुरू हुई थी। देखते ही देखते दोनों के बीच विवाद बढ़ गया और हाथापाई शुरू हो गई। चलती ट्रेन के दरवाजे पर हुई इस मारपीट के दौरान एक यात्री अपना संतुलन नहीं संभाल पाया और नीचे गिर गया। घटना के अचानक हुए घटनाक्रम से ट्रेन में सवार यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। किसी ने मारपीट रोकने की कोशिश की तो कोई यात्री के नीचे गिरने से घबरा गया। घटना का वीडियो भी सामने आया है, जो सामाजिक माध्यमों पर तेजी से प्रसारित हो रहा है। भीड़, धक्का-मुक्की और आपसी विवाद मुंबई लोकल के सफर की बड़ी चुनौती बने हुए हैं। रोजाना लाखों यात्री इन ट्रेनों में सफर करते हैं, लेकिन चलती ट्रेन के दरवाजे पर मामूली बात को लेकर मारपीट होना सुरक्षा व्यवस्था के साथ-साथ यात्रियों के व्यवहार पर भी गंभीर सवाल खड़े करता है। इस बार कम रफ्तार ने एक यात्री की जान बचा ली, लेकिन सवाल यह है कि क्या किसी बड़े हादसे के बाद ही ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सख्त कदम उठाए जाएंगे? इस घटना ने मुंबई लोकल में यात्रियों की सुरक्षा व्यवस्था और भीड़ के बीच होने वाले विवादों को रोकने के इंतजामों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। रोजाना लाखों यात्री अपनी मंजिल तक पहुंचने के लिए लोकल ट्रेनों पर निर्भर रहते हैं, ऐसे में चलती ट्रेन के दरवाजे पर मारपीट होना बेहद चिंताजनक है। मामूली कहासुनी का इस तरह हिंसक रूप लेना न केवल यात्रियों की लापरवाही को उजागर करता है, बल्कि दूसरों की जान को भी खतरे में डालता है। इस बार ट्रेन की कम रफ्तार के कारण बड़ा हादसा टल गया, लेकिन यदि यही घटना तेज रफ्तार या खुले ट्रैक के बीच होती तो परिणाम बेहद भयावह हो सकते थे। रेलवे प्रशासन के साथ यात्रियों को भी समझना होगा कि कुछ पल का गुस्सा किसी की जिंदगी पर भारी पड़ सकता है।



150 करोड़ रुपये की साइबर ठगी का मामला: 2,805 खतरनाक एपीके फाइलें बनाने वाला सॉफ्टवेयर इंजीनियर जमानत पर रिहा, 9,600 से अधिक लोग बने थे शिकार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। देशभर में करीब 150 करोड़ रुपये की साइबर ठगी के मामले में गिरफ्तार इंदौर के 36 वर्षीय सॉफ्टवेयर इंजीनियर पंकज अवधेश लाल गुप्ता को मुंबई की एस्प्लेनेड मजिस्ट्रेट अदालत ने जमानत दे दी है। आरोपी पर साइबर अपराधियों के लिए हजारों खतरनाक मोबाइल फाइलें तैयार करने और उन्हें ठगी करने वाले गिरोहों को बेचने का आरोप है। पुलिस की जांच में सामने आया था कि आरोपी ने कथित तौर पर 2,805 दुर्भावनापूर्ण एपीके फाइलें तैयार की थीं, जिनका इस्तेमाल देशभर में लोगों को ऑनलाइन ठगी का शिकार बनाने के लिए किया गया। मुंबई पुलिस की अपराध शाखा की संपत्ति प्रकोष्ठ इकाई ने इस मामले में पंकज गुप्ता को गिरफ्तार किया था। जांच एजेंसियों के अनुसार, आरोपी द्वारा तैयार की गई इन फाइलों का इस्तेमाल अलग-अलग साइबर अपराधी गिरोहों ने लोगों के मोबाइल फोन और उनकी निजी जानकारियों को निशाना बनाने के लिए किया। इन फाइलों के माध्यम से संचालित साइबर ठगी के नेटवर्क ने कथित तौर पर करीब 150 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी को अंजाम दिया। इस पूरे मामले में 9,600 से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। पुलिस की जांच में आरोप लगाया गया कि सॉफ्टवेयर इंजीनियर पंकज गुप्ता तकनीकी जानकारी का इस्तेमाल साइबर अपराधियों की मदद के लिए कर रहा था। वह कथित तौर पर ठगी के लिए इस्तेमाल होने वाली एपीके फाइलें तैयार कर उन्हें जमीनी स्तर पर सक्रिय साइबर अपराधियों और उनके गिरोहों को बेचता था। इसके बदले वह प्रत्येक फाइल के लिए 20 हजार से 25 हजार रुपये तक वसूलता था। जांच एजेंसियों का मानना है कि इन फाइलों के जरिए साइबर अपराधी लोगों को अलग-अलग तरीकों से निशाना बनाते थे। मोबाइल में ऐसी फाइल स्थापित होने के बाद उपयोगकर्ता की निजी जानकारी और डिजिटल गतिविधियों के दुरुपयोग का खतरा पैदा हो सकता था। पुलिस इन फाइलों के तकनीकी स्वरूप, उनके इस्तेमाल और उनसे जुड़े साइबर अपराधी गिरोहों के नेटवर्क की पड़ताल कर रही है। मुंबई पुलिस की अपराध शाखा ने तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपी की भूमिका की जांच की थी। गिरफ्तारी के बाद आरोपी की ओर से अदालत में जमानत याचिका प्रस्तुत की गई। एस्प्लेनेड मजिस्ट्रेट अदालत ने सुनवाई के बाद उसे जमानत प्रदान कर दी। जमानत मिलने के बावजूद मामले की जांच और आरोपी के विरुद्ध कानूनी कार्यवाही समाप्त नहीं हुई है। पुलिस के सामने अब इन 2,805 फाइलों का इस्तेमाल करने वाले साइबर अपराधियों, ठगी की रकम के लेनदेन और प्रभावित लोगों से जुड़े साक्ष्यों की पड़ताल करना महत्वपूर्ण है। यह मामला साइबर अपराधों में तकनीकी विशेषज्ञता के कथित दुरुपयोग और संगठित ऑनलाइन ठगी के बड़े नेटवर्क की ओर संकेत करता है।



संजय राउत का पीएम मोदी और अमित शाह पर हमला, बोले- सत्ता मिलते ही आडवाणी को कबाड़खाने में डाल दिया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के सांसद संजय राउत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधते हुए भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी की उपेक्षा किए जाने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि जिस नेता ने भाजपा को सत्ता के शिखर तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, सत्ता मिलने के बाद उसी नेता को हाशिए पर धकेल दिया गया। राउत ने तंज कसते हुए कहा कि मोदी और शाह ने आडवाणी को एक तरह से गोदाम में डाल दिया और कबाड़खाने में फेंक दिया। यह भाजपा के मौजूदा नेतृत्व की कार्यशैली और राजनीतिक चरित्र को दर्शाता है। राउत ने कहा कि भाजपा दिल्ली की सत्ता तक आडवाणी की रथयात्रा के सहारे पहुंची है। राम मंदिर आंदोलन को देशव्यापी पहचान दिलाने में आडवाणी की महत्वपूर्ण भूमिका रही। यदि उनकी अयोध्या रथयात्रा और कारसेवा का अभियान नहीं होता तो राम मंदिर आंदोलन को वह राजनीतिक और राष्ट्रीय पहचान नहीं मिलती, जो आगे चलकर मिली। संजय राउत ने कहा कि भाजपा को खड़ा करने और उसे राजनीतिक ऊंचाइयों तक पहुंचाने वाले नेताओं को आज भुला दिया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्ता में आने के बाद मोदी और शाह ने आडवाणी को पूरी तरह किनारे कर दिया। राउत के अनुसार, आज प्रधानमंत्री मोदी जिस सत्ता का आनंद ले रहे हैं, उसके पीछे आडवाणी के वर्षों के राजनीतिक संघर्ष और राम मंदिर आंदोलन का बड़ा योगदान है। राउत ने आडवाणी के साथ अपने पुराने संबंधों का उल्लेख करते हुए कहा कि उनके बालासाहेब ठाकरे और उद्धव ठाकरे के साथ बेहद अच्छे संबंध थे। आडवाणी ने लंबे समय तक राजनीति में सक्रिय रहते हुए कई नेताओं को मार्गदर्शन दिया। राउत ने बताया कि बालासाहेब ठाकरे के साथ वे राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा करते थे। उद्धव ठाकरे भी दिल्ली स्थित उनके आवास पर उनसे मिलने जाते थे और उनके साथ समय बिताते थे। संजय राउत ने अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का उल्लेख करते हुए आरोप लगाया कि जिस नेता ने राम मंदिर आंदोलन को पहचान दिलाई, उसे ही इस ऐतिहासिक आयोजन से दूर रखा गया। उन्होंने कहा कि आडवाणी ने अपनी रथयात्रा के माध्यम से राम मंदिर आंदोलन को व्यापक स्वरूप दिया था, लेकिन वर्तमान नेतृत्व के दौर में उन्हें राजनीतिक रूप से हाशिए पर रखा गया। राउत ने आडवाणी को लौह पुरुष बताते हुए कहा कि वह किसी के इशारों पर चलने वाले नेता नहीं थे। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा अखिलेश यादव से राम मंदिर में पूजा से पहले माफी मांगने की बात कहे जाने पर भी राउत ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि सबसे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को माफी मांगनी चाहिए। राउत ने सवाल उठाया कि यदि मुलायम सिंह यादव पर कारसेवकों पर गोली चलवाने का आरोप लगाया जाता रहा है, तो बाद में उन्हें पद्म विभूषण से सम्मानित क्यों किया गया? उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव उसी मुलायम सिंह यादव के बेटे हैं, जिन्हें भाजपा सरकार ने यह सम्मान दिया। राउत ने कहा कि भगवान श्रीराम सभी के हैं और उन्हें किसी एक राजनीतिक दल से जोड़ना उचित नहीं है। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को भगवान राम के साथ दर्शाने वाले पोस्टरों पर भी आपत्ति जताई। उनके अनुसार, भगवान राम को किसी राजनीतिक दल या व्यक्ति से जोड़कर प्रस्तुत करना धार्मिक भावनाओं के लिहाज से उचित नहीं है। संजय राउत के इन बयानों के बाद भाजपा नेतृत्व, लालकृष्ण आडवाणी की राजनीतिक भूमिका और राम मंदिर आंदोलन के श्रेय को लेकर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है।



मोबाइल में मिलीं 20 हजार से अधिक आपत्तिजनक तस्वीरें और वीडियो, बच्चों के यौन शोषण से जुड़ी सामग्री रखने के आरोप में 49 वर्षीय व्यक्ति गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। महाराष्ट्र में ऑनलाइन बाल यौन शोषण से जुड़े मामले में साइबर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए मुंबई के मालाड पश्चिम से 49 वर्षीय सैफुद्दीन जमीरुद्दीन मलिक को गिरफ्तार किया है। आरोपी के मोबाइल फोन की जांच के दौरान 20 हजार से अधिक तस्वीरें और वीडियो मिले हैं। पुलिस को आशंका है कि इन डिजिटल फाइलों में बच्चों के यौन शोषण और दुर्व्यवहार से संबंधित सामग्री मौजूद है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अब इन फाइलों के स्रोत, उनके संग्रह और संभावित ऑनलाइन प्रसार की जांच कर रही है। महाराष्ट्र साइबर विभाग के अनुसार, ऑनलाइन मंचों की लगातार निगरानी और खुफिया सूचनाओं के आधार पर पुलिस को एक व्यक्ति के बारे में जानकारी मिली थी। आरोप था कि वह बच्चों के यौन शोषण से जुड़ी सामग्री डाउनलोड कर अपने इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों में जमा कर रहा है। सूचना मिलने के बाद साइबर पुलिस की टीम ने तकनीकी जांच और विशेष साइबर निगरानी उपकरणों की सहायता से संदिग्ध की पहचान की। उसकी पहचान मालाड पश्चिम निवासी सैफुद्दीन जमीरुद्दीन मलिक (49) के रूप में हुई। प्रारंभिक जांच के बाद नोडल साइबर पुलिस थाने में प्राथमिकी दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के मुताबिक, आरोपी के मोबाइल उपकरण की जांच में 20 हजार से अधिक तस्वीरें और वीडियो मिले हैं। इनमें बच्चों के यौन शोषण और दुर्व्यवहार से संबंधित सामग्री होने की आशंका है। फिलहाल इन सभी डिजिटल फाइलों की विस्तृत तकनीकी और फॉरेंसिक जांच की जा रही है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपी ने यह सामग्री किन माध्यमों से प्राप्त की थी और कितने समय से उसे अपने मोबाइल में संग्रहित कर रहा था। इसके साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि क्या आरोपी ने इस सामग्री को किसी अन्य व्यक्ति या ऑनलाइन मंच के माध्यम से साझा अथवा प्रसारित किया था। मामले में अन्य संभावित लोगों की भूमिका भी खंगाली जा रही है। महाराष्ट्र साइबर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 294, लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम 2012 की धारा 15 और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम 2000 की धारा 67(बी) के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई कर रही है। महाराष्ट्र साइबर विभाग के अनुसार, बच्चों के ऑनलाइन शोषण से जुड़े मामलों पर कार्रवाई के लिए सीसीपीडब्ल्यूसी, ओसीडब्ल्यूसी और ट्रेस जैसी विशेष इकाइयां काम कर रही हैं। विभाग का दावा है कि अब तक 5.67 लाख से अधिक साइबर हेल्पलाइन शिकायतों और बाल यौन शोषण से संबंधित 31 हजार ऑनलाइन शिकायतों पर कार्रवाई की जा चुकी है। विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि बच्चों के यौन शोषण से संबंधित किसी भी सामग्री को डाउनलोड करने, संग्रहित करने, साझा करने या प्रसारित करने से बचें। ऐसी किसी संदिग्ध डिजिटल गतिविधि की जानकारी मिलने पर तत्काल पुलिस को सूचित करें। पुलिस का कहना है कि बच्चों के विरुद्ध ऑनलाइन अपराधों में संलिप्त पाए जाने वालों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।



दीपावली की सुबह दिल्ली में तीन मंजिला इमारत में भीषण आग, 15 लोगों ने पड़ोसी मकान में कूदकर बचाई जान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दीपावली की सुबह राजधानी दिल्ली के उत्तम नगर इलाके में एक तीन मंजिला इमारत में भीषण आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते पूरी इमारत धुएं और लपटों से घिर गई। इमारत की ऊपरी मंजिलों पर सो रहे करीब 15 लोगों की जान पर बन आई। अपनी जान बचाने के लिए सभी छत के रास्ते पड़ोसी मकान में कूद गए। गनीमत रही कि समय रहते सभी लोग सुरक्षित बाहर निकलने में कामयाब रहे और कोई जनहानि नहीं हुई। जानकारी के अनुसार, घटना रविवार सुबह करीब 7 बजे द्वारका जिले के उत्तम नगर थाना क्षेत्र में हुई। प्रारंभिक आशंका है कि इमारत की भूतल स्थित वाहन खड़े करने की जगह पर लगे बिजली के मीटर में तारों के आपस में टकराने से आग लगी। देखते ही देखते आग बिजली के तारों और पानी के मीटर के मंडल तक फैल गई। आग ने सबसे पहले पार्किंग में खड़ी बुलेट मोटरसाइकिल को अपनी चपेट में लिया। इसके बाद स्कूटी और अन्य कारों में भी आग लग गई। आग की लपटें नीचे से ऊपर की मंजिलों तक पहुंचने लगीं। कुछ ही देर में पहली, दूसरी और तीसरी मंजिल धुएं से भर गई। इस दौरान आग की चपेट में आए वाहनों से धमाके जैसी आवाजें भी सुनाई दीं। इमारत में मौजूद लोगों को जैसे ही आग और धुएं का पता चला, उन्होंने बाहर निकलने का प्रयास किया। नीचे का रास्ता आग की लपटों से घिरने के कारण करीब 15 लोग छत पर पहुंच गए। इसके बाद उन्होंने पड़ोस के मकान में छलांग लगाकर अपनी जान बचाई। सुबह करीब 7:30 बजे अग्निशमन विभाग को घटना की सूचना दी गई। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की तीन गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। दमकलकर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हादसे में कई वाहन जलकर राख हो गए और इमारत को भी नुकसान पहुंचा। राहत की बात यह रही कि घटना में किसी की मौत या घायल होने की सूचना नहीं है। दीपावली के दिन हुए इस अग्निकांड ने रिहायशी इमारतों में बिजली के मीटरों, तारों और वाहन खड़े करने की जगहों की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। फिलहाल आग लगने के वास्तविक कारणों की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी।



यूपीएससी और केबीसी में नाकामी, कारोबार में डूबा लाखों का कर्ज; फिर ज्वेलरी दुकानों को बनाया निशाना, 5 लाख की सोने की चेन चोरी में गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। जिंदगी में लगातार मिली असफलताओं और कारोबार में हुए भारी नुकसान के बाद एक व्यक्ति के अपराध की राह पर चलने का मामला सामने आया है। मुंबई की कांदिवली पुलिस ने करीब पांच लाख रुपये की सोने की चेन चोरी करने के आरोप में 42 वर्षीय सतीश कुमार कृष्ण प्रसाद केसरी को गिरफ्तार किया है। आरोपी कंप्यूटर विज्ञान से स्नातक है और कौन बनेगा करोड़पति के आठवें सत्र में भी प्रतिभागी रह चुका है। बताया जा रहा है कि संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा में असफलता, केबीसी में आगे नहीं बढ़ पाने और कारोबार में नुकसान के कारण वह कर्ज में डूब गया था। कर्ज चुकाने के लिए उसने कथित तौर पर आभूषण की दुकानों को निशाना बनाना शुरू कर दिया। पुलिस के अनुसार, बिहार निवासी सतीश काम की तलाश में दिल्ली आया था। यहां उसने अलग-अलग काम करते हुए संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा की तैयारी की, लेकिन उसे सफलता नहीं मिली। इसके बाद उसने कौन बनेगा करोड़पति में अपनी किस्मत आजमाई। वह अंतिम चरण के लिए चुने गए 10 प्रतिभागियों में शामिल हुआ, लेकिन सबसे तेज उंगली पहले दौर से आगे नहीं बढ़ सका। इसके बाद आरोपी ने अपनी पत्नी के साथ पर्यटन और यात्रा संबंधी कारोबार शुरू किया। इसके लिए उसने कर्ज लेकर चार से पांच गाड़ियां खरीदीं और उन्हें किराये पर चलाया, लेकिन कारोबार में भारी नुकसान होने से वह आर्थिक संकट में घिर गया। पुलिस के मुताबिक, कर्ज चुकाने के लिए उसने चोरी का रास्ता अपना लिया। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी पहले ग्राहक बनकर आभूषण की दुकानों में जाता था। दुकानदार से अलग-अलग गहने दिखाने को कहता और उन्हें देखने के बहाने मौका मिलते ही आभूषण लेकर फरार हो जाता था। इसी तरीके से उसने 15 नवंबर 2025 को कांदिवली पश्चिम के मथुरादास रोड स्थित पद्मावती ज्वेलर्स को निशाना बनाया। यहां से वह 43.2 ग्राम वजन की सोने की चेन लेकर फरार हो गया था। चोरी की गई चेन की कीमत करीब पांच लाख रुपये बताई गई है। वारदात के बाद आरोपी ने पुलिस से बचने के लिए फर्जी आधार कार्ड का इस्तेमाल किया। जिस छात्रावास में वह ठहरा था, वहां भी उसने गलत पहचान संबंधी जानकारी दी थी। इसके अलावा उसने जो मोबाइल नंबर उपलब्ध कराया था, वह भी बंद मिला। इससे पुलिस की जांच में परेशानी आई। कांदिवली पुलिस ने घटनास्थल और आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। तकनीकी जांच के जरिए आरोपी से जुड़े एक मोबाइल नंबर का पता लगाया गया। इसके बाद पुलिस की टीम दिल्ली के उत्तम नगर पहुंची और 28 अक्टूबर 2026 को उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी की सोने की चेन भी बरामद कर ली है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, पूछताछ के दौरान आरोपी ने चोरी की वारदात में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। साथ ही दिंडोशी पुलिस थाने के क्षेत्र में हुई इसी तरह की एक अन्य चोरी में भी उसकी भूमिका सामने आने की बात कही जा रही है। फिलहाल आरोपी पुलिस हिरासत में है और उससे अन्य वारदातों तथा चोरी के सामान के संबंध में पूछताछ की जा रही है।



mahangarmetro.com
महानगर मेट्रो

अमेरिका में दिवाली मना रहे भारतीयों के कार्यक्रम में घुसे ट्रम्प समर्थक, लगाए देश से निकालने के नारे

प्रदर्शनकारियों के पोस्टरों पर लिखा था- सभी भारतीयों को बाहर निकालो; भारतीय मूल की सांसद प्रमिला जयपाल ने जताई नाराजगी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सिएटल। अमेरिका में मध्यावधि चुनाव के बाद भारतीय समुदाय के खिलाफ नफरत और विरोध का मामला सामने आया है। सिएटल में दिवाली मना रहे भारतीय समुदाय के एक सांस्कृतिक कार्यक्रम में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के समर्थक पहुंच गए और भारतीयों के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। प्रदर्शनकारियों के हाथों में पोस्टर थे, जिन पर लिखा था, 'सभी भारतीयों को देश से निकालो' और 'हिंदू ईसाइयों की जगह ले रहे हैं।' इस घटना से कार्यक्रम में मौजूद लोगों में नाराजगी फैल गई। बताया गया कि प्रदर्शनकारी मध्यावधि चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी की हार के लिए भारतीय समुदाय को जिम्मेदार ठहरा रहे थे। जिस समय यह घटना हुई, उस समय कार्यक्रम में बच्चे सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दे रहे थे। वहां मौजूद लोगों ने प्रदर्शनकारियों का विरोध किया और उन्हें कार्यक्रम स्थल से बाहर कर दिया। भारतीय मूल की अमेरिकी सांसद प्रमिला जयपाल ने घटना पर कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि दिवाली एक महत्वपूर्ण त्योहार है और हिंदू समुदाय को बिना किसी डर के इसे मनाने का अधिकार है। उनके अनुसार, शहर और देश में नफरत फैलाने वाली ऐसी गतिविधियों के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए। प्रदर्शनकारियों में शामिल जैक लैंग नामक व्यक्ति ने कार्यक्रम से बाहर किए जाने के बाद हिंदू समुदाय पर ही आरोप लगाए। उसने दावा किया कि हिंदुओं ने टेक्सास में डेमोक्रेटिक पार्टी को चुनाव जिताने में मदद की है। उसने इंटरनेट माध्यम एक्स पर लिखा कि दिवाली कार्यक्रम में एंटीफा और हिंदू समुदाय के लोगों ने उस पर तथा उसके साथियों पर हमला किया। उसने मारपीट करने और उसका झंडा तोड़ने का भी आरोप लगाया। हालांकि इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। कार्यक्रम के बाहर लैंग ने कहा कि वे टेक्सास और वॉशिंगटन में ईसाइयों की जगह हिंदुओं के बढ़ते प्रभाव के विरोध में प्रदर्शन कर रहे थे। जैक लैंग अमेरिका का दक्षिणपंथी कार्यकर्ता है और ट्रम्प का समर्थक माना जाता है। वह 'व्हाइट रिप्लेसमेंट' नामक संगठन चलाता है। छह जनवरी 2021 को अमेरिकी संसद भवन कैपिटल पर ट्रम्प समर्थकों के हमले के दौरान भी वह शामिल था। इस मामले में उस पर पुलिसकर्मियों के साथ मारपीट सहित कई आरोप लगे थे और वह करीब चार साल जेल में रहा। जनवरी 2025 में राष्ट्रपति बनने के बाद डोनाल्ड ट्रम्प ने उसे माफी दे दी थी। इसके बाद भी लैंग प्रवासियों, मुस्लिमों और अन्य समुदायों के खिलाफ कई प्रदर्शनों में शामिल रहा है। वर्ष 2026 में उसने फ्लोरिडा से रिपब्लिकन पार्टी के टिकट पर अमेरिकी सीनेट का चुनाव लड़ने का प्रयास भी किया था। इस घटना ने अमेरिका में भारतीय समुदाय की सुरक्षा और धार्मिक स्वतंत्रता को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े कर दिए हैं।



पंजाब पुलिस की बड़ी कार्रवाई, इथियोपिया से गैंगस्टर गुरविंदर उर्फ अफरीदी को भारत लाया गया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

चंडीगढ़। पंजाब पुलिस की एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स ने बड़ी कार्रवाई करते हुए डोनी बल और प्रभ दासूवाल गिरोह के प्रमुख सरगना गुरविंदर उर्फ अफरीदी को इथियोपिया से भारत लाने में सफलता हासिल की है। आरोपी को इथियोपिया से निर्वासित कर भारत लाया गया है। यह कार्रवाई पंजाब पुलिस की विदेश में फरार अपराधियों की तलाश और प्रत्यर्पण इकाई तथा केंद्रीय एजेंसियों के सहयोग से की गई। पंजाब के पुलिस महानिदेशक गौरव यादव के अनुसार, आरोपी विदेश भागने के लिए फर्जी दस्तावेजों का इस्तेमाल कर रहा था। उसने उत्तर प्रदेश के गोरखपुर स्थित फर्जी पते के आधार पर पासपोर्ट बनवाया था। इसके अलावा मेक्सिको का पासपोर्ट हासिल करने और स्वयं को वहां का नागरिक बताने की भी कोशिश की थी। पुलिस के मुताबिक, किसी अफ्रीकी देश से पहली बार किसी आरोपी को निर्वासित कर भारत लाया गया है। पुलिस ने ऑपरेशन शहीद के तहत करीब 10 महीने तक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आरोपी की तलाश की। आरोप है कि विदेश में बैठकर वह पंजाब में लक्षित हत्याओं, फिरौती के लिए गोलीबारी और संगठित आपराधिक गतिविधियों को निर्देशित कर रहा था। आरोपी की गिरफ्तारी में मददगार सूचना देने वाले के लिए पंजाब सरकार ने पांच लाख रुपये का इनाम भी घोषित किया था। बताया गया है कि वह करीब 30 आपराधिक मामलों में वांछित था। पुलिस महानिदेशक के अनुसार, गुरविंदर ने 12 फरवरी 2025 को विजेंद्र सिंह के नाम से गोरखपुर के पते पर उत्तर प्रदेश के पासपोर्ट कार्यालय से पासपोर्ट बनवाया था। इसी फर्जी पासपोर्ट के आधार पर वह 31 मार्च 2025 को भारत से विदेश फरार हो गया था। उसकी विदेश यात्रा और पासपोर्ट से संबंधित जानकारी मिलने के बाद पुलिस तथा केंद्रीय एजेंसियों ने उसकी तलाश तेज कर दी। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगातार निगरानी और समन्वय के बाद उसे इथियोपिया में पकड़ा गया और भारत वापस लाया गया।

हिमाचल में 10 नवंबर से बदलेगा मौसम, ऊंचे इलाकों में बारिश और बर्फबारी के आसार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

शिमला। हिमाचल प्रदेश में मौसम एक बार फिर करवट लेने वाला है। पिछले कुछ दिनों से प्रदेश में मौसम साफ और शुष्क बना हुआ है, लेकिन आगामी दिनों में बारिश और बर्फबारी के कारण ठंड का असर बढ़ सकता है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के पूर्वानुमान के अनुसार, 10 नवंबर से पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने की संभावना है। इसके प्रभाव से प्रदेश के कई हिस्सों में मौसम बदल सकता है। मौसम विभाग के अनुसार, 10 और 11 नवंबर को प्रदेश के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में कहीं-कहीं हल्की बारिश और बर्फबारी हो सकती है। चंबा, कांगड़ा, कुल्लू, किन्नौर और लाहौल-स्पीति के ऊपरी इलाकों में इसका अधिक असर देखने को मिल सकता है। वहीं, 12 और 13 नवंबर को मौसमी गतिविधियां और बढ़ने का अनुमान है। इस दौरान कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश तथा ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी होने की संभावना है। इन दो दिनों में गरज-चमक और बिजली गिरने की आशंका भी जताई गई है। फिलहाल अगले दो से तीन दिनों तक प्रदेश के मैदानी और मध्य पर्वतीय क्षेत्रों में मौसम साफ रहने की संभावना है। दिन में धूप खिलने से राहत मिलेगी, लेकिन सुबह और शाम के समय तापमान गिरने से ठंड महसूस हो रही है। प्रदेश के जनजातीय क्षेत्र लाहौल-स्पीति के कुकुमसेरी में न्यूनतम तापमान शून्य से 2.5 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया। दूसरी ओर मैदानी क्षेत्र ऊना में अधिकतम तापमान 33 डिग्री सेल्सियस रहा। मौसम विभाग के अनुसार अगले दो से तीन दिनों तक तापमान में विशेष बदलाव नहीं होगा, लेकिन इसके बाद अधिकतम और न्यूनतम तापमान में 2 से 5 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट आ सकती है।

दिवाली पर फूलों से महका रायपुर का फूल चौक, 18 ट्रकों में पहुंची 1500 क्विंटल फूलों की खेप



महानगर मेट्रो ब्यूरो

रायपुर। दिवाली के त्योहार पर बाजारों में रंग-बिरंगी झालरों और आकर्षक रोशनी के साथ फूलों की खुशबू भी उत्सव की रौनक बढ़ा रही है। घरों के दरवाजों, आंगन, पूजा स्थलों और मंदिरों की सजावट के लिए फूलों की मांग बढ़ गई है। इसी मांग को देखते हुए राजधानी रायपुर के फूल चौक में इस बार बड़ी मात्रा में फूलों की खेप पहुंची है। बाजार में कुल 18 ट्रकों के माध्यम से करीब 1500 क्विंटल फूल बिक्री के लिए लाए गए हैं। इनमें 15 ट्रक गेंदे के फूलों से भरे हैं, जबकि तीन ट्रकों में सेवंती, गुलाब और अन्य किस्मों के फूल शामिल हैं। बाजार में सबसे अधिक मांग गेंदे के फूलों की बनी हुई है। इसके बाद पूजा के लिए कमल के फूल खरीदे जा रहे हैं। व्यापारियों के अनुसार, अधिकांश फूल कोलकाता और बेंगलुरु से मंगाए गए हैं, जबकि कमल के फूलों की आपूर्ति छत्तीसगढ़ के विभिन्न क्षेत्रों से की जा रही है। दिवाली की खरीदारी के चलते फूल चौक में सुबह से ही ग्राहकों की भीड़ जुट रही है। दुकानों पर गेंदे की मालाएं, खुले फूल और विभिन्न किस्मों के फूल आकर्षक ढंग से सजाए गए हैं।

दिवाली की सुबह मकान की छत ढही, सास-बहू और 20 दिन के मासूम की मौत

कच्चे कमरे में बैठे परिवार के चार लोग मलबे में दबे, मां ने आखिरी सांस तक बच्चे को सीने से लगाए रखा; पति को मामूली चोट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कानपुर। दिवाली की सुबह कानपुर में एक परिवार की खुशियां मातम में बदल गईं। पनकी थाना क्षेत्र के पनकी पड़ाव इलाके में रविवार सुबह करीब साढ़े आठ से नौ बजे के बीच एक पुराने मकान के कमरे की छत अचानक भरभराकर गिर गई। हादसे में मलबे के नीचे दबकर सास, बहू और 20 दिन के मासूम बच्चे की मौत हो गई, जबकि बहू का पति घायल हो गया। हादसे के समय कमरे में विनोदनी शुक्ला (60), उनका बेटा हर्ष शुक्ला (32), बहू अंशिका शुक्ला (28) और 20 दिन का पोता आरव मौजूद थे। परिवार के अनुसार, अंशिका अपने बच्चे को गोद में लेकर दूध पिला रही थी, जबकि विनोदनी और हर्ष कमरे में बैठे बातचीत कर रहे थे। इसी दौरान अचानक बांस-बल्लियों और मिट्टी से बनी छत ढह गई। चारों लोग मलबे में दब गए। चीख-पुकार सुनकर दूसरे कमरों में मौजूद परिजन और आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। अवधेश शुक्ला और उनके दूसरे बेटे राजू ने हर्ष तथा पड़ोसियों की मदद से मलबा हटाकर सभी को बाहर निकाला। चारों को कल्याणपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने विनोदनी, अंशिका और मासूम आरव को मृत घोषित कर दिया। हर्ष को मामूली चोटें आई हैं।

मां ने बच्चे को बचाने के लिए गोद में छिपाया

हादसे के बाद सामने आई जानकारी के अनुसार, छत गिरने से बांस-बल्लियां विनोदनी के सिर पर गिरीं, जबकि अंशिका और उसका बच्चा मलबे में दब गए। बताया गया कि मलबा गिरते समय अंशिका ने अपने बच्चे को गोद में छिपाकर कसकर पकड़ लिया था। मलबा हटाने पर बच्चा मां के नीचे मिला। मां की यह कोशिश भी मासूम की जान नहीं बचा सकी।

35 साल पुराना था मकान

परिवार का यह पुश्तैनी मकान करीब 35 साल पुराना और एक मंजिला था। इसमें चार कमरे बने हुए थे। छत बांस-बल्लियों और मिट्टी से तैयार की गई थी। हर्ष एक इस्पात कंपनी में काम करता है। उसकी शादी दो साल पहले अंशिका से हुई थी और 20 दिन पहले ही परिवार में बेटे का जन्म हुआ था। पुलिस के अनुसार, परिजनों ने शुरुआत में शवों का पोस्टमार्टम कराने से इनकार किया था, लेकिन समझाने के बाद वे तैयार हो गए। पश्चिमी क्षेत्र के पुलिस उपायुक्त एसएम कासिम आबिदी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में बारिश के पानी के रिसाव के कारण छत पर भार बढ़ने की आशंका है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है। मौके पर राजस्व विभाग की टीम भी मौजूद है और मामले में आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

कब्रिस्तान की जमीन को लेकर दो पक्षों में खूनी संघर्ष, पथराव और फायरिंग में 26 घायल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

शाजापुर। जिले के शुजालपुर से करीब 12 किलोमीटर दूर टपका बसंतपुर गांव में रविवार सुबह कब्रिस्तान की जमीन को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद हिंसक संघर्ष में बदल गया। दोनों पक्षों के लोग आमने-सामने आ गए और उनके बीच पथराव, फायरिंग, मारपीट तथा तोड़फोड़ की घटना हुई। संघर्ष में दोनों पक्षों के कुल 26 लोग घायल हो गए। घायलों में महिलाएं और 90 वर्षीय बुजुर्ग भी शामिल हैं। पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर कुल 39 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। गांव में तनाव को देखते हुए पुलिस बल तैनात किया गया है। पहले पक्ष के फरियादी इलियास अली (37) ने पुलिस को बताया कि रविवार सुबह करीब 8:30 बजे वह अपने पिता की कब्र पर दुआ पढ़ने के लिए गांव के कब्रिस्तान गए थे। आरोप है कि वहां दूसरे पक्ष के लोगों ने उन्हें रोकते हुए पूछा कि वह कब्रिस्तान में क्यों आए हैं। इसके बाद कहासुनी और गाली-गलौज शुरू हो गई। इलियास के मुताबिक, उन्होंने अपने भाई इफराक अली को मौके पर बुलाया। आरोप है कि बिन्यामिन और दिलशाद ने उन पर लाठियों से हमला कर दिया। बीच-बचाव करने पहुंचे परिवार के अन्य लोगों के साथ भी मारपीट की गई। पहले पक्ष की शिकायत में लाठी, डंडे, फरसा, तलवार और लोहे की छड़ से हमला करने का आरोप लगाया गया है। इसके अलावा दो मोटरसाइकिलों में तोड़फोड़ और जान से मारने की धमकी देने की बात भी कही गई है। वहीं, दूसरे पक्ष के फरियादी रिजवान (32) ने आरोप लगाया कि इलियास, इफराक और उनके साथ आए लोग हथियार लेकर उनके घर में घुस गए। शिकायत के अनुसार, रिजवान पर तलवार से हमला किया गया, जबकि उनके पिता शाहबुद्दीन और परिवार के अन्य सदस्यों को फरसा, लाठी और पत्थरों से पीटा गया। दूसरे पक्ष ने घर के सामान, दरवाजे, ट्रैक्टर और दो मोटरसाइकिलों में तोड़फोड़ करने का आरोप भी लगाया है। रिजवान का यह भी आरोप है कि उनकी बहू सिमरन का मंगलसूत्र तोड़ दिया गया। शिकायत में कब्रिस्तान आने पर दोबारा हमला करने की धमकी देने की बात भी दर्ज कराई गई है। संघर्ष में पहले पक्ष के 11 लोग घायल हुए हैं।



वायु गुणवत्ता सूचकांक 409 पर पहुंचा, सिरसा और गुरुग्राम भी सबसे प्रदूषित शहरों में शामिल; कई जिलों में जहरीली हवा से बढ़ी चिंता

महानगर मेट्रो ब्यूरो

चंडीगढ़। हरियाणा में वायु प्रदूषण लगातार गंभीर होता जा रहा है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार, हरियाणा के शहर लगातार दूसरे दिन देश के सबसे प्रदूषित शहरों में शामिल रहे। शनिवार को बल्लभगढ़ देश के 284 शहरों में सबसे अधिक प्रदूषित दर्ज किया गया। यहां वायु गुणवत्ता सूचकांक 409 तक पहुंच गया, जो बेहद गंभीर स्थिति को दर्शाता है। प्रदूषण के मामले में सिरसा 383 के सूचकांक के साथ देश में दूसरे और गुरुग्राम का पंचगांव 377 के साथ तीसरे स्थान पर रहा। राजधानी दिल्ली में भी वायु गुणवत्ता सूचकांक 369 दर्ज किया गया। हरियाणा के अन्य शहरों की स्थिति भी चिंताजनक बनी हुई है। गुरुग्राम में 345, फरीदाबाद में 336, रोहतक में 320, हिसार में 316, भिवानी में 307 और सोनीपत में 304 सूचकांक दर्ज किया गया। यानी प्रदेश के कई शहरों में वायु गुणवत्ता बेहद खराब से गंभीर श्रेणी में पहुंच गई है। उधर, मौसम में भी धीरे-धीरे ठंड बढ़ने लगी है। मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश में सबसे कम न्यूनतम तापमान पंचकूला में 12.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। ठंड बढ़ने के साथ प्रदूषण का स्तर भी चिंता बढ़ा रहा है। पड़ोसी राज्यों की स्थिति देखें तो उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में 277, ग्रेटर नोएडा में 281, नोएडा में 297 और हापुड़ में 307 सूचकांक रहा। राजस्थान के अलवर में 232, जयपुर में 231 और बीकानेर में 271 दर्ज किया गया। इसके विपरीत पूर्वोत्तर और दक्षिण भारत के कई शहरों में हवा अपेक्षाकृत साफ रही। आइजोल में 42, गंगटोक में 33, मैसूर में 89 और चेन्नई में 74 सूचकांक दर्ज किया गया।



कैनवा में 22 प्रतिशत से अधिक कर्मचारियों की छंटनी, 1,271 लोगों की जाएगी नौकरी

कंपनी की धीमी वृद्धि के चलते बड़ा फैसला, नौकरी गंवाने वालों को मुफ्त लैपटॉप, एक साल का स्वास्थ्य बीमा और करियर मार्गदर्शन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। ऑनलाइन डिजाइन और प्रकाशन के क्षेत्र में काम करने वाली विदेशी कंपनी कैनवा ने अपने कर्मचारियों की संख्या में 22 प्रतिशत से अधिक कटौती करने का ऐलान किया है। कंपनी के इस फैसले से कम से कम 1,271 कर्मचारियों की नौकरी प्रभावित होगी। कंपनी में फिलहाल 37 देशों में करीब 5,700 कर्मचारी कार्यरत हैं, जिनमें भारत के कर्मचारी भी शामिल हैं। हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि किन देशों और विभागों में सबसे अधिक छंटनी होगी। कंपनी की मुख्य कार्यकारी अधिकारी मेलानी पर्किन्स ने कर्मचारियों को भेजे संदेश में बताया कि एक दशक में पहली बार कंपनी की वृद्धि की रफ्तार इतनी धीमी हुई है। उन्होंने इस पुनर्गठन को कंपनी के 13 साल के इतिहास का सबसे कठिन दौर बताया। कंपनी अब कम कर्मचारियों के साथ अधिक जिम्मेदारी वाली कार्यप्रणाली अपनाना चाहती है। कुछ कर्मचारियों



की भूमिकाओं में बदलाव या उन्हें दूसरे केंद्रों पर भेजने की संभावना भी है। छंटनी के बीच कंपनी ने प्रभावित कर्मचारियों के लिए कई सुविधाओं की घोषणा भी की है। नौकरी छोड़ने वाले प्रत्येक कर्मचारी को मुफ्त मैकबुक दिया जाएगा। मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने कहा कि हर कर्मचारी के पास अपना निजी लैपटॉप उपलब्ध नहीं होता, इसलिए कंपनी उन्हें यह सुविधा देगी। इसके अलावा प्रभावित कर्मचारियों को एक साल तक लिंक्डइन प्रीमियम की सदस्यता, व्यक्तिगत करियर मार्गदर्शन और साक्षात्कार की तैयारी में सहायता दी जाएगी। जिन देशों में कंपनी स्वास्थ्य बीमा की सुविधा देती है, वहां प्रभावित कर्मचारियों को अगले 12 महीनों तक इसका लाभ मिलता रहेगा। कर्मचारियों और उनके परिवारों के लिए एक साल तक कर्मचारी सहायता कार्यक्रम भी जारी रहेगा। कंपनी अपने सामूहिक कोष से उन प्रभावित कर्मचारियों को 10 हजार डॉलर यानी लगभग नौ लाख रुपये का अनुदान देने का अवसर भी दे रही है, जो अपना कारोबार या नया प्रकल्प शुरू करना चाहते हैं। इसके लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि 14 दिसंबर निर्धारित की गई है। कंपनी ने स्पष्ट किया है कि इस अनुदान से तैयार होने वाले कारोबार या परियोजना पर वह किसी तरह का मालिकाना अधिकार या हिस्सेदारी नहीं मांगेगी। मेलानी पर्किन्स ने महज 19 वर्ष की उम्र में कैनवा की शुरुआत की थी। उनका उद्देश्य डिजाइन तैयार करने की प्रक्रिया को सरल और आम लोगों के लिए सुलभ बनाना था। आज यह मंच लोगो, पोस्टर, निमंत्रण पत्र और अन्य रचनात्मक सामग्री तैयार करने के लिए दुनिया भर में इस्तेमाल किया जाता है।

चुनाव से पहले अवैध होर्डिंग-बैनर पर नगर निगम सख्त, सात दिन में हटाने का आदेश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

चंडीगढ़। नगर निगम के आगामी चुनाव से पहले शहर को अवैध होर्डिंग, बैनर और पोस्टरों से मुक्त करने के लिए नगर निगम ने सख्त रुख अपनाया है। निगम आयुक्त ने आदेश जारी कर सभी प्रकार के अनधिकृत विज्ञापनों को सात दिनों के भीतर हटाने के निर्देश दिए हैं। इस कार्रवाई के दायरे में सार्वजनिक स्थानों पर लगे विज्ञापनों के साथ ऑटो-रिक्शा, निजी कारों और अन्य वाहनों पर लगाए गए प्रचार पोस्टर भी शामिल हैं। नगर निगम के संज्ञान में आया है कि शहर के विभिन्न क्षेत्रों में बिना अनुमति वाहनों पर विज्ञापन और पोस्टर लगाए जा रहे हैं। निगम ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित समयसीमा में इन्हें नहीं हटाने पर संबंधित व्यक्ति या विज्ञापन एजेंसी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। निगम की टीमें स्वयं विज्ञापन हटाएंगी और इसका खर्च तथा जुर्माना संबंधित पक्ष से वसूला जा सकता है। आयुक्त ने चंडीगढ़ विज्ञापन नियंत्रण आदेश, 1954 का हवाला देते हुए कहा कि किसी भी सार्वजनिक या निजी संपत्ति, दीवार, सड़क अथवा वाहन पर होर्डिंग, बैनर, पोस्टर और चुनाव प्रचार सामग्री लगाने से पहले अनुमति लेना अनिवार्य है। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ जुर्माने के साथ लागू आपराधिक कानूनों के तहत प्राथमिकी दर्ज कराने की कार्रवाई भी की जा सकती है।

मोबाइल फोन देने से मना किया तो बर्तन दुकान पर हमला, दुकानदार के बेटे को चाकू मारे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जबलपुर। अधारताल क्षेत्र में मोबाइल फोन देने से मना करने पर शुरू हुआ विवाद हिंसक हो गया। एक्सिस बैंक के सामने मुख्य मार्ग पर स्थित बर्तन दुकान में देर रात आरोपियों ने पहले पत्थरबाजी की और फिर अपने अन्य साथियों के साथ पहुंचकर दुकान संचालक तथा उनके बेटों के साथ मारपीट की। इस दौरान एक आरोपी ने दुकानदार के बड़े बेटे पर चाकू से हमला कर उसकी दाहिनी जांघ में दो जगह वार किए। घायल युवक को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के अनुसार, विनेश पैगवार (30) निवासी अधारताल ने 7 नवंबर की शाम शिकायत दर्ज कराई। उसने बताया कि 6 और 7 नवंबर की दरम्यानी रात करीब तीन बजे उसके पिता विनीत पैगवार और बड़ा भाई विशेष पैगवार दुकान पर मौजूद थे। धनतेरस के कारण बाजार में भीड़ थी। इसी दौरान शिवेंद्र सिंह ठाकुर उर्फ बूची, सागर यादव और सौरभ उर्फ तुत्तल उसरेठे दुकान पर पहुंचे। सौरभ ने अपने दोस्तों को फोन करने के लिए दुकानदार से मोबाइल मांगा। मना करने पर तीनों गाली-गलौज करने लगे। पिता के साथ अभद्रता का विरोध करने पर दोनों बेटों ने आरोपियों को दुकान से बाहर कर दिया। इसके बाद आरोपियों ने पत्थरबाजी की और वहां से चले गए। कुछ देर बाद तीनों अपने तीन अन्य साथियों दक्ष, उदय पांडे और सागर तिवारी के साथ मोटरसाइकिल से वापस पहुंचे और फिर विवाद शुरू कर दिया। इस दौरान दक्ष ने विशेष पैगवार की दाहिनी जांघ पर चाकू से दो वार किए, जबकि उदय पांडे और सागर तिवारी ने उसके साथ हाथ-मुक्कों से मारपीट की। अन्य आरोपियों ने दुकान में घुसकर दुकान नहीं चलाने देने और जान से मारने की धमकी दी। घायल विशेष को अस्पताल में भर्ती कराया गया।



बिस्मिल्लाह खां के पुश्तैनी मकान को लेकर सियासी घमासान, अखिलेश के आरोपों पर भाजपा का पलटवार

परिवार के बीच संपत्ति विवाद सुलझने का दावा, जर्जर मकान में संग्रहालय बनाने की तैयारी; संजय सिंह ने भी प्रधानमंत्री से मांगा जवाब

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वाराणसी। भारत रत्न और प्रख्यात शहनाई वादक उस्ताद बिस्मिल्लाह खां के पुश्तैनी मकान को तोड़े जाने का मामला अब राजनीतिक तूल पकड़ता जा रहा है। इस मुद्दे पर समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। वहीं भाजपा ने उनके आरोपों को झूठ और भ्रम फैलाने वाला बताते हुए पलटवार किया है। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने भी इस मामले में हस्तक्षेप करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से जवाब मांगा है। अखिलेश यादव ने इंटरनेट माध्यम एक्स पर पोस्ट कर लिखा कि जिनके



लिए शहनाई नहीं बजी, उनसे और क्या उम्मीद की जा सकती है। उन्होंने भाजपा पर कला और कलाकारों के प्रति असंवेदनशील होने का आरोप लगाते हुए कहा कि बिस्मिल्लाह खां की सांगीतिक विरासत को नुकसान पहुंचाना देश के सम्मान को नुकसान पहुंचाने जैसा है।



उन्होंने वादा किया कि प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर उस्ताद की सांगीतिक विरासत को सुरक्षित रखने के लिए श्रवण संग्रहालय बनाया जाएगा। अखिलेश के आरोपों पर भाजपा के उत्तर प्रदेश स्थित आधिकारिक खाते से जवाब दिया गया कि मकान को लेकर परिवार के सदस्यों के बीच संपत्ति विवाद था, जो अब सुलझ चुका है। भाजपा के अनुसार मकान की हालत जर्जर है और सरकार वहां संग्रहालय बनाने की दिशा में काम कर रही है, ताकि उस्ताद की शहनाई, पुरस्कारों और सांगीतिक विरासत को सुरक्षित रखा जा सके। पार्टी ने अखिलेश पर बिना तथ्यों की जानकारी के आरोप लगाने और भ्रम फैलाने का आरोप भी लगाया। इस बीच आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह ने भी इंटरनेट माध्यम पर मकान में तोड़फोड़ के वीडियो साझा किए। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सवाल करते हुए आरोप लगाया कि उस्ताद के घर में तोड़फोड़ की जा रही है और वाराणसी पुलिस परिवार को डरा-धमका रही है। बहरहाल, देश की महान सांगीतिक विरासत से जुड़े इस मामले में राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप के बीच सबसे अहम सवाल यही है कि उस्ताद बिस्मिल्लाह खां के पुश्तैनी मकान और उनकी ऐतिहासिक धरोहर को किस तरह सुरक्षित रखा जाएगा।

printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabd - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.